

विमुरवैजात' न्यौपरागं परतं प्रयागं मग' पायं परविजात' गजपुरं वं नमुरवहोतही विघन'  
 तपरिमान' सकविप्रमुखं कुरु' वितपरि' होतमुनेरं प्रमान' वाणी नके वरनं नुग' कवरनके  
 सत्वकी सत्वा' शुनकी सिद्धकी प्रमिद्धबुद्धिबुद्धिमानिये' ज्ञानही कागिरमा किमहिमा की विवेककिंद  
 रसनही को दरयतन उर' आनिये' पुनको प्रकाशवदेद विद्याकी विलासकि कजसको तिवासके सोदाव'  
 जगजानिये' मदनकंदन मुनवदन रदनकी प्रे' वेद न विनाशन की विधियहिवा निये'  
 प्रगट' प्रवमी को नये' कविप्रिया' प्रनगर' मोरि सि' अगवनि' फागुन मुदिबुद्धिवार' 'नृपकुं नव  
 रने' प्रथमही' अरु कवि के शबलु' प्रगट' कर' जिनके विप्रिया कविता की अवतस'  
 वार' 'बुद्धादिक के विनयने' हरण मकलनु विनार' करजबेदा करो प्रगट' रामवेद' अथ  
 'नृपवीर' 'तिनके कलंक निकालरिपु' कहिके रावरेनधीर' गहिरवार' इष्यातनु गति' प्रगट' नये  
 वार' 'कणन' पतिन के नये' धरनीधर्म' फका' जीतमहे जगती कस्तो' बानास्त्रीनि  
 ग' 'प्रगट' कणती लनया' जगमे जिनको नाम' तिनको' अरु नुन पालन' प' लये मोहनीया  
 ग' 'गहक' वार' तिनको द्रय' राजा साहन पाल' सहज इतिन के नये' कहिके रावरेनपु काल'

राजानि निगयो जे' तिनके' हरनं माज' नो विगद्यो के' सत नये' एषं न्यौपरागं राज' 'राम विघन'  
 ज्ञानये' तिनके' मुरयमान' रामवेड' तिनके' नये' राजा विप्रसमान' राजा मुदनी म' ननये' ति  
 नके के रावदाश' अरि मुद नज्म सेदनी की तिध' म' प्रकाश' राजा अर्जुन नये' तिनके' अ  
 नून रूप' श्रीनारायण के' बाक' स' स' ल' ल' वन के' रूप' माहादान' बा' म' दये' जीती दिशि  
 युग्यार' भारो वेद' अगार' लो' मुनिपुरा नि विचार' रिपु वदन' तिनके' मये' राजा श्री म' ल' धान'  
 नुरु' मुरेन' मुरेक' ल' जानु' म' क' ल' जितान' नृप प्रताप' रुद्र तनये' तिनके' जनु' नुरु' दयादा'  
 नको' क' ल' प' त' गुण निधि श्री ल' म' मुद्र' नग' र' र' म' लो' जिन' र' र' जग' मि' जा' ग' ति' की' त' क'  
 ल' द' न' मि' द' द' इ' जिन' पुरा' न' की' व' ति' र' र' त' म' म' न' न' यो' तिनके' ल' र' थ' च' ड' देश' र' या' त'  
 न' जा' ति' जि' हि' फ' स' ज' ज' त' न' व' ड' मेर' मा' हि' म' लि' म' के' उर' या' ल' म' स' मेर' एक'  
 च' उ' क' म' हो' न' यो' ता' की' म' र' ति' ह' वेर' उप' जिन' पा' यो' प' व' न' ह' गयो' मु' प' क' पर' लोक' सा' द' र' म' क'  
 कर' मा' हि' त' व' क' प' न' य' पर' लोक' जिनके' राजा' स' त' व' के' स' व' क' स' ल' कि' स' न' सि' क' दि' स' न'  
 हिवार' क' 'पा' र' व' जा' ए' नि' मान' 'निन' प' स्वि' टि' आ' ए' न' रि' प' के' श' व' ग' ए' ति' ह' रि' जिन' प' स्वि' टि' आ'  
 पुन' ग' ए' आ' ए' ति' न' ह' मि' धार' स' र' ग' हि' अ' क' ब' र' अ' व' वि' जीती' न' इ' दि' मि' धार' म' क' कर' स'  
 हिन' रे' स' ग' ह' तिनके' ली' वे' म' रि' धान' ग' नि' म' र' त' न' को' रा' व' न' र' जा' बा' द' हा' म' यो' म' क' कर'

साहिबो आधुनमाहिपुरादि माधोस्वारथमायही परमारथनेऊं गयोचुप्रसन्नैऊं  
 डमगं व्रमरधतजिदेऊं तिनकेडलहराममति लऊरेहोरिनराउं रिषुषमनऊल  
 मनो धरनधुहविप्रनाव रनधरोरनसंधफुनि रतनमेनमुनिइम बाधोआपुनका  
 लही बातोयाकेमोम इइजीतर नजीतकुनि शत्रुजीतिबलवार वरसिंहदेउप्रसिद्धपुति ३  
 मरुधारनधीर मधुकरमाहिनेरेमके इतनेमएऊमार रामासाहिराजापुर तिनमेखुडिअ  
 पार धरबाहिरजिहातिहा केसवदेसविदेरा सबकौयदइकहे जीतोरामनरेम रामसाहि  
 मुसुरता धर्मनरजेआनु ताहिअराहनतवटा अकहुरमोपुरतान करजोरिवाटिजिहा आ  
 आवादिमकिइमे ताहितिलवितकदइ अकहुरमेअवतीस जाकेदरमनकांगण उघरेदेव  
 ऊमार उपजीदिपतिदीपीका देवतिणकहीवार नाराजकोराजअब राजतिजगतिमाहि राजारो  
 नाराजसब मोहतजाकबाह तिनकेमेतअग्यारहनए जेवेसाहिअग्राम दिक्षिणदिक्षिणरा  
 जिसे जिनजीयोमयाम सखसदनुषननए तिनकेनारथताहि नेरयनगीरयपारयाहि उ  
 नमानतहसबताहि सुतमोदरदुपरमके यद्यपिबहुपरिवार तदपिसंबेइइजीतमिर राजता  
 जकोनार कन्यवृद्धमदानदिन सागरमोरातीर केसवरुसुर्यो अर्जुनसारनधीर  
 ताहिकलेवाकमल सो गहिदिनोअग्राम विधुसाधतिबेवनिह रूपतिवामअवाम

२

राजलोक

नेरव

ग

म

मश

मनस्य

कमोअमारोराजके सामनजबधंगित ताकौदेवतइइज्यो इइजीतरनजीत बाल  
 बहीकमनालमब दयमीलपुणवृद्धि जदिपीनरोअबरो कषटु पातुपरमअनीद  
 रायप्रवीनप्रवीनअति नवरंगरायअधु अतिविचित्रनयननपुन लोचन  
 लनितमोशिश मोहकसागररा की तानतरागतंराग रंगरायंगबलितंगति  
 रंग रतअगअग तेवीउबरमारिका सुद्धिसुरनियरतीते देवमनाअदीपीये रायप्रवी  
 नप्रवीन सपाराइप्रवीनयुन सुरतरयुलतद्रगेह इइजीतनाप्रोबध केरावदाशविदेह  
 नरीकिनरीआयुरी सुरीरहनअक्रताह नवरमनेवधानगतिमो मोनतिनवरंगराइ हाव  
 नावअसावता दोलांसमसुषदाई पीयमनदेतिकुलाइमति नवरंगनवरंगराइ नैरयुत  
 गौरीमयुन सुरतिरंगनीलेषि चंद्रकलाजीआहिये नयनविचित्रादिषि नयनबयनरति  
 प्रयनसम नयनविचित्राताम जयनमीनयतिमयनमनु यदाकरनविश्राम नागर  
 रागदी सागरतानतरंग पतिररणशशिंद रसदिन बादततानतरंग तनेतानतरंग  
 की ननुननवेधनिप्राब कलाऊयुमसरसरनकी अतिआनतितनतान रंगरायकीअ

जीतन

पराप्र

बगतर

गुरी सकल गुननकी मूरि लागति मुठ मृदंग मुख शहर दतंतर पर रंग राय कर मुरजं मु  
 य रंग मुरति पदवाक मतो बटोहि साधदी सब संगीत विचार अंग जीन संगीत के गावति  
 गुनी अनन रंग मूरति अंग नग प्रति राजति मूरति वन नावति गावति पठति सब मने वजा  
 वति वीन तिन मे करन क विलंबक राय प्रवीन प्रवीन परवीन राय प्रवीनो परवीन न  
 मुख अपरवीन के सब कदा परवीन न मनु डख रतना कर ललित यदा परमानंद हिली  
 न अमल क मल क मनीय कर रमा किराई प्रवीन राइ प्रवी कसारदा रुचिर जित अंग अंग न  
 वीणा रस कंधार शि राज हंस सुतियग वृष न वाहनी अंग नर वायु क लय त प्रवीन सि  
 व संग से हि मर्वदा मेवा किराई प्रवीन सविता सु क विता दइ ता कहो परम प्रकाश ता के  
 काजे क विप्राया कीनी के रावदास

गटं लये मन काहि उपजितिन के वितने सकल सनावटि जाति परमुरास नृगुन दन न  
 तिन के पाय पधारि दख रतन रा म सब उत्तम विप्र विचार जग पावन वैकुण्ठ पति राम

प्रवीन राज मुज नता वड जात

परज

न मत्त

न

वाशुकी मा

मा वाशुकी व

मत्त

ति

इ

बेइ इहनाम मथुरा मरुल मेदये तिनै मान मे गाम सो मव समय डकुल सकल त्रिनुवन पाल  
 नरेश केरदिये कलिकाल रिपुर तेई तिन हि सुदेस कुन वाक उदे सकल अगट तिन के व  
 म तिन के देवान दसुत उपजे कुल अवतंसे तिन के सुत जय देव जग आपि छय वीराज ति  
 न के दिन कस सुत नये वेगटि पंति राज दलि पति अनाबदी कीनी रूपा अपार  
 नरथ गया सहित जिन अकरे कर बल बार गया गजा धर सुत नये तिन के आनंद कंड  
 नयान द तिन के नए विद्या जुन जग बंद नये त्रिविक्रम मश्रुत ब तिन के पंति राइ गो  
 पा वल गट डग पति तिन के रजे पाय नाव समुति न के नये ता के बुद्धि अपा नये मेरो  
 नम मिष्ट नव षट दशन अवतार मान सिद्ध मोरो मकरि जिनि जीति हि सिचार गाम वीर  
 तिन को दण राना पाय पधारि तिन के प्रसीध जग कीने हर हर नाथ तो अर पति त जिओ  
 रमो सुनिन बायो हाथ पुत्र नये हर नाथ के कल दत्त मुन वेष प्रता साहि मगाम की जी  
 ती गता असेष तिन को दत्ति पुरान की दीनी राजा रुद्र तिन के कासी नाथ सुत मानि बुद्धि समु  
 द्र जिन को मक कर साहि नय बरुन करि सन मान तिन के सुत बलि बल न प्रसुत प्र  
 गटि बुद्धि निधान बाल कति मक साहि नृ जिन पे मुन्या पुरान तिन के सादर हलये के

श्री कृष्ण

उत्र

सबदाशकल्पान सायाबोलिनजानही जिनकेकलकैदास सायाकविनौमंदम  
 ति तिहकलकेसबदास इंदजीतितायोकेहौ मागनमध्यप्रधान मागोसबदनएक  
 रस कीजेरूपामना योहीकहोअजीवर मागिजुमनमेहोय मागोतो  
 हदरबारमही मोहेनरोकिकोई मुक्तकरिमान्याइंद्रजित ननमनरुपाविवार  
 योमदएइकइसतब ताकोपायपधारि इंदजीतिकहेतपुनि राजारामसुजान मान्यो  
 मंत्रीमंत्रीमित्रके केसबदाशप्रमान

यत्रगाध कविप्रियाकेसबकरी बमजहुकविअपराध देहस समुजेंबालाबालनकति वरननुप  
 विधिविवार कविप्रियाकेसबकरी कविताका अलंकारकरनातिके सुनिरवि  
 यमुषमाज कवमातज्यो कविप्रिया कंवकरहुकविराज सतिपदारथ अरुछजुत सुवरनम  
 तामित्र बंधकदालाहोतज्यो गंगाघटअधिविव विप्रनेबीकीजिये सुगधनकीजिमित्र  
 प्रचुतलझीवाहिजे दोषनरसीतकविन अक्षबदिरअरुपगग  
 विनि नगनमृतकमनिमुद अधविरोधीयथको बधिरतशरद्विदध बंदविरोधीपगगनि

१५

नगननुकषनहीन मृत्तिककहावेअर्थवित केसबसुनहुप्रवीन  
 कामलकंजसेकुलरहेऊवदेधितहीपतिवदविमोहे बानसमेबलवाध विलोचनकेधोरन  
 मविरोचनकोहे माधनसोमधरोअधरामनुकेसबकाउपमाकहेतोहे गलीहेकामनिदामनि  
 सीशगनामनिमीगज गामनीओहे  
 मिधसिरोमनशकरुहसिंघारतसाधममुहत्तरही सुंदरमुरतिआतभनुतकीजारधरीमे  
 बारीकरीहे सुत्रविदयतिलोचनसौमतिकेशवदाशकीधानअरिहे वंदतदेवअदेवसब  
 पुनिगातयुताअरधगधरीहे तोलतलनरहेनज्यो कनकनुलोतिलआध योहीबंदो  
 नगको सहिनसकिश्रुतिसाध धीरजमेचनलोचन  
 लोलविलोकिकिलोककीनीकनुबुटी फटगएश्रुतिज्ञानकेकेशवअधिअनेक विवेकी  
 फुटी खोदएभरितासबकाममनो रंकरथकीगतिबुटी योनक करतासवेवारकज्यो  
 वतयोउहिवारबधुटी तोरनहीटकटोरिकपोलनिजोररहेकरनोनरहोगी  
 पानधवायसुधाधरपानुकेपाइगहेतेसीहोनहोगी केसबबकसबेमहीहोमुषमचनेयहये  
 नसहोगी कोफिरबतदेमुहमोहिसेआयनीधायसोजायकहोगी

नारदकक  
 वेस्मातीवे  
 मरी

सुजा  
 जेवेजे  
 कर्मनोनी  
 तथादीकर  
 कुनीम  
 धीरजमेचनलोचन  
 य  
 वनन

कीलकमालकरानिमात्रविमालनिबालवलीहै हालविहालनितालनमालप्रवालकवा  
 लकमालेलनीहै लोलविलोलकगोलकमोलकबोलनककोनकलीहै बोलनिबोलकपोल  
 निटोलनिगोलकबोलकगोलगलीहै अगनुनकीजेनीनरु अरुकेसवजतिनगुध  
 दशदोषकवित्तके कविकलतजऊप्रसाग व्यर्थअपार्थतहीनकम समजलमकल  
 सुजान केसवरसनचूलऊ कविजनकरऊवधान वर्तप्रयोगनिकनकद सुसक  
 मकलकविगज सबेअर्थपुनरुक्तके बांमहोसगरेमाज देशविरोधनवनिये काल  
 कलीनिनिहार लोकन्यायआगमननके तजोविरोधविचार  
 केसवगनसुनसर्वदा अगनअचनउरआति वारिश्बधिवारुमति गनुअरुअगनिव  
 धान मगननगनननितगनअरु यगनसदासुजानि जगनरगनअरुसगनसुनि नग  
 नहिअसुनवधान मगनत्रिगुनयुतत्रिलघुमय केरावनगुनप्रमान नगनाआदिमु  
 रुआदिलघु यगनवधानसुजान जगनमध्यगुरुजानिये रगनमध्यलघुहाय सगन  
 अतगुरुअतलघु नगनकहैसबलोई मदीदेवतामगनकी  
 नागनगनकीलेधि जलजीयजानऊयगनको चंदनगनकैदिष्ट मुरजजानऊजगन



अगन

को रगनमिथीमयमान कालयमुपैसगतको नगनआकाशवधान  
 मगनजगनकोमित्रगन यगननगननगिदाश उदासी जगजानहो र  
 मरिपुकेसबदाश लमिनर सुषदेइनीरुनितुआ  
 नदकारीआगिअगदिनदहैमुरसुषमो री केसवअफलअकासकालकिलदेसुउदास  
 मगलवेदअनेकनागवडुहुप्रकासे रहविधिकविनसबजानिजऊ करताअरुजकोकर  
 नजियेअबधसबदोषगणसबेसुनाशुनफलफलइ जोकहोआदि  
 कवित्तके अगनहोयवमजाग तातेदिगुनविचारीयत कोतेवासुगिनाग  
 मित्रतेजोहोयमित्रबाहेबऊबुद्धि सिद्ध मित्रतेजोदासनामनुदतेनजानिये मित्रतेउदाशगणहो  
 नगोलइषदोषतिमित्रतेजोसबदोइमित्रबंकहानिये दासते नउमित्रगनिकानुसिद्धकाजसिद्ध  
 केसोदासवासतिजोवासवसजीवसबमानिये दासतिउदासहोनिधननासआपासदासतिहो  
 मउमित्रसउसोवधानिये जानिजोउदासतिजोमित्रगनउबलप्रगटउदासतेजोदासप्रक  
 ताइये होइजोउदासतेउदासतोनफलाफलजोउदासहोतिसुवतोनसुषपाइये मित्रतेजोसबुग  
 नतहीसोअफलगनुमउतेजोदासआस वितोनसाइये ज्ञाउतेजोउदासऊननासहोइकेसोदा

रेना

विगुण

समुद्रतेजोसुतास नायककौगाई  
 नमवैहैसाथ उबइहउमकौनसो कहैतजोगकीगाथ  
 उमपा येने प्राननाथकेमित्र फिरपीबेपबनाऊगे उध समजोचिन इंदोहाउदाहर  
 न आवैआउऊपाय केशवगनौअनअगनेके समुजोसुखसुखाय  
 मजोगीकीआदिजुत बिउजु दीरघदेय सोइगुरुनछ औरसब कहैसयानेनोय  
 वीरघदीलछकरिपरि मुषहीमुषतिहवार सोइगुरुनछ औरसब कहैसुकविमिर  
 मार पहिलेमुषदेसबहीको सधा कहैतुहरीमतमीवी इजेलेजीवनमूरिअरु  
 रुगयोअंगअंगलगाइअगीवी अवधो कहैकारन एउवीधाएहो उधवफुतिव  
 सीतीमाकरलोकनकेयइवेवकतेहीअयोनजवीवी सयोगीआदियुत कबजकेर  
 विचारकेसवदासप्रकासवस लछकरिताहिनिहार अमलतुनाइदमुषी गठीनई  
 अनाइ सोतिनके मुषकमलज्यो देखिगएमुखाई वरननकेसव  
 दाससु जिहांविरसहोइजाय ताकवित्तसोटीनरस वरनतकविविराय  
 देदधिदीनोउधारदेकेसवदानकहाअरुमोलनबहे दिनेविनाजोगईजुगई

मयलति  
 संगकी

हरही  
 तके  
 व केमव  
 उका वधला  
 मरी  
 ई

गरि  
 गईनगईघरेही गहिउवेरुकीयोकबहोउवेरुकीयोवरुनीकेहरेहे वेरुकीगोरसवेचऊं  
 गीअहोवेब्यानवचोतोहारनदेहे अवस्वरनकेवरनजिहा और  
 वरनसोनीन सोजतिसगकविसकवि केसबदासप्रवीन हरहरकेसवमदनमो हनघ  
 नम्यामसुजान योजजवामीकारिका नाथरदनदिनमान एकक  
 धिनप्रबधमे अघविरोधिजुहोय हरबपरअनमिलप्रदा व्यर्थकहेसबनोइ  
 मा सबसुखसुखारऊजीतीन रऊसजोभाउसराउ बरुवसुलीजेमोमुतुकीजिऊदीजिअप  
 नोदाउ कोउनरिपुनेरासबजगुहेरोउमकहीजिनोअतिसाध कलदेऊमगावऊनपनगावऊ  
 पुनधनीअगाध अघनजाकोममुफिये गहिअपाधजोने मतवारउ  
 मतसिसु केसववनविधान पियेलेनरसिफको होअतिसवर देह एबावतहरीनावतो  
 देवोगर्जतमेह कमहीगुणनिबधानके गुनीगनेकमहीन सोकही  
 येकमहीनजग केसवदासप्रवीन जगकीस्वनाकहिकोने करी कहिरायनकीजयपेज  
 करी अतिकोपकेकोनसंघासकरे हरजुहरवविधबुद्धि रे  
 कहनननीनेनागइ सोकहिजि कहुवर्न केसवदासकविनमे रलिनतकोवन वा  
 रनवयोवनावतिन सुवरनवलीविमान चटिजिराजमगाइके मानुराजतिकाल

मा  
 मा  
 पलिऊता  
 मर

एकवार कहिये कबु बलरिज कहिये मोई अर्थ होइ कि शब्द फुनि रुनि फुनि रुमो होय  
 मधवाधनु आसुत इ आनु अति मोहि जि बज परको पो सुत मधविमोहि सदेवीये शब्द कहो  
 रमाज जोवनपे नेसरमने हेक होतो को सुदि तन देयो मनु वेधीयो वेधी मनो की बुदि  
 मलयानि न मनु हरति हव सुषट् नर्मदा कूल सुवन समन धन सार  
 मय तरवर तरन सफल मरुत देस मोहन मोहा देव जस कल सभाग अस न क मल  
 कलीत जिह पुरन सलिल तडाग प्रकलीत नवनीर जरनि वासरक  
 मुद विसाल को किल सरद मय रमय वरषा सुदीत मराल स्याद वि  
 रमिगार के करुना गुना प्रमान तारा अरु मोहोवरी कहत सती समान  
 रजे तीनो वलजिग करि विषनि सो लेद पुनि तीनो उपवी उरु म प्रदली जिम विवेड  
 इनि विध अरो जानु नऊ कवि कुल स कल विरोध के सव कहै कबु कहै मुठन के अनु  
 के सव नीर स विरस उः सधान विधान पात्रक उल्लिखिक निरु रसिक  
 प्रत्यनीक रोध श्री गते जानि के सवनी ७  
 नऊ लेख मे त्रिविध कविन के राय मति पुनि तीन प्रकार की वरनत सब सुषयई

३२ रोध  
 तली पुन रुक  
 मो एक कह  
 न कनी सज  
 हि रथ पुन रु  
 क को  
 ज  
 नि  
 ५

उत्तम मध्यम अधम कवि उत्तम मंदर सानीन मध्यम मानत माननी दोषन अधम प्रचीन  
 हे अति उत्तम मने पुरुषारथ जे परमारथ के पथ मोहे के सव दारा अनुत्तम मने नर सनेत स्वा  
 रथ मनु त जोहे स्वारथ ऊपर मारथ लोगनि मध्यम लोकनिके मन मोहे नारथ पारथ मित्र कहो  
 परमारथ स्वारथ हीन निकोहे साधी वात निवर्तही जुवीवर के सव  
 नेवांनि एक निवर नि निय मुके कवि मति त्रिविध वषानि  
 दाम प्रकाश वस चंदन कि फल फुल रुस भकी की जानि जो शुक्ल पुकत मउल  
 जिहा जिहा वरनत सिधम सब तिहा तिहारत न देषि रुद्र मसरवर हो कहै  
 के सव हंस विसेष नेन कहै सर सुवत सुं मुजन सीय वनाय अजल सरयी तन कहै चारु  
 चंद्र कायाह सब के कहत उदारत बादेय अणार कहो कहोतां कुरो कवि कुल चउर वि  
 वार कटक नि अटक के न फाट सरन चषि वात तेन जाउ  
 उकि आनु न उधारीये नेक दो न नी जतुं मुस न क्षार वरनत की वर चतु रचित मति चारिये के  
 मोदा ससाव का सपर मपर का सन उसारिये पर का सीरीये नयी यये विमारिये चनी बिनु उदि पट  
 तम ही को गाढत न पातरो पिबोरो मउ पाट को उतारीये

संत क  
 निरंतर  
 पा मरु जग  
 ३३

वचन जेनु  
५५

सुषतमकलघनसारही केधनसंगमकुसुमकलितकेसरहीवविवायसी मोतिनकीसरिसरकं  
वकवमालहारआरसयजातजोतिहेरतिहरा इसी चंदनचदायेवासुदरमरीरसबराधीसुच  
मोतासुनिवसेनवसाईसी मारदासीदधियतदेषोजाइकेसोरायवाहीवहकुंअरिजुनाइमेअ  
नायसी वार्त्तिवेदमलयही हिमगिरहीनुजयात वरनतवेव  
निवरनते सिरनेमानुषगात अतिलजाजुनकुलवक गनिकागतिनिर्लज कुलटनिमो  
कोविदकहत अगअलजसलकु वरनतनारीति रनते लाजवागुनीवित सुषदा  
नसाहसबगुन कामआवगुनोमिन कोकिलकोकिलबोलवा वार्त्तिहेमकमास व  
बाहिहरषितकदे केकीकेसवदास दनुजनरा दतिसुतनसो असुरोकहतवधानि  
इससीसत्रामिहृष्टिकी वर्त्तबालकवानि महजसिंगारतिसुदरी जदयिसिंगारअपा  
स तदपिवषानतसकलकवी मारहइहासिंगार पधमसक  
लमुचिमजनअमलवासजावकसुदेसकेसपासकोसुधारवोअगरागइसुषतविविधपमुषवा  
सुरागुकजलकलितलोचननिहारवो बोलनहसनवितचाउरीचलेनवासधपलपलप  
निराधवतप्रतिपारवो केसोदाशमविसविलासकरहीअवरसीताइहविधिमोरसिंगारनिमिगा

दुजक  
हाणक  
दनिशुतन  
६

नबोल

रवो कुलटाको प्रेमवस बारवधनिकेजातुं जाहिंदयेपितमातसौ कुलदुकोयति  
मान महापुरुषकीप्रगटही वलतिविषमसमान दीपुषसगिरगजकलस सागर  
सिद्धमान गुनमनिबेरागंधीरजकोसागुलउजा गरधवलधरिधर्मकरधाएजु  
बलनरुनोरवैकोराजेगज राजममअरिगजराजतिकोसि समएज्यो कामतिकोकांमदेवको  
मनिकोवांमदेवरनयजय यनरांमदेवमननाराज्यो कामीसुकलकलसजबूदीपुदीपुकेसोदासकक  
त्यतर आएज्यो वृषनकंधरुमेघसम सुजकजअदियरिमान उरसमसिलाकपाटअ  
ग अवरत्रियसमान मेघज्योगनीरवानीसुनतमयानीसुषिसरिव अरिउरनिजवासीज्योउरत  
हिं काकेसुजदमकवलोकाकोअनयकजदेविदेविडर्जनसुजगज्योमरतदे तेरेवैकोगहतसंहत  
हेमिलामरुपराषवकोकारनिकिंवारज्योअरतोहे सुनलकोइइइजीतराजेरामचडकेसोदासजा  
करोमराजसोकरतिहे  
जदयिसुजातिसुलबनी सुवरनसरससुवत सुषनु  
कविनकहेकवितानके अलकाररुय एक कहे  
साधारने एकवसिष्टस्वरुय सामान्यालकारके चारप्रकारपकासि

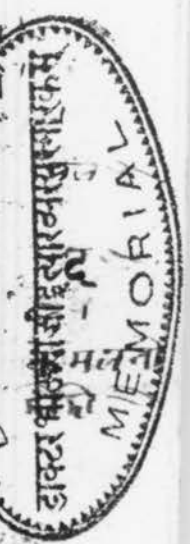
रजनीन

इलाह  
सम



उत्तर नमः  
रम  
रजनीते हार  
कलहटक  
ने वमलने  
न

सुरगिरि नृगोरोचना गंधकागोधनघृत चक्रवाकमनिमिलसदा कपलवनकुल  
कोमलकेसववसन केसरकनकसनागे सौरोमुखपलादिमज पात पीतपराग  
नृको रजनीविधितहितेमगलीनामधसोहे उरदा मनीदेहसवारुनाइदईधुजाइवमोहे  
रोचनकोरविकेउकीविपकफलननेअगवासुसोहे गोरीगुलाइकोमिलेकरहाटककेक  
हाटकसोहे विधुहृदयाकासअसि अरुनजन साय  
लकवकोकवसजि बालविसासीपाय राघसअगसलगुरमुख रासबाहमरोर रास  
धनडोयदी सिधअसुरतसतमवोर जामुजमुनाजानि तिलप्रमनगिरिउवीर  
लकरीवनुरकमंसि मृगमदकजालनीर मकयनिपाष्टगारस कानीकलकल  
यजसरिबकलेककलि लेचनतारेखील मारगअगनिकिपाननर लेसबोहडमो  
विरडजसोदागोथिका कोकिलमहीवीलेड काचकीवकवकामुनल केकीकाक  
मय कलहडुडबलशादिदे कारेकलपसय वेरिनिकेवस्तोतिदेवतिदी लागिजे  
तिकालमाकमलमुसमवजगजानीहे जतनअनेककरजदिपीतजमुसरिधोवतकुंबुदिनिन  
देववशाहे निजदलजागेजेतिपरवलेनीरहेतिअवलचलतियइअकहकलानीहे हरनष्ट



बंगलोगोल  
तबकके  
नाग  
इगोपक  
ममुजा  
ऊजक  
जल  
पकीक  
नी

सापीदीयअजनकीराजेरेषराजतिश्रीरामवंद्योनिनरुयातीहे हसनकेअदतासरवे र  
च कीचकरिसुधासोसुधारेमवकाचकेकलमसौ गंगाजुकेअगसंगजमुनातरागदेवकोवद  
पुरसोवारुनीकेसरसो केसवकपालीकिबजलकालादुजेसेअमलकमलअलिओहेससि  
संसो राजारामवंदजूकोवासवसतरेचूमन्त्रमिबाहितागोतिरेअसेअपजसतो  
इगोपषद्योतकनु केसरकुसमविशेष मदिरागजमुषतिउरवि तोमे  
तबकलेषि रसनाअधरदिगतयेन ऊजटसिवायमान शानिकसारसंसितमुज वान  
खदनधमान कोकिलवासवकोरथिक पारावतनधनेन विचरनकलहंसके य  
कीकिंडरीअन जपाऊमुमदाहिमऊसम किमुककंजअसोक पावकपलवबीटि का  
रेगुरुचितसबलोक रातपंदनरुप्रस वत्रीयधर्ममजोव अरुनमाहावसरुहिरुनष  
गुरुमधादीव फुलेयलासविलासएलीवस्तकेसवदामविलासनघारे मे  
षअरोषमुषानलकीजनुआलाविसालवलीदिवउरे किमुकअसुकउमलिकिरुदिरावेरसा  
तलमेचित चोरे विचूनवायचित्तदिसकोलतवासवकोरअगारनसोरे  
काककंतधरमूषिदा गृहगोधातनिनूर करसकयोतनआदिदे धूमधूमलीधूरि

बल  
पारेवान  
वग

ऊवतक  
पेराणा

वेस्तुदशि  
अ

उकलकव  
अ

धन-कस्त

राधवदीतउरोगचमूचतिरिचिजीजलसंयलचाई मांनोपतापकं  
 ताभनकमसुकेसवदासअकायनगाई भेटकेपंचप्रसुतिकिंधविधरेनुमयेनवरीतच  
 लाई उषनिवेदनकोसवसारकोरिकिंधपुरलोचसिंधाई  
 उषवेसऊवलथनलिन अनिलयोप्रविनबाल भक्तमनहयसूरके नीलवर्निसेवा  
 ल कंतडकलसौआर उरमेबलकेवलदाई केसवसुरजअसनममिमनोयमु  
 नाजलधारधसाई संकरमेनसिलालतमयकिंधोशुकवाफिरआई नारदबुधिविसार  
 दहीवकिंधोउलसीदलमालमुहाई  
 सिंधुसहहरशहगनि चंडविहव धंदेधि अचकधातआकारापुनि रूपास्यामसित  
 लेधि धनकहरधनुमेधअरु नागराजगजसेष पयोरासिकहिंसिकसौ अरुदित  
 सुरहिलेध राऊसिंधीनुसनि हरबलतदअजत अर्जुनकहियेमेतसौ अरुपारध  
 उलवंत हरगयसुरगनुमतिमिरे हरहराजजान केतिलसौकलिकवकदि अरु  
 केतिलसमान कलनदीरताहसौ गंगासिंधवधान नीरडनिकमेदनुसौ अरुनु  
 रिदोदल  
 विधिरिचिभोतिनुबनि जवरअरुहेम स्व

आवाले  
 अकरकेन  
 क-पर्विके  
 लास  
 बीर  
 उरजण

११

सरजक-७४५६

अष्ट  
तारकट  
पो

नमस्तसौकहतहै अष्टापदकरितेम सोमस्वर्तकिंधिउकल धोउरजतुअरुहेम ना  
 रक्तुदरुगोरुचिर पीतरकहिकरिणेम सेतवस्तुसुवि  
 अग्निमुचिसूरिसो महरिहोई पुष्करतीरसौकहे पुकजसौसंबलोई हसहसरवि  
 विनयि अर्कफटिकमनमान अबजराधसरसिजडओ कमलकमलजलजान

वर्ष

संहरनेआवर्तकहि कटिजात्रिकोनमुचनि नीरुणगुरु कोमलकविर्न निअल  
 केवलवित्र सुषुडवे अदिभदेगति सीतलेन संमुखपुंरस्वरभेकर अबलंबलिष्ट  
 अनुप सत्यकूवेमदलवरेनि आगतेप्रदाशतिदीन अष्टाव्यप्रतिमेकहे वलअनेकव  
 पानि इतनेसहरनप्रदा वरनऊकेसवदाअ अबुजआरु  
 येतनप्रेमप्रकाश हरकरमदतमकलडषमदनुमुकरमहिमदलके कहतअवमम  
 ति परमसुवासपुनिपीउषनिवासपरिपुरतप्रकामकेसोदासअकासगति बदनमदन  
 केसेअजुकमदनजदिमोवरमुनीवरदिनेजुकमित्रअनि सीताजुकमुषमुषमाकीउप  
 माकीकोमलकमलनअमलरजनपुनि केसवऊदलमृदिका वलय  
 बलयवधान आलवालपरिवेषरवि मंदमममलजानि मनिमयआह

३

आनन  
 अबुजक  
 कमल  
 प्रपमाते  
 पयोता



एक रेसम  
ल

सिंदे घिघरी कुंघसे घन मार हिले पुनि पोखि गुलाब तिलो बफुले ल अंगो बमै आबे अंगो बनिके  
 कहिके सब भेद जबादिसो माजि इते पर आज मे अज नुहे बरु सो उरि देवो तो देवो कहाम घी लाज  
 तोले चन लागये हे पलव कुं मुमदया ल मन माधन मु डुल मरा  
 र पाट पामरी जी संपद धेम मु पुन्य विचार मेनो असो मनु मड  
 ले मना का के सूत क सी सुरध नि मनि निहरत हे दासो के सेबी ज दान पात के ये असन आव के  
 यो दाश दे घिघिग आनंद नरत हे एरी मेरी इ मुषी मो हितेरी ना वन लाई तति बुज त हो तो हि  
 ओर बुज लिहर तिहे माधनु सी जी ल मुषक ज मे के रे कहिका व मे फ वे दी वाते के सेनिक  
 रति हे ऊचक वोर क ज मूल पुनि वरन वरु क क मित धाउ हा  
 मही राही यो विरही जिन के चित पुरनिके तने मुम मन कावक मव की पीत के म  
 उमु धे व म अरु हव म व ड ऊन डी व के सो दाश दी र घुं उ मा स निको सदा गति आउ  
 को आका मु देष को स पा प सो गी को देह जाति जात स य हा मन को स्य य य पुन विरु  
 वासर संजो गी को बुद्धि न की वी नुरी हे नन के धारा धर बाती को घ स्या घन घाई न पया मी को  
 बदर को बम वा अ नगी कुं मान नुरे जान नुरे ही राही यो का ऊ पुत्र सो गी को

रसको  
१३

समरक सरो-

तसक वं वड  
गति न न मुड

एतो समर सट संत मन धर्म अमर प्रणि पित्त जिहां त हा एव नियो के सत लिख ल वित  
 काय मनो वच का मन मोहन मोहन मोहन महा लय जेता के सव बाल व  
 हिकं मनु दि विपत्ति न हो अलि क्षीर ज चेता हे कल मे करु ना वर ना लय को न ग निहता  
 क्षाय जेता एह है सर ज मन ल ले दत सर सती अस ऊर धरे ता  
 तरल वर ग कर ग मनि वान चल दल पान लोचन के मन स्या जन बा  
 ल क काल विधान कुल टां कुटिल कटाष मनु सपनो यो धन मीन वजन अलि  
 गज अवन श्री हो मनि पुवन प्रचीन नौर ज्योत्त वत लोल ललना लतानि  
 प्रति वृजन से वल मीन मानु जिहां ज ल दे सयने ऊन होत अपनो एल नी एन वेन ऐन अ  
 क को सो फल नुहे गही ए धो दो न गुन देष तिही रही री क ही एक बुने र पु मोर को मह  
 नुहे चय ना म चि म किति सो हे वा स चो हि दि मिका को सने ऊच ल दल के सो द लुहे  
 पंक्ति रत पति वता विद्या व पुनी रोग सुष ही फल अति  
 लाष के संपति मित्र संजोग वान मान धन जोग जय राग वाग गृह रुय मुक्त सो म स  
 वीयता ए सुष दान अनूय पंक्ति रत स रत सुधी पतनी लति वत म परा

उरि वर म  
जो गी

क ऊ आपने

युननारी जानेसबेगुनमानेसबेजनदानविधानदयाउरधारी केसवंगेगनहामोवियोग  
 मेजोगमुनोगनमोसुषकारी साबुकेहेजगमाहिनहेजसमुक्तियहेचहोवेदविचारी ३५  
 अथउषदवस्ववर्ननः पापपराजयमूहहव सवतासुरधमिन बानेननेगीरूपविनु  
 अमहनसीवैरित ३६ अथवाधिअयमानवर्नननेरित परधरनोजनआस कन्या  
 मंतिनहृदता वषाकानप्रवास ४० ऊजनऊस्वामीऊगतिहय ऊपुरनिवासऊनार  
 परवसदारिदआदिदे अरिउषदानविचारि ४१ कवित्त वाहनऊवात्स्वोस्वाक  
 रयत्स्वीतमित्रमंतिहीनमुमस्वामीउरआनिये परधरनोजननिवासवासऊयरिनिके  
 मोदाशवरषाप्रवासदसदानीये पापनकेसंगअगअगनाअनगवसअपजमंजुतमुन  
 चित्तहितहानिये मूदताजुवाइवाधिदारिदऊवाइ अधिइहानरऊलोकनवषानिये  
 ४२ अथमदगतिवर्नन दोहा ऊलत्रियहामविनासबुध कामकोधमदमान सनि  
 पुरमारस हंसगज त्रियगतिमदवषान ४३ ३१सवैया कोमलविमलमनुविमला  
 मिसर्षायाकमलायौलीनेहायकमलमनालके नपरकीधनिसुनिनोरैकलहमनी  
 केचैकिचौकिपरैचारुषिटवासरालके कचनकेनारऊवतारनिसऊवतारनवेकल

चिन्तामराजनाबवा

कलिंदनेतहबुज

जलसहनेकम  
 ३

नाम

बकजातिकटितठिबालके हरेहरेकोलविविलोकनिहसतिहरेहरेचलतिहरतिमनलाल  
 के मलयजदाषकलिंदमुष औरौमिश्रतमीति  
 प्रीयसंधमधरासारसमि जलजलसहेहिम श्रीन  
 मीतलसमीरदासुवचैत्रिकातिवार केसोदासअंसोहीनोहरषहरातुहै कुलनफलाय  
 नारिकारमारघनसारचंदनकोदारचित्तबौगुनौपिरातहै नीरहीनमुरजातिजीवेनीरहीये  
 जीरकेवरकेकहाधीरजधरातुहै पाइहेतेपीरकिधौयौहीउपतारकरेआगकोतोदाधौअ  
 गआगहीसरातुहै रिपुपतायडुविचनंतय तमविरहसं  
 नाय मूरजआगिवजागिडुष दृष्मापापविनात  
 केसोदासतिदनुषणामउपहासडुषकेनिवासविमुषऊंगहोपरे वाइकेवहनविनंदाव  
 कौंदहनवमीवामवाअनलज्वालजालमेरहोपरे नीरनजनमजातजोरघोरपुरनपगतया  
 रतापतपुकोकहोपरे सहीहोतिपनतापनयरकेपतापरफवीरकौविरऊमोपिनमहोपरे  
 नलननुऊवरसुरनिषनु हरसउदमनुनिवार द  
 मयंतीसीतादित्रिय सुंदररूपविचार कौहेदमयंतीइ

जर  
 ३५

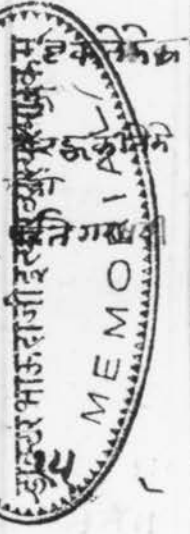
पूरउरैतामबेदअअनीऊनार

इमतीरतिरतिदिनहोदिनं निनं च विजोसिंगारीये केसवंलजातं जलं जातं जातं वेदं वापं जातं रु  
एवापरै विरुपरेनेहारिये मदनु निरुपमं निरुपमं निरुपमं नयेचंदवस्तु रुपं चोरुपकोविचो  
राने सीताजुकेरुपं परदेवताऊरुपमेहेरुपऊं केरुपकेतोवारैमारिये

१५  
किंगुरतेतिमरा

मेरीकहताआ  
भारीमेरी

किंगुरसायं अरुकं अज मुहिषीकोलवषानि कालकाकवंदैरतयं  
स्वानंरुस्वरं जानि जीलीनैरसीजीलीरोटिऊं कीरटेनीनीस्योउते सवाइतुनसा  
वीतीजेआगरी केसोदाससेमानकीलामनीतेनासेनासघरीतेषरीसीधनउटितिउआग  
री तेहनकीमेरुअं हारां नारनकी वो कहैतिवाकीवानीकागनकिंकागरी सुघरी  
मऊचंसकिंऊकरी ओमूकनइघुकीसीधरनीकोहेमोहेनागनागरी  
कलरवकेकीकोकिना सुकंसारोकेनहय तनीकहनआदिदे सुन  
मुरंदइतिवय केकिनकीकेकासुनिकाकिनमधतमनमनमयमनोरधरयय  
मोहिये कोकिनाकीकाकलीनकलितललितवागंदेषतिही अनुरागओरअवरोहिये कोक  
नकीकारिकाकहतमुकंसारिकानिकेसोदासनारकाऊमारकाऊमोहिये हमजालकान  
बोलतहीमानकीमालाउगारबोलिनेदलालसोनओमीबालाकोहीये



दोहा ॥ मकरपीयाधरसोमकर माधनदायसमान बालकंतातेतोतलीरी कविंकलंउत्तमप्र  
मान मिहवांमिथीहधृत अतिमिगारसमिथ अषमपयपीऊषगति केसवंसा  
वेश्ठ शरिषातनदासोदायनमाधनऊह  
जमहमेविडाइ केसवंऊषमयुषहीहधृत आइहोतोपहिलोमिजिवाइ नोरदवदकारसु  
स्वकवाकिंमिगयेकरिकोहोदिताइ बादिननेहरगधीऊवाइममेतसुधावसुधाकीमिवाइ  
पगुगुवरीगीवतिक नीतंनृषजुतजानि अधअनाधअजादि  
मिसु अबलाअबलवषान घातनअघातसबजगतषवावउहेपदीकेमा  
गयातघातहीअघातेहो केसोदासंनृपनिमुताकेमतिताइ नयेचोरतेचउरनुजवोऊंवेकजा  
नेही मा गनेउहारपालदाशहनुमत सनेकावमहीकोनपाववेदनवषानेहो ओरहअ  
नाथनिकोनाथकोऊरघनाधउमतोअनाथनिकेहाथहीविकानेहो  
पवनपवनकोपतअरुपरपरमेसरमरपाल कामनीमुवालीहलीबलराजाएफक  
काल सिधवराहकगयदगुरु सेमुमेतीसवनूरि गुरुअदवेदमातापिता बलिअह  
इंधिवार बालबधोबलिरावबंधोकरर सुकीसुनूकपालधनीहे कामजरोजग  
कालुपस्याबदिनमेधुंधरेविधुंहालहलीहे सिधमघोकिनकाजीनघोकिहिकेसवंइऊं

सूततेसारथी

हानीतेबलनर

कौलो जाराधु विपुष्टि वायु रूपसरस मलय विनु किनेऊ बिषाखा सरवेती तमे ग्यानं गिर को रितो रि गज  
नद्र जाय मिष्यां ग्रायः ही तौ ग्रापु गान्या ग्राप निधि प्रीतमे गरी गरी सुगने

15

अब कब जब नजिहा जगति यत विषही की दीनो अब सबही को छुड़े ।

संयुक्तपालः

८

गिरानेस्वरस्वती॥

आधूनक  
दृष्टक  
आधूनक  
को

मतिकेसवउदारकौननई देवतापमिधमिधरिषराजनंपंडितकहोताकीवातकहिकौ नकाहोत  
ई लावीनतवन्नमानजगन्नवसाननुहेकेसोदासवधानकौहोनवधानीनेकहोगई वलैयतिवा  
दुमुषवधेनपंचमुषनातीवसेषदुमुषतदपिनई नई बोधकवविधव्याधि  
त्रिवधिअधिकेआधिवेदउपदे दधिबधनविधानुहे जगंयारावारापारकर्तअपारनपूजक  
रपरमपादपावतप्रमानुहे पुरुषपुरानकहेपुरानसबप्रेरनपुरानमुनिनिगमनिदानहे सो  
गवाननगवाननगतिनगवानकरवेकेसोदासमावेनगवानहे

परावार  
र  
वेद

केसवचारवगौरवसोनवेजीवनिहीजुबईजु मानैसमुद्रनिर्गमनिराम  
सुबीप्रनिवारअनेकवइजु पुराणपुरानअरुपुरुषपु  
राणपरिपूरणबनावेनवेतावेओरउक्तकौ दरसनदितनीनदरसनसमजेननेतानन  
हेवेदबाहनेदयुक्तकौ जानियहकेसोदासअनुरागअनुदिनरामरामरतुरहनुनमरतपुन  
रक्तकौ संपुदेइअनिमोहिदेदिगुनेगिरमोहिमहीमाहिदेइनकिनामुदेइ मुक्तिकौ  
जोमतयहकरकराईइताकौसोप्रिभुताकपिहजकौकीनी ईमदईजुदियेद  
अलिमातेसीदी  
पूजनेमम

१७

ओधुकेनेअजोध्या

संसीसंसुलेकबनीषनअहादानी दानंकयारफनाथकाकेसवकौ वनैरसअक्तन  
नीनी जोगतिऊरधरेतनकासुनौओधिकेसुकरकरलीनी  
कैनेटसोनरकासुरसोपलमेमहसोमुरसोजिनमासो लोकवउ  
दधाररुक्केकावप्ररनेवेदपुरानकिवासो श्रीकमलाऊऊऊममहितप्रहितदेवअदे  
वनिहास्यो सौकरसोगनकावलपकरताररुकेकरतारयसासो  
कारेकारेतमकेसेपीतमसुधारेविधवारैवारिमारिमारैगिरिकेसोदासनाषहे घोरैघोरैम  
दनकपोलंफुलेषुलेनोलेजलधुलचलथानसुतनाषहे घराघननातघननातघनेघघराति  
सोरनननातनुवपेतिअनिनाषहे डरुनंदलिइदलनंसिधकेसोदासहाथियेहथारुक्  
रिराषहे पापकेपुजयषावजकेसवसौककेसवसुनेसुषमामे कवकेजालरंजाके  
अलोककेआवकजुथनजानीनीजमामे लेदकेलेरवमरकेमफकोतिकलोकलके  
ऊरमामे जूकुंहीवरवीरुवजेबऊदारिदकेदरबारदमामे

पानसूतनेग  
लेखनसोवे  
आवमनेका

दल  
अमर

देसनगरवनवासंगिर आश्रमसरिताताल रविंसमिसागरा

जानतेयालषी

कोमिकने  
विष्णुमरित्र

नमिके कषनरतिमबकाले रमंषानिपसुपंहीवधुं वस  
 तमुगंधसुदेम दानमानजितवर्णि नावाचषतिवेस अविआवेअमनं  
 मनवसुवा सुपसुदानमनमानजानबाहनुवषानिये लोगनोगजोगनागवागरागसुपु  
 मरषनरषननिरषतिसुनाषामुषजानिये प्रातौएरीतीरयसरितसवंगगादिककेसौदा  
 मपुरनएरातेगुणगानिये गोपालवलअसेगदराजाभानप्रिधजुं सेंदेमतिकीप्रनमादि  
 मध्यमानिये वाइकोटिअटाधजा वापीऊपतटाग वारि वारनारनेदे  
 नारअमतीसती वरनऊतगरसलाग बोऊंसागवागवनमानऊ म्या  
 मघनघनसोनाकीसीसालाहसमालामीसरितवर अवेअवेअटानिपताकाअतिऊंवी अलानिक  
 ननुकोमिकीकीनीगांधेतेषतरंतर अपनेसुषनिआगेनिंदतनरिदउरघरघरदेविय मेदी  
 नंदेवतासेनरीनर केसौदासत्रासनिहाकेवलअदृष्टकौवारियेनगरआमलेनगरएर  
 सुरतीइतवनजीवबक नतपेतनयतीर निह्नन  
 वनबहीविपेहे दववनवसईंधीर  
 केसौदासवौमलोकेआसपामतीसकोसतुंगारननामवनुवेरीकौअ

वारनारनेदे  
म्या  
अलानिक  
मेदी

१८

जमवंततेरुति

की  
जराभुट

न

म

जीतुहे विधिकेसौबंधवरवारन बिलिनिबाधिदानरवराहबकंतिअकोअनितुहेज  
 मनमात्रिकीसीकिजामतकेसौदानमहीयधुषसुतहिइतिकीमीतुहे अचलअनलवत  
 मिहंसीमिरिउ जतमदकेसौ परमपुनीतहे दंगडगदी अंगतेउवा  
 रघदरी सिद्धपुरीधात सुरनरजुतगिरववरन ओषधिनिजराधात रामचंदकी  
 नेतेहेअरीऊलअ ऊलाइमेरुकेममनिआनअवलघरीनिमे सारोसुकुहसपीकंकोकिला  
 कपोतमृगकेसौदाउंकहयंकलनकरीमे नारेकऊहारदुटेरातेपीरेपुबुटे कुटेहेसुगधघटुअवत  
 तरीनमे देवियतमिषवसिषरप्रतिदेवतासेसुरऊसर अरुसुदरीनमे होमकमजुनहरी  
 वनिये वमंगोष मुनिवास सिधादिकमृगसारअही इंसुसुतवेरवनाम  
 केसौदासमृगजबबेचकेवाघनवाटतिअरनिवाधबालकवदतुहे सिधनकीअटाओ  
 सेकलनकरविकरसिधनकौआसनंगयदको रवु हे फनकेफननपरमावतमुदितनोरकोध  
 धनविरोधजिहामदनमदनहे वानरकरतिप्रोरिंदोरिअध तापसनिरमकौनवासुकिधोशि  
 वकोरुदनुहे जनेवरदयगयजलजतत यज्ञऊमुनिवास  
 स्नानदानपावननही वनियेकेमवदाश ओमलेतीर

अंगतेउवा

न

नरंगनिवत बैता हितरे नरके सवको है अर्जुन बाहुं प्रबाहुं प्रबोधित रे वासुदेव जनकी रज मोहे  
जो बिजगे जमुना मोली नगे जग जोवन लाति पाप विमोहे धुरमुना मुसुग मउ गतरंगति गंगेति गिरंगनेक  
गंगामी मोहे ललित लतातरवर ऊसम को किल कलवरे मोरे व लोल  
रनवाग अंबुरागमौ नव नवत व ऊ आरि सुहित सुदर मन के दूताक सुदर फल  
लित कमलासन विलास मक मन्मथ मानिये मोहीये अपुणारुप मजरी पेनी लकड के मोदाश सरोज  
षगट असोक उरि आनिवे रता सुदर मोने मज गोषा जरी सहै मूल ले सुमन सुमब सुषदा नीवेये कमलात  
देव को दिवान मो प्रबी नराइरू का वा गुंडे के ममान जिहाइ इजि जने जानिये कलेश  
लेलित लतातरवर ऊसम को किल कलवरे मोरे व लोल कलेश  
लवर वरन ऊताल आधरे मलि और निके सवनि मलकाय करे व ऊ आरे पद्यन तावतेत  
के परताय हरि हे विजेति जल त वरु ह तोरि देव ऊं क मना वेव मो व मनागत मागत को विनु थोर उगत उवा  
ज्यो वत जीवि निहारि निको निनु बंधन के जग बंधन तोरि गुगतर १५  
गंग नीरता रतन जल जंब ऊ गंगा संग मंदे विजिय जानि विमान अनंत गिरिवम  
बांन लह विब ऊ बंजी दयति जानि पन्नग देव अदेव गृह असोमिक वधानि

अचितेय पस

तिरंगनेक  
लोल  
सुदर फल  
सरोज  
कमलात  
कलेश  
तावतेत  
उगत उवा  
१५

मंजु जाषा  
ते को राज

जावत तेज  
वन

विस्व

सेष धरे धरनी धरी धरे के सव जी वस्वे विधजेते बौद ह लोक ममे निनिने हर के प्रति रोम निमे चितं वेति  
मो वन ते उमुने इत हा मि अनादि अनंत अगाध हे एते अकत सागर को गति देष ऊ सागर ही महा  
सागर के ते कृत विक्रम ति पाऊष ऊ विष इम मरी कि पापे वि  
कोहे हे कि क के सव क मप को पुरु देव अदेव निके मन मोहे सति हियो कि वसे हरि सत न मोल अ  
नंत के देक वि कोहे बंदत नी नरंगतरंगीत नागर को हे ऊ कि सागर मोहे  
सुर उदयने आरु नता पयं पावन ता होइ संध वेद कनि मुनिकरे पंथ लगे सब  
कोई कोक को कनद सो कुरुत उषंक वलय ऊ लटानि तारा उषध दीपं शशि धुक वोरत  
महीनि कोक नद मोद कर मदन वदन कि धौ दश मुष मुष ऊ वलय उषदाइ हे  
रोधक असाध जनु को धत न मो पुन कि उदित प्रबोधि बुद्धि के मोदा स पाइहे पावन करन पय हरि प  
दपंक ज कि जग मगे मनि जग मगदर साइहे तारा पति ते ज ह नार का को नार क कि प्रगट प्रना न  
निकर ही की प्रलुताइये कोक को कनद विरह मते मानि न ऊल  
रनि उष बंजी दयते ऊ वलय नि जल द्विच के रनि मुख के मोदा  
महे उदास क मला कर मो कर मोष क प्रदोष नायन मांगुन तारिये परमं पुरुष पद विमुष पुरुष रू  
अमृत अशोक के विरोध ता वं वर वत को कनद मोद वं मध मत विवारिये

विमुषने के  
नती

ऊवलेते  
पोषणा

उदे घते संधा  
नो सने

अदते पारव  
नी

सहागतिराय

सबरेने निज

कंजते कमर

यसुमुषं मुषदविउषनिउरिधारिये हरिहरीहियमेनहरनिहरनेनीचडमानंमानंवेइमुषीनार  
दनिहारिये वरनवसेतमुषअलि विरहनीदारनवीर कोकिल  
कलरवकलितवन कोमलमुरनिसमीर मीतलममीरश्रुनगगाकेमुरगजुनअ  
वरविहीनवउवाप्रकिलसनुहे मेवउमकपगनगजमुषपरनूतनोतिसुनिहोतिसुषीततयोअमे  
तहे अमलअदलरूपपंजरीसुपदरजरजितच सोकउषदेषतनसेनुहे जाकेराजदिसरफुले  
मुमनंसमवशिवकोप्रमाजकिधेकेसववसनुहे तातेतरलमे  
मीरमुष सधेमरितांगल जीवअबलनजलघनसकल ग्रीषमसफलरसाल  
चमकरकलित बलितवरसदागतिकंदमूलफुलफलदलिनकोनाशहे  
कीचवीचबयेमीनयालबिलकोल ऊल उरददरिनहिनरुतकोविलासहे धिस्वरज  
वुनरनवनप्रतिकेसोदासमृगशिरअवतनिवासहे धावतेवलधकषमोनतिनिपानसरय  
बरसमुहकिधोग्रीषमप्रकासहे वषविननऊहेसंबक दाउरचातक  
मीर कोतककेजकदेबजल सोदासमिधोरि सोहेसुखायवा  
दप्रमुदितपयोधरसधनजरउजोतितमिनरलाईहे उरकरमुषमुषमांशिचिकीनेनअमलकमलदल

मकरतम  
राजनस  
परसुतते  
कि  
वतपरन  
नेमाका  
रमा  
पनि  
यत्र  
स्वपतेव  
वतेनति

करेनुकातेरुस्तनी

सबद

मुदितनेप्रति

वलीकंदलय  
तेप्रथवी

बंदकनतेकस

बलितनिकाईहे केसोदाशप्रबलकरेनुकांगवनहरमुकतिसुहंस के सुषदाईहे अवरबलित  
मतिमोहेनीलकंवजूकीकालिकाकिवरषाहरषहियेआइहे  
अमलअकामप्रकासशशि मुदितकमलऊनिकास पंथपितरपियानरय शरदधुकेसवदा  
म सोनाकोमदनुवाशिवदनमदनकरुवदेनरदेवऊव  
लयवरदाईहे पावनघदउदारलसनहमऊमारदीपतजलन हरिदिशिदिशिधाईहे तिलक  
वलकंचारुलोचनकमलरुचिचूरिमुषजगतथनाईहे अमलअवरनीलेनीनपीनपयोधरि  
केसोदाससारदाकीमरदसुहाईहे तेनतेनचंदोरत्रिय ताप  
तपनिरेतिवत दीहरयनिलऊयोसुनि प्रहोतधीतेहेमत अमलकमलदललोच  
नलनितंगतिजरतमीरमीननी तदेहुयकाचडकानषायजायचदनलायोजायवदकीवितयोजायप्र  
रुतिवपुषका बंदतधनजातघटनाधरीऊ धरीबिनबिनबीनबबिरवीमुषमुषकी शीकरउंसारश्च  
दसोदतहिमवतरुडकिधेकेसोदाशत्रियप्रीतममुषकी शिशिरसरसम  
नवरनसब केसुवराजारक नाचतगावतरैनदिन बेलतहसतनिसक मरमअमे  
मसरसरमिजलोचनविलोकनीकनाजलोयिवेकोआगरी ललितलनासुबाऊनानितुनजालबाल

ऊवलनयते  
पोयणा  
जलजतेमोती  
नूनतक  
शीकरतेवार  
असमते

विटपिउरति जगेउ मंजारी पञ्चवन्धर मक्षमक्षयनिपीबतंदर वितरु चिरुपिकंसतं मुषमागरी इहं वि  
धिमदागति गलीनवास शिरका मोला किधौ वारनारनागरी

वारनारनेवेसा

राजारा नीराजसुति प्रोहितं दलप्रतिपति मंत्री मंत्रपद्यानं मय हयसंयामं अनुत आघेटक जलकेल  
पुनि विरहस्यदं वरजानि कषितसुर तादिकनिकरि राजा द्विवधान

आवेकतंस  
कार

महर्षी नवा  
वो ॥ कसते  
तेनार  
पीरकी

प्रजाप्रतिज्ञा पुण्यपन परमपुता पप्रसिद्ध सासननासनराहुके बलविवेककीदृष्टि दम  
अनुग्रहधीरता सत्यसुरतादान कोमदेशानुनवलिखे ऊग्रमंडमानिधान

नगरनगरपरघ नहीगा नेघे रइतिकी ननीतनीत अधन अधीरकी अरिनुगरी निप्रतिवर  
तं अगम्यागौनसावे वित्तवारी परनारी परकी सासनको नासनकरत एकगक्षमनके सोदास दुर्गिनही  
उगतिशरीरकी दिसि रजितपे अजितदिज दीनो निघो असीरतिराजनीतिरजिरेधुवीरकी

गंधामनतेवा  
पु' डगंतिको  
टि

मुदरमुषदं प्रतिवृता मुचिरुचिसीलसमान इहे विधरानी वनिद्ये स  
जजसुबुधनिधान माना जिमयोषतिपिना ज्योपनिपालकरेपक्तजि मसासनकरत  
हेरहियसौ लैया ज्योमहावकरेदेत हेसघा ज्योमुषपुद्ग ज्योमिषावेमिषदेत जोरजियसौ दाशी ज्योद

२१

संबंध

हलकरेदेवी ज्योवमन्नके सुधारै परलोक लोकना नौनाही बीयसौ बाकेहैं अद्यान मंद वितके बिनक  
बुद्ध अरसौमनेहकरे बाकी अमीतियसौ काजकेहैं आपने  
दीकरतं कामरतिका मंसधरतिनरतिको जरीकेसेउरजानिये अधिक असाधि इडं डं डणी अनेक  
इडं नो गवनी के सोदास वेद निवधानिये विधुं अवधिकी नीयावती ऊं श्रीपदीनी असेमबपुरुष  
युवतिउन मानिये राजारा मंद मेराजतन अनकुलमीना सीपतिवृता ननारी उरिआनिये

विद्याविविधिविनोद जत सीलसदीत आचार मुदरसुरउदा  
खवु वरनयराजकुमार दाननिके दानके पहारी दिनदा

संतवांशवि  
रु

नवारि ज्योनिदाने दिये सुनाइके दीपदीपकुके अवनपीपतिके अवनपीपुस मय के सोदास दिज  
गाईके आनदके कंदसुरपालकके बालकसे परदार प्रियसाक्ष मनवकायके देहधरे मधारी  
पेविदेहराजा जमेराजराजत कुमार असेदशरथराइके प्रोहितनपा  
हर्तवेदवित सत्यसीलश्रुति अंग उपागरी बुद्धगारिनु जीत्यो जगत अनन  
पुरऊत सीतलोक लोकगाएगी तपाएनु अनुत प्रत अरित्रासुहे जीते सज्जीत नृपदेस बंरुपा  
आरकोन के सोदास बलको विलासुहे नोसोहंरुको धनुषनृपगन गोवि मुषदेवो जौवकको मु

५

विदेहराजते  
राजाजनक  
पुरऊतते २५

२२

मा

रति  
मंत्रते विचार  
शालक  
रूपते देव

पुष्पमाकौवासुहै कैगरं प्रसन्नं मंवाद्यौ धनं धर्मं धर्मकेवलं वशिष्ठके प्रसादकौ प्रकासुहै  
 स्वामिन्नक्षिप्रमजितसुधी मेनापतं अनीतं अनात्मजिनप्रियजमी  
 पुष्पसंग्रामं अजीतं बौद्धिद्वयो अति आरमं पारमं के सवस्त्रा  
 रघुधर्मपुरो साहसं सिद्धिप्रसिद्धं नराजलं जंघलं ऊबलं विक्रमपुरो मोहीरेणकं अनेकनमाह अने  
 कनएकविनारनदुरो राजतिहेति हि राजसुताजाकविमूमेचमूपनिमुरो तेजव  
 डेनितराजको अरीउयजेहिहोस इगतिज्ञानहीममयगुनं वरनहुडति अलोस  
 स्वारथरहीतं असमहीनविहीतं मतिकामक्रोधलोस मोहलोस मदहीनेहे मीनऊं अमीति यद्विवा  
 निबौकोटिसकालबुद्धिबलजा निवैकोपरमप्रवीनेहे अयनीउकति अतिउपरिदे औरनिकी डरी  
 डरी मतिलेलेसबवसका निहे केशोदाशदेशदेम अरिदलरा मदेवदेवराजनि केहे बिबैकोडति  
 तेहे गिदीनेहे राजनीनराजरति सूचिसरवजं ऊलीन बमीयूरजसं सिनं जु  
 न मंत्री मंत्रप्रवीन केरावके मेहे ऊवारिधिबाधिकहा नयोरीबनिजोबिनबाई घुर  
 जकोयुतबालकोन लनीलकहोयदनाई होहनवतं किऊबलीजमऊयहजारनई जुनजाई लूषन  
 लुषन उषन उषन लंकबलीषन के मतपाई ऊधजरेजुरजोधनमो कदे कौन करीजम  
 उषनने मारणार

ताकी  
वमुपतिनेम  
नायति

तो  
२२

रूपानेदारय

मादकते केंफ

केशव

पुष्प आगता  
ताम मराया  
साधन उपाय  
इसका लो  
विताग उव  
नायात प्रति  
कारध सिद्धी  
य

लोकवसीत्यो कर्णरूपा उजं द्रोणं सौवैरके कालववैरके कालववैरं बरं जीजे प्रतीत्यो सीमंकहांव  
 पुरा अहं अर्जुन नारिन ग्यावनही बलरा ल्यो केवलके सवके मत लून नारत पारथजीत्यो  
 पंच अंग गुन संगषट विद्या जुन दशचारि आगमं धर्म मति गमं मति अंसे  
 मंत्र विचारि केमव मादक क्रोधि विरोधं नजीम बस्वारय बुद्धि अनेसी तेद अनेद  
 अनुग्रहं निग्रहं विग्रहं अधिक ही विधिजेसी बैरनिको विपदा प्रसक्तको प्रसूनाई करि मंत्रनिकी  
 मति अनेसी राखति राजति देव निज्यो दिन दिवा विचार विमानन वेसी  
 वीरपताका बवं बवि उडनी धनि बंज जानि जलथं जमयत्त के परंज रजित वण प्रियान  
 राघवकी वडूरंगव मूवय को गनै केशवराज ममाजनि मूरतुरंगन के अरु फे पंग उगं यता कनिके पट  
 प्राजन उटि परे तिततै मूकना धरनी उपमावरनी क विराजनि बिडु मनो मुख फेन नि के किधोरा  
 जमरी अवे मंगल लाजनि नाद पूरि करि पूरि नारव न चरि  
 गिरा मोषिसो धिजलं चरि चरि धलंगाथकी केशोदाश आभयाय कोरि कोरि राषि ज  
 नतिनकी मयति सब आपनेही साधकी उन्नत नवाइ नत उन्नत बनाई सुमिरा बुनकी जीवका  
 मिमित्रन के हाथकी मुद्रितय मूद्रमात मुद्रानिज मुद्रित के आई दिशि दिशि जीति येनारं पुना

परथते अ  
जैन  
निगमने दे

२३

थकी तरलतनारंतेजगति मुषंमुषंलक्षंदिनंरेषि देसंमुवे  
 मंफलवने वरनऊंबाजिंविशेषि वामनहीउपदिहजुनाकोपुनोहिकहांनाये  
 पदधारधिरांनइहिहेतदे बेकीबितंकारिनिधिवादिधायंनवेतरऊंमलीकरतंनोलेवितंमो  
 लतेनुदे मनकेमेमीतंवीरवाहनंसमीरकेमेनेननिज्यौनौनीनोनिनेहकेनिकेतहे युनगनिव  
 लितललितगतिकेसोदाशयेयेबाजिरांमंवेददीननिकौरेनिहे  
 मत्त माहावनहाथमे वेदवलनिवलकर्म मुक्तामयईनऊंसंयुत सुदरंमुसंयुवर्ष  
 जलकेयगारनिजुदलकेमिगारपरदलकेविगारकरिपरपुदिपारंरंर  
 हाहेगंदजेमेधनसंयोजितेरिरनेदेनिरेषिआ सकागरीसजुकेनौरंगउरि विधिकेयेब  
 धवकलि दंनदयेमदवेदनकीमुनसरेवनकीवाक्यउरि यूरकुउदोउदिगिरमे  
 गदितंयतियेयेगजराजेराजि राजारांमंवेदयउरि मेया से  
 नास्व नमनाहरज सामनसहस्रप्रहारि मंगलंगमंगदंसट अधकबेधिअपारि  
 केसववरऊंनुहिमे जोगनुजुतरनंरुद नृमिसयानकसधिरमय परवरमरनेयमुद  
 श्रीगोतंसलितनरंवानरंयलित

सलिहतेजम  
 वंदननेमेउर  
 सनतेसब

कावधने  
 धन  
 रर

आवेरकेसि  
 कार

नरंवानरंमलितंवरंगिरंरुंमतंविषंविनीषनंदास्योहे चवरंयिताकांवनदीवा  
 उवांअनलममरोगरिपुतामंवनकेमवविवास्यो बाजिसुरि वाजसुरि गज  
 येयेनेकंगजतरसमबधुइइअमृतिनिहास्योहे सोहतसहीतमेधरांमधंऊंअनवजी  
 निकेसमंरंमिधमवेऊंमुधास्योहे नूररांरुहिरांवा  
 तवऊं बीतेस्तानमिवांनि महीरंवंहीलियांनिअंजुति नीलनंवांनयिधन  
 वानरंवाधंवरंमृग सीतांदिक्वनजतु वधंबंधनंवेधनिंवरनि मृग  
 यांवेदअनत तं तरकपोतिंयिककेकीकोकपारावतिऊं  
 रंऊंरंगऊंलिगंकलहंसंगहिवाएहे केशवंपरसंमिदमाहगोमरोसंहतिक  
 करनिपांसंमसंकरंगहाएहे मेकरंनिकरवेधिबाधिगजराजमृगयूदरीदेरुने  
 सीतंसंमनिनेनाएहे रिजीरुगुनिकेदारिपहिरायएदेयोकांमंयेसंमके  
 ऊंमारंदेऊंआएहे धननंवेनलेनमनंमथ के  
 मनंयेलंसे लंजाकेसेलगेनगेनंपतिंरोकहे सेनानीकेसटपटंवेदचितंवेद

समरतेसंया  
 म मरुव  
 वेवाधगी  
 बहिलीयाते  
 रवीया  
 ऊररतेदीते  
 हीमनएल  
 नेदयसेल  
 नेपारवती

सेजनेसेलपवनहमावल सेनानीनेमालदेवगोदकरो

मुनिहोरि

हरतिहरत  
हारेहरत  
हियोहरत  
हारीहोर  
ननेनीहोर  
नकहोन  
होवनमा  
लीबजव  
रवरसत  
वनमाली  
वनमाली  
हरउयक  
सवकेसे

पटं अट पटं अति अतक के उक है ईडं जु के अक बुक शं जु के सक पक  
धातं ऊ के धक पक के सो दाश को कहै जब जब मंग गया को रा मे के ऊं मारं वले  
तब को लाह ल हो त लो क लो कहै  
जं सुन सो न न नि हिय सौ पी य मन ल गहि बों ग ति ह न नि को ज न व र ज्यो  
ज ल के लि एक द म य ति अश्री ह  
र हं स वं स र क हं स नी श्री वि स हार हिय रो ही ये क ष न ग र त ए क ति ति बु क वी  
च वी च मी न गी त ली न ही न उ प मा न रो वी ये एक ह र क ड ला गि ला गि व न व म  
जा ति ज ल दे व ता मी ह ग दे व ता मो हिये के मो दा स आ स या स न म त ल म र ज ल  
के ल मे ज ल ज मु षी ज ल ज मी मो ही ये स्ता स  
नि सा वि त वि दे स द न य र ष वा त का रे पी रे हो त रु रा ता ते शी रे गा त  
ष ष्या स स व सु दि ग टे सु ष नि दा पु नि अ ग उ ष द हो त सु र व दं स व के भ व वि र ह  
प्र अ ग वारं वारं व र जी मे अ र अ मु षी  
आ र से दे षि मु षं यार अ मे बो री हं सो ला के नि हो रे ते नि हा र त न ने क हं उं हा री हि न हो र  
स हो अ प घ न घ ने त्या म घ न हो अ हा त घ न प्या म न के रो स घ न त्या म वि न को रे हो

सबका ऊं क  
हो बार हं सुष  
को निहोरि  
जुन मानो  
मुनली कर  
ति के सो रा  
यकी सो अ  
बज्यो उमन  
मोर हं ना  
य के निहो  
रं किन मोन  
नहि निहो  
रतिहो निह  
रं किन मोहि  
सरस  
+ २२४

अवेमतेवड  
ऊं हुं

दिजते धान

हृदयं कमलनेनेतं दे वि के कमलनेनेतं गीं कमलनेनेनी और कं कहा कहौ  
यो सब सौर सरो स मटे सव के त मरे नि वि ना ति को अ प ने पर को प ह्वा न त जा न त ना हि न सी त ल ना ते  
नी के ही मे ष तान ल ति को न ह सु त जा की क ही परे वा ते एक ही वे र न जा नि ये के स व का हे ते व टि ग ए  
पु ष या ति मे ए के ही मे षे आ मुं उ मा स न सा धि न सा मु वि सा मु नि वा दी  
हा स ग यो उ म हं म नि ज्यो च प नां स म नी दे ग ड ग ति का दी चा उ क ज्यो धी उ पी उ र टे व दी ता पं त र ग नि ज्यो न  
नं गा दी के भ व वा की द श्रा मु नि के अ व आ गि वि ना अ ग अ ग न मा दी  
स वी स्व य व र र हिये म न लं म व ब ना उ म प र ग क म वं स गु न व नि यो र ज क मा रि  
म न ली म व न की नृ प मं डिल मं डित दे षि ये व म ना मी द व नि की ड ति दे ड की दी प ति नृ व न जो ति  
स मे ति अ ना मी कु ल न की ब वि अ व र की ब वि ब व न की ब वि त व न ना मी मो ह त हे अ ति मी य स्व य  
व र आ न न च द ष वे म प्र न मी सु र ति मा उ की ला व न नि म र णी त क  
णी त मी री र व व ना वं ब हि अ न र त अ ल ज म ल ज री री र के मो दा म प्र थ मं वि  
उ प जि न यं नी री री म र वि स्वे द दे हं क य ति ग ह ति हे धा न प्रिय वा जी रु न च र न प दा ति क म वि वि धि से  
बं धि त दान न ल ह त ह क ष न मु दे म हा रि उ ष न य क ल हो त स वि न भु र ति री त म म र क ह त ह  
क लितं रु पा न करं म क ति सु म न वा न म जि कर ज प हा र न म ह ति हे + उ मी

गी  
सीयते मी  
पदातिनेया  
वाजीरुतते  
आलिगन

अथ जाति  
सूत्रावव  
गति

जातिमुनो वं विनावेना ह वै विरोधि विरोधि उत्प्रेक्षा आवेपक  
म आशिषि प्रिये प्रोचने च अथानि रको न्यामहे चारिनातिबुधिवत कुरु मलेम निदेरमने  
अहकोररमवत यु युक्तोऽन्यथानिरनोसहे चोर सुयुक्तममान अयं अर्थकोतामदे  
युक्तो युक्तप्रमान उविधुनवोतिरेकपुनि समजी अयुक्तुति ककि बाजम्क निनदा अमीन  
पयायोक्तमुयक्ति सहजममोहितजमकहेति वरमुसीह ममीत केसवदाशप्रमिदकहे कहे  
पगतविपरीति रूपकदीपकहेलिको परिहृतउपमावित नावाइनमेतप्रिये लेषतिके जि  
मन जाकोजेमोरुपगुन कहिजेनेहीसाज नामोजातिमुनावसब कहिवरनतक विराज  
पारीपारीवपाटकी पिबोरीकटिके मोदाशपारीपारीपागेपगपारीपणीया वदे वममो  
निनकी मानव देनेन नानीनामी नृगुटिकुटिलवधनहिया बोलनहमन मुकुचलनविनोत्तवा  
मंदेषतहीवनपेनकहतवनहिय मरजकेतीरतीरयेनेचोरफवीरिहायदहेतीरंगतीरासीहि  
धनहिया गोहेगातिपातरीनलोचनसमातिमुधउरिउरि  
जातिनकी वातेचवरोहीये हयतकहतवातकुनमेकरतजातिउठअवदातरंगतीरेम मनमोही

MEMORIAL  
डाक्टर श्री राजी इत्यादि

काकेकलउलहीमी

म्यामलंकहरंकरिउदोनीविदेउमिधरि अमेलागीकेचोव्यमानंदोहीये कामिहीकीउलहीमीलहल  
हीलनितनिलनामीलालमोहीये कारजकोवितकारनही  
उदोदोतजिहवोरि नाचोकहतविनावना केसवकविंशिरमोरि हरनकहरबाति  
पावेकेचोमुखवास अधरंअसतंरुचिअधरिमुधरेहे चित्रतकपोललोचनमुकरिअनअमलक  
लकलनकनि मोहिमारेहे लुगुटीकुटिलनेमिनेमीनकिये होहिआजीअमीआधिकेमोरा  
इहेरंदारेहे काहकोमिगारिकोविगारितहे मेरीआलीतेअगमहजमिगारनमिगारेहे  
कारनकानहोआनति कारजहोय जुमिध जानऊजिहतिनावनी कारनगानिप्रमिध  
नैकऊंकाऊनवाइनवांनीबनाईविनाईहविकलईहे लोचनश्रीविफकाईविनाबिफकीमीरगे रंगेतेचाले  
विनरागताईमईहे केसवकोनकीदीनाकहोइहचदमुषीगतिमंदगइहे बोलनिहोहीगइकटिहीन पडिउनते  
मुजोवनकोइहरीतिनवीहे हनुहोतिहेनानिउऊवरनतमबकविगन केसव आलिंगन  
राशप्रकासकरि वरनसतावअसाव कशववदनइदधनेअरिव केतका  
दिनकेमकरिदमरीगे मालतिवेलगुनावमुकेतकीचंपककोवनपीगे रननिकेयरिरननंमंनमंगल  
धनौधनमारकोजीगे मीनलमंदमुगधममीरहस्य इनयमनीधीरजधीरे  
इ बाचोन्वाहनजीवकलेवरजीवकलेवरबादिहयोई जाचोनमंदजोवनकोउतन्योकबकांमकोकामगया लावनेतेग  
आत

रंगेतेचाले  
पडिउनते  
आलिंगन  
केतका  
लावनेतेग  
आत

ऊँ नैः १४४

नरसो  
 वलीलिनयोई केमवरामरसो अनधेहिमाधनमिधनयोई  
 जातिमेवधनानलनीहिअलीमिलईपुरनीधुरनेही माधिनमाधिअगाधसबेबुधियोधिजंडुतिअनु  
 तनिमेही तादिनेदिनमात्रिऊनकीभकेसर्वे आवतवानकहेही पीवेआकासप्रकासेमसीवदिप्रम  
 समुद्रदेपहेलेही स वरनतनगेविरोधिप्रो अरधसवेअवरो  
 धं प्रगटविरोधांतासयह समरुतिसबेसुबोध परमपुरुषयोगसौनियतदिनदान  
 प्रीलपेऊँदानहीमौरतिहे सूरजऊलकलमंगहकोरहत्सुषत्राकंकहेमाकंपरंदारप्रियअति  
 हे अकरकहावनधनुषधरेदेधियतपरमत्तपालयेरुपांनकरतहे विद्यमानलोचनसकेमोदाश  
 राजारामअदंकतगतिहे आधुमितामितरूपधितेवितन्यामंमरीरंगेर  
 गराते केमवकानतंदीनसुकेतेसुकहेरमकीरमनां चिनवाने नेनकिधोकाऊँ अतरजामीधुतो  
 नतहोजिह्बुफनिनाते हरितोदरतिहोविनयाइनडरीडरीदरमिमतिजाते  
 मोननसुवासंरासमुक्षमोसुक्षमोविधिंविधिकोनवासंजेमोनेमोमोहकारीहे केमोदाम  
 पावनपरमंसंगतिनेरीपरदियदरनप्रकृतिंकोनिधारीहे धारकविनोकबलवीरमेबनीनकई  
 करतिवरदीवमिअसीवेसवारीहे एरीनेरीमयीवेरीकेमेकेपनीनकीजिह्वाशानुगर्गदगनक  
 सूनानुसरीहे साधारणतकारणविकलजिह्वा होई  
 साधकोसाधि केरावदाशंवशानिये सोविशेषपरमिध साधुकोकेकनमा

ऊँ नैः १४४  
 वीतेनाम  
 लय  
 नयो  
 दारु  
 मरु  
 ऊँ पुन  
 परतेउचि  
 य।इहीन  
 वामंमोम

२६

निकेतहे  
 ने कोपनोअर  
 ल  
 पातिकते  
 चरमा

नकतेविवा  
 रा

लकपालंजरा निकोऊँदरहीजदिआते पालंधुरांनधुरांनोईबेलसुंओरकीओरकहेविषंमते पा  
 रबनीपतिसंयतिदेधकहेयहकेमवंसंनमंमते आपुनमागतनीधंनिधारनिदेधतिदईमुहमा  
 गीकहाति तमोगुनउपतिविरूपनेननोकनिविनोपकरिकोयके  
 निकेतहे मुयविषंनरेतिषधरेधरेमुहमात्तमधितविकृतकनपेतिनिसमेतहे पातकयिताकेजुत  
 पातिकोहीकोतिकनावेगीतिकामहीकोकामनीकेहेतहे यागितिकीमिधमबजगकीसक  
 नमुधिकेसोदाशत्रिचोदासनकोदेतहे बुजकी  
 ऊमारिकावेनीनेसुकयोरिकायदावेकोकमोरिकानिकेसवसबेनिवाहि गोरगोरीनोरीनोरी  
 योरीयोरीवेसफिरइदेवतासीदोरीआइधोरीवोरीवाहि विनंगुननेरीआनिंरुगुटिकमानि  
 नानिबुद्धकटाकबानयहअवरिजआही एतेमानहीवईवतोरेकांआहीतमनकीवदेहेमा  
 रिनेपेकतिनेकोउताही वाधिनआवेनधेनकबुं देधतिबाहनघाम अथसु  
 नारीवदेइ करंजानतपतिराम केमवउरहीवस्तुमे ओ  
 रकीजितक उयेकातामोकहे तिनकेबुधिसंभक हरकोधनुषतोरीरा  
 वनकोवसतोयोतोरिजेमेवद्विक्मवानहे शबुनकेशोत्तमलकुलतुलमहेरामसुनिकमोराइकी  
 सोहियहरानहे कामतीरकतेतिक्तनारेनननिनिऊकेलागिलागियरतउचदिअसंगातहे

नकोपित



रहो सुषपाये ही चले ही वने तजो तो चलिये वनुर पीयं सो वन ही बाढ़ जे यो जा गौ गहो आये है ।  
उपजाये सदेह कबुं उपजत के ज विरोध यह मे सय के  
पकहे वरन तंजिन हिं प्रबोधि गुन नि विनी कृत कल सरि नि कलित गाइने  
लिन लनि नगीत श्रवण रवाइ है चित्त तं हो चित्र निमि परम विवित्र चम सित्र नी जो दधि दधि ने  
न निवाइ है काम के विरोधि मति मोधि सोधि साधं सधि बोधि बोधि ओधि निमि वासर गवाइ है  
के मोराइ की मो मो हीय है ही कविन वा की रमि मे रमि कं लाल पान कोष वाइ है  
मरनो निवारनिक रत जिहा काज निवारन होति जान हो मरना के पकहि  
जडा जिय बुधि उद्योति ती के के कि वार दे हो धार धारि रं वार के मो दाश आस  
पास सर जन बावे गो बिन मे व वाइ ले हो ऊपर अदान आज आगनि पटाइ ले हो जे मो मो ह नाव  
गो न्यारे न्यारे नीर तने मुहो गी क रोषि जाल पाइ है न पानी पौन आवन न पावि गो साधवति हारे  
पीवे मोह पहि मरन मृद आवन क ह त संधो को निधि मे आवे गो  
आमिष पीय के पथ को दी जे डुख डराइ आमिष को आ के पय ई कहत अक  
क विराइ मत्री मित्र पुत्र जन के राव कल उगन सो परम जन जन न सट सय या  
जयो एतो सब हो ति जात जो पिह क सलगात अब दी चल उ के प्राति मगुन समाज यो की नीनुष  
कलत्र तेरा ज लोक

आमिक तेरा  
मवाइ  
२८

यान बाधं हम जै सु अपराध रदी येन पलन आध बधि एन लाज सौं हौन कहों कहत निगम सब  
अवत बराजन परम दित अयने ही काज सौं रावत अ  
पने धर्म को जिहा कारे जर ही जाइ धर्म के पमदाय है वरन तं सब धुष पाइ  
जो हो कहो र हीये तो प्रचुना प्रगट होति चलन क हो तो हित होनि नाहि म हने लाइ यु क  
रुं तो उतास नाव प्रात नाथ माथ ले चल रुके से लोक लाज बहने के मोराइ की जो उ म सु  
न हो बबी ले लाल चले ही वन तं जो पेना ही राज रहने ते सिधे सिध उ मिध उ मदी सु जाना म  
य बु मदी वलत मो हे जे सी कबु क बुने कोने ऊ  
एक उपाय करि रो किये प्रिय प्रस्थान तामौ कहत उपाय तब यह आ के प सु जान  
मो मो सब वज की युवनी हर गौरी समान सुदा गिलिजाने असी को गो पी गुया लंड मे वि  
नुगो कल मे वशि वो उ रि आने मरति मेरी उ नाउ के इ त्व लो किर हो ज क बूम न माने पे मे नि  
बेम नि आदि के सब को उन मो ह कहो य ह वा ने सुष ही  
धुष जिहारा धिते मिष ही मिष धुष दान मिहा के पक हो वरन बय डु वार ह वा नि  
मुनग मरम फले सब मर वर कुली कामनी काम सय करि कत न पुज ही सुक मोरो कला  
कलत्र तेरा ज लोक

वानिते ज्ञान

सुकुते पोषट  
मारते मेना

केलिफलकोकिलंकलंकुडहि कलिकेयवंचेसीकुलमही मूलहिफुलनलाइये पियउआ  
 खलनकीकहावलीचिन्ननवेतवलाइये केसवंचसंअकासंअ  
 विनिवासेतमुवांसकरि बहतपवनगतिमद गतमकरिडु विउधरि दिशिंविदिशिनिंबव  
 लागलागफरतिपरागवर होतगंधिहीअंधधिरहोराविदेमनर मुनि पु षदमुषिदी  
 मधसीष ति रतिमिषइमिषमाधमही वरविरदिनवधउविशेषकरि कामविशिषिवेश  
 धमही एककतमयदोतकतनजियवचुतत्रम अनिलअबुआ  
 कामअवनिजेजानिआगिमम पथयकितमदमुकतिपुरकमरसिकरजोवन काकोदर  
 करीकोकोसउदरतरकेसरिसोवत प्रियप्रबलजीवइहिविधिअबलसकलविकलजल  
 यलरहत तजिकेसवंचराउरा मतिजेठमासजेठकहति  
 पवनचक्रपरचक्रचलनचक्रउस्वयजगति सवननामनीतजितत्रमतिमानौतिनकीमति  
 यामीइहिमासदोतइकआमनवासी पुष्पनिकीकोकदेसएपुष्पयोनिवासी इहममय  
 सेजसोवनलयोश्रीयाहिसाधश्रीनाथक केहिकेयवंचासअआदेचलु मेनचुन्योअतगा  
 थऊ केसवंसरितामकेलमिलितसागरमनमोह ललितलतालय  
 रानितधूनंतरवरंतनसोहे नितचपलामिनि मेघचपलवमकतिविउउरनि मन्तावनका

वशिष्ठते  
 ए  
 शिकरतेहस्त  
 काकोदरते  
 साय

२९

कोमतेह  
 धानीधुन

मलगेरमा

करन

उलीनेबोले

रजनीसने  
चंरमा

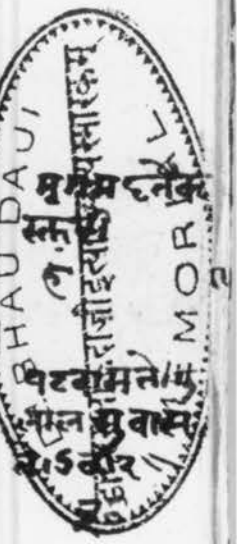
जनेहिंसुमिकरजितिमिमोहन इहरीतिरमनरमनीनिसब रमनअ  
 मनकीकहेगवनमुनिन न नदीमावन घोरतधनचक्रउर घोष  
 निरगाधनिमंडिहि क्षराधरधरिधरिन मुसलधारनिजलकादिहि फिलीधनचक्रकारनयवन  
 किऊकिऊरतवाधमिहगुजरत पुजकुत्तरतातदुनोरति निमिदिनविशेषनिषेधमिटजातमु  
 उलीउमीये देसपियषविदेसविषु नादोनवननबोदिये  
 प्रथमपिमदितप्रगटपितरपावन घरआवे तवडुगनिनवरजि स्वर्गअपवगनियावे बत्रनिदेव  
 त्रयतिलेतिनेअलेमंगण्डित केयोफात्राअकासअमलजल जलजनिमंडित रमनीयंरमनंरज  
 तीमरचिरमारमतंऊराअरति कलिकेलिकलपतधंकरमहि कतनकरऊविदेयमति  
 वनउपवनजलंधलअकासेदीसंतदीयगन मुखहीमुखधुमरातिनुवा  
 बलतिंदयतिजिन देववरिचिचित्रचित्रचित्रतआगनघर जगतजगत जगदीस जोतिजग  
 मगतिनारिनर दिनवानंदानगुनगानहर जनमसकलकरलीजीइ कहिकेसवंचराविदेस  
 मति कतनकातिककीजिये मासनमिहरिअमुकहतयासहेस  
 बकोऊ स्वारथपरमारथनिदेतनारथमहिदेऊ केरावचरितचरानेफुलफुलेमुगंध  
 वर कुजतिकलंकलहंसंकलितकलहंसनिकेस्वर दिनपरमनरमनीतनगरमकरमक

रमनतेनायक  
 या

असुते जी  
वने पुकाये

जो मन मोहि  
मुवनि तो हक

रमयई पाय रिनौ करिधानं नाय परदेश कहुं मारगं शिरं मारगं नचत  
श्रीतलं जलं थलं वसनं असनं श्रीतलं अचरोचकं केसवं दामं अकामं अवनं मा  
नलं अशुं मोचकं तेन बलं ता मोरं ति यति ता पनं नवनारी राजरं किं सखि वदिकरति ई  
नही अधिकारी जय घोस दी हर जनी रं वनं होति उग्रह उषसं मि यइ मन कमवचन वि  
चार यियं पथं नब किये ससमि वन उपवन के की कपोत को किलव  
जबो लित केसवं तलेन मरन रे बं कुं ताति न मोलत मृगं मद मलय करि हरि हरि सरति  
दसोदरि ता न मृगं उयंगु सुनतं अगीत गीत निस बेलत वसंत मयतन धुधर सुत असन  
नंत गति घरनाहन बां दिव्ये माह मां मही मने मति जाजं लोक तजि  
राजं कनिर संक विराजत जोइ आवत मोइ करत कहति पुनि हसत न लाजत धर धर जुवत  
नुवनि जोर गहि गो विनि जोर ह वसन बीन मुह मां जि आ जलोचन तित तोरही पटवो मुमुवा  
आकाय उग्र मुवमन तमब तमि कहे केसवं दामं निवाय निधि फायुने फायुन बं दिव्ये



क्रमं केसवं दामं अशुं गुननां कौ कहत है तिन के बुद्धि प्रकास  
आदि अतं नर वलिये मो धियुम

पुकरते तजा  
वा क म लेते र  
आ को म ३

गुनं विनं गुनदा गुनं युं धि कुं नुनंतं री किये री किं मुं धि कुं वितं मो जमि जं धि कुं देति जुं बी जिये दी वो  
धि कुं विनु साच माच धि कुं धर्म नं नावे धर्म युं धि कुं विनु दया दया धि कुं यरं कु दो आवि  
अरि धि कुं वितन माच चित्र धि कुं जिहां न उदार मति मति धि कुं के राव गान विनु ह  
रन गति मोन त मोन मना जिहां वृद्ध न वृद्ध न ते जप दे क बुनाहि तेन पदे जि न या  
कन या कत दी ह द्या न दी ये विन माहि मोन दया जुन धर्म धरे धर धर्म न मो जहां न दया ही  
दान न मो जिहां माच न केसवं माच न मो जव से बल बाहि तज ही जगति विन न  
वन न वनं त जि त्रिय वन की नो त्रिय त जि सुष न देई मुक्त त जि यति ही नो सपति त जि विनु द  
न दान त जि जिहां न विप्र मति विप्र त जि विनु धर्म धर्म त जि द विन नु यति त जि नृ प  
नृ मि विन नृ मि त जि दी ह दुर्ग विन जो वमि त जि डगं मुं के राव दारा कहे जि न जल हर न व स  
इ एक आते मोच करवी एक सूत्र की हलि एके दरा नंगो राको जानतं मगर  
मृष्ट नदी कुं व रं म सुत पकं घड ग की धार बैलोचनं उजि जत मं पद तज अश्वनी  
कुमारि लेषनि कं लुज ग की रमना एन न जानि गजर द मुख वुं करि म के कं छा मि या व  
वानि गंगा मग गंगे दृगं श्री वरं गुन लेषि पावकं काले त्रि मुल बलं संध्या ति नु विरोधि  
पुं के रं वि क्र म रं म विधि त्रिपुरं त्रिवेद विद तीन नाय पारि नाय एदं नुर के ती नं यु धे दं

विनु १ ग्यात  
पुधिक विन

कवाते ५  
निकं १२  
उरु रिदने  
आधी सो क  
देह नो  
ताप नुन नो ना  
प आत मानो  
ताप ३

गङ्गाते गाय  
नाहरीरुध  
ध्याबाह  
तहपवतेमं  
दारपायजा  
तसमेतानक  
३कप्यहह  
हृद्विदनप  
रहातिप्रतिग  
णानिगुणमा  
ष्वातीप्रवति  
लुक्तेनोजयै  
नैवेष्टवि  
धापीनिलह  
गा. २।

सूत्र

उपाय ४ साम १६ म ॥ बुद्धिवादी १ गुरुस्वरवानुह  
विचार निग्रहते ६५ म न्याय

वेदवदनविधिवारनिधि हरीवाहनं चारि मेनां श्रंगं पायं युगं आश्रमवसविचार  
मुरनायकवारनरदन केरावदिशावधानि चउरकोदिस्वनाधम चरनपदोरथजा  
नि पंचतुतइप्रायकमल रुदवदनगतिबानि लवनयचपुरानिके पंचश्रंगश्रमप्रान  
पंचवरणतद्रूपेचश्रम पंचश्रंगपरिवान पंचमधियेवाग निन कन्यापचममानि  
पंचकन्यातकप्रगट पंचयज्ञजियजानि पंचगव्यमानायाता पंचामृतनिवधानि कुलमंकेन  
षट्पदकषट दरसनरसरितुश्रग चक्रहृत्तिमिवपुत्रपुत्र सुनिषट्पदगगप्रमंग षट्माता  
षट्पदनकी षट्पुणिगिरनहोमित्र आतनाइनरषट्पदगनऊ षट्पदमकपकवित्त मा  
नरमातलनोकमुनि दीपकरहयवार मागरनरवर तालतद अनैइति किरनारि  
मातबदमातेपुरी मातउचासुधमानि विरजीवमुनिमातनर मसमाटकातात  
जोगश्रंगदिगपालवसु मिहकुलावलवारु अष्टकुलीअहवाकरन दिगाजतद्रुगिविवा  
रि श्रंगहारनूधनव वाघनिऊचनिधिजानि सुधाऊदगदनादिक नवधानगति  
वधानि रावनमिरश्रीरामके दशअवनारवधानि विश्वदेवादीसदम दिसादि  
माहिमंजानि एकधितथलमेवमतनाइकारनेक  
निकौनाइकनिकरनवअष्टनायकांनहीसौमनुनाइतुहे जीवधिकरयेदेसदेसकरको

ऊनमने ५५  
पह  
आहितेप्रकार  
रुधनेफेज  
पहपरते ५  
मंथकाम  
नोका  
कन्या १ अदि  
जा १ तारा २ वा  
निती ३ मंदी  
४ साता ५ ओ  
पदा ६  
नगजन  
३१

धरनुहे त्रिगुनंकलितं वपुं वलितं ललितं गुनन के गुननं रुं कलितं करतौहे चारिहीयदार्थकौलोत  
चित्रनितरं दीवेकौयदार्थममुहकोपरतुहे केसौदामइइजीतकतलअनुत पंचतुतकीप्रन  
तिनवचुतकोमरनुहे दरमेनमुरमेनरेममिरनाविनिधिषट्पदरसनकोमिरनायइतुहे  
केसौदामपुरीपुरपुजनि कौपालऊपेमानहीधरमोपुरोपेमुपाइयतुहे नायकाअनेकनिकौनायक  
निकरनवअष्टनाइकानिहीसौमनुनाइतुहे नवकाइहरकौनजनइइजीतनुकेदशअवनारहीको  
गुनगाइतुहे मातयितागुमदेवमुनि कदतनुकेबुधुययाइ ताही  
प्रौमवकहनुहे आशियंकविकविगति मलयमिलितवामऊऊमकुलि  
तनुतजावक कसमनषपुजितललितकरजति जराइकी जजीरीविचिनीलमनिलागिरहलो  
कनकोनेनमानोमनहर विस्वीममोदेशम वादकेवरननुगकेसौदाशहीवोकरेआमिषअनो  
विनर हयपरंगयपालिकमुधीविपरअरुअरयविअवनीमनिकमिरपरि  
कपटनियटमिटिजाइजिहा उपजेपुरनमेम ताहीसौमवकहनुहे केमवउत्रम  
वेम कबुवातमनेमयनेऊवियोगकाहोनकहेइइइकंदीयो मिलेबेलीइजा  
मिहवालकतेकंऊनामोअबाल्योकोजातिकियो कदितिकहाकेमवनेननामोवितकाजहीबाव  
कंयजयीयो मधिउवरतिअमलोकहमेमवकाहेकोवेमकोनेमिलीउ

ऊकमनेके  
सर

परि

दिनपदने  
रगुलबन

केसव

विद्वाननेका  
रागबिंदुति  
विद्वाननेउत  
करवे

समसतेमं  
तरम

दोइतीनंअरुतातिबसं आनतंजामेअर्थ श्लेषनामनामौकहे जिनकेबु  
धिसमर्थ धरतंधरनईसमीम्वरनोदकिंवउरंचउररुधंमबसुखदानिये  
कोमूलकमनयदकमलाकरकमलकनितनितिनगुनकोऊंउरआनिये हिरनंकम्पपुंदा  
नकरीप्रह्लादहितंदिजयदउरधारवेदनवधानिये केमौरासंदारिदहिरदकेविदारवेकोए  
केतिरसिहकेअमरसिंहजानिये परमविरोधीअवरोधी  
कौरहतमबंदाननिकेदानकविप्रमानुहे अधिकअनंतआयंमोहतअनंतसंगअममरन  
रननिरुक्तनिधानुहे कृतककहितमतिश्रीपतिवसतिहियानावतहेगेगाजत जगकोनि  
दानुहे केमौरायकोमौकहेकेमौरायदेधिररुइकिममुइकिअमरसिंहगानुहे  
दानवारिसुषंदजनकजातनानुसरवरवतधतुगुनमरम सुहाएहे नरदेव  
कयंकर करमंदरनपरउषनकेमपुनमुकेमौरागाएहे नागरप्रियमानलोकमोतापुष्टानि  
मोदरमहायकनवलगुनसाएहे अमेराजारांमबलरांनकिफिरसरांमकिधोरारांममेरेउर  
आएहे नायनपरमहंमजानिगुनमुनिमुषयावतसंगीतमीतविबुधिव  
धानिये सुषद सकतिधरंममरमनेहीबऊवदनविदितंजमुकेमौरागांनिये राजिदिज  
राजियदनुषनविमलकमलामनप्रकासपरदारिप्रियमानिये अमेराजकोनाथकित्रिलोकना  
द्विराजतेधरमा

दोनकारीने  
मारनासि

रन  
आपतेया  
णी

द्विराज  
पदनेष्ट  
नंरन  
द्विराज  
नेष्ट  
ति

यना नाथराजिनिकिधोरारांमजानिये तिन मेरंकअनिनपद औरनिमयदजा  
नि श्लेषमंबुद्धिउवेधके केरावंदारावधानि मोहतमुकेमीमनुघोषारति  
उरवमीराजारांममोहवेकोपुरनिधुहाइहे कलरवंकलितपुरनिरागरंगजुतवदनकमलबदपद  
बबिवाइहे नृगुटिकुटिलधनुजोवनकटाक्षमरने दिजउमनुतनुतनयुषदाइहे प्रमुदितय  
योधरमोदामनीआथनाथकामकीश्रीनेनाकामयेनाविनआइयेहे  
पद हिमैपदकाटीजि ताहिनिति पदजानि मिन्ननिनपुतिपदनिके उपमाश्लेषव  
धान रज्योरजकेमोदारादुटतिअमराणा प्रतिनटअकनिनेअकम  
रमतुहे मेना सुंदरीनिकेविनोकिमषनषननिकेलिकियाहोनाहीकोधरतुहे गादेगदबेतही  
बिजोनानिज्योतोरमारेजगजमजयवामवदकोअरतुहे बंद मेनकबयालेअगनविमालर  
नतेरेकरवालबालनीलाभीकरतुहे बऊस्योएकअनिनक्रिय  
अविरुधिक्रियआन मुनिविरुद्धकम्याअवर नियबुद्धिरोधीमान  
प्रथमप्रयोगेयतुवाजद्विराजप्रतियुवर नयहीतनवहीतप्रमानुहे मजलसहीतअ  
गविक्रमप्रमंगरंगकोयतेप्रकासमानधीरुनिधानुहे दितकोदयालप्रतिनटनकोमोलकरे  
कीरतिकोप्रतिपालजानत जाहानुहे जातुहेविगतिकेउनीकेदानदेधिरामवदुकोदानकिधोकस

पदपदने  
नृमरा

वहातेनेजे  
मुमानघटो  
नया

द्विराजनेरांत  
राजतेपंक्ति  
कोसतेमिया  
नाकोसतेन  
\* मप

वैष्णवदे' कबुं कानं पुनो कलबो लनं को किलं कां मकी किर  
 निगावतसी' पुनिवान कहे कलिनाथनं कां मन के लिकलानी पेदावतिमी' सुनिवाजतु विनं प्र वी  
 ननवीनं सुरा गही ये उपजावतिमी' कहे के मव' दाय प्र काम विनाम मवै विन मो न वटावतमी'  
 दोऊ जं जने पुन्य पाप उरु निके रिष बा पंडु ऊन की दि धियत मूरति ये देसी हे' सुनो  
 देव देव बल देव कां म देव प्रिय के मो राय की मो उरु क हो जे सी ते सी हे' वारुनी को राग होत मूरजे करत  
 अरु उरु दिज राज को मो हा तिय रु के सी हे' वैरी गाइ बानन को करन  
 सब का लु जह क विरु लटी को सुवरन हर का जु हे' गुरु ये जगा मी एक बार के विलो कियत मात गनि ही  
 के मत वारे के मो भा जु हे' अरी न गरी नि प्रतिकरत अगम गोन उरु न ही के मो दा य उरु गति सी आज हे'  
 राजा दमर ध सुन युत रा जा रा मव द उ मं चि म विराज करे जा को ये मो राजु हे'  
 रु म्हर रिहर अहर मयति मनु वि पत्रिय हे' अधिक ई जान क कां मन के हित धान क कां म  
 पु का म धु दा ई' बाती मे ल बि बि वा वन वे तो फि रा वत ए सब के म ग धा ई' जय धि के ना व एक त रु  
 हर ते ह म मे व क को धु त ना ई' को न रु ना व प्र ना वति।  
 जानि जे जीय की वात' ई गिति ति आ कर ते' क हि म् रु म् अव दान'

अवैय

वारुनी ते।  
 पश्चिम दिश  
 विरोधि  
 उरु मा ना वि  
 ना

३३

सरिं मोहन गोपं मना म हि गो वि दं बे वे ऊं ते उ ति कौ धर के' जनु के रा वं डर न वं ट ल मे चित्र मित्र च को  
 रति कौ हर के' तिन को उल टो करि आदि ते यो म र्वि नी र ज नी र न ये न र के' कहे का हे ति नी के'  
 निहा रि मु नो हर के र दि यो क लि कां करि के'  
 च उ रा ई के ले म ते' च उ र न म म ऊं त ले म' वर न त क वि को वि दं म बे' ना म्मो के य व वे म'  
 ये ल न हे हर वा गे ब ने जि हां बे वी प्रियार ति ते' अति नौ नी के य व के मे हे'  
 पा वि मे द वि ध रि ऊं च ऊं रु म की रु वि रो नो' मात य मी प उ रा ई न ले ति न मा वि क ना व न की ग ति हो नी  
 फ रि क प्र रि ले पु रि वि लो च न मु धि म रा म ह उ दी उ टो नी  
 को न ऊं ए क प्र का रि ते' म त अरु अ म त म मा नि' क हि जि प्र ग ट नि द र म न न म म ऊं त अ क  
 लं मु जा नि' करे वि म रा ज रा ज न मे रा जे ग जि ति न ही के लो क लो क नि अ ट तु हे'  
 जी व नुं ज न म ति न ही के ध न्य के मो दा म आ र नि के य मु नि यो वि न न घ ट तु हे' ते ई प्र नु प र म प्र मि क  
 उ ह मी के य ति ति न ही का प्र क ता ई के र ट व हे' सुर ज प्र मा ति मो म मि त्र ऊं अ मी त्र क ऊं यु ष ड ष अ य ते  
 उ दे ही प्र ग ट तु हे' को व पु रा प्र मि लो हे वि नी ध न के ऊं ल उ ष न जी वे गो को  
 लो ऊं न कर न म स्त्रो म ध वा रि पु नौ र क हा न म रौ ज म मो लो' श्री र क ना य के गा ति न दू र रि जा न ही'  
 उं ऊं म रा न न तो लो' मा दै म बे दे ग या ल न को कर रा व न के कर वा ल हे जो लो'

तेई

उजाल कार  
 ते अहंकार

उरा श क ट  
 तो बो पा म ति  
 ना  
 म स

रा व नो व न म र  
 ए व ति

'रसयहोयमोजानिते' रसवदकेसौदास नवरसकोमंषेपही समजत कर  
 तसकाम अनितेहारीन आनकजतनमेकबुआ  
 नन आनहीकेसौ केसवकान मुजानसमयनजाइकहोमनिजानतजिचो 'ओचतमोनहीपी  
 वतजातिप्रमानमिहातिअघातनतसौ' जौनरहाथविहातउहेबलजातिसुवातकहोनेकुवैसौ  
 जिहिमिरमंकमदमाहामुहंतकीनो मास्यो  
 ककैसुनिकसंघहतिप्रषधुंलीनो निहंककंमुरकटककहो केटनवपुषधो' बरह  
 पनित्रिमराकबधतदधदविहचो' अंतकरनजिहिसं रस्योपननप्रतिज्ञातेरस्यो' ति  
 हिबानिधानंदयंकठकेकंवदमौषतेतकस्यो' करि  
 आदित्यअदिष्टनष्टजमकरौअष्टवक्क रुधनिबोममुद्रकस्योगंधवधवधधुं' बलनि  
 अवैरकुबेरबलिहिगइहिदेउइअब' विधाधरनअविद्य' करोविनमीदमिधन' लैक  
 रोअदितैकोदाअदितौ' अनलैअनिलमलजान' मुनिस्वरजधूरजधूर जउवतहि क  
 रैममारबल' उरितइउनीटीहमुनिनमुनि  
 नगजपुंजकीयुजनगाडी' तोरनतोरनदूरवजेवरकादतनहुनगावतडाडी' विधनमं गलमं  
 तपदेअसदेवेनवारवधदिगाडी' केशवनातकेगातउदौरतिआरतिआरतिमातहि

लबमणनौव  
वनराप्रपति

म'मर्द

गंभवंतौव  
वनसेवकप  
ति

प्रजाहजा  
तोभरजतेस  
प्री ३४ व  
कोमल्यानो  
केहोराभा  
विहमगमन  
स्वनेककनी  
रसनया

ककैसते।  
कविन

अननतेवा।  
जिनि

अदितीतेदे  
वतानीमा  
असुर

दितितेराह  
सनीमा

मंघेवरीवनरावणपति

वाडी 'रामकीवामुजुंनारंगराय' केठकमेमंघि  
 कीवेतिवईजुं क्योरनजीतंऊगेतेनचौजिनकीधिनुरेधननाषीगइजे विमवसंबलनव  
 नऊतिइऊनीइगकेसवरूप रइजे तोरमरादमनमंकरकोपियसीयस्वयंबरकोनत  
 ईजे वातिबलीनक्योपरषारसंकोवविहेउमकोनिजिषोरही'  
 केशवकारंममुद्रमघौकहिमौनबाधिहमागरंधोरही श्रीरुद्रनाथगेनेअसमधनदेषि  
 विनारथहपियघोरही ताम्योमरांमनमंकरकेतिहिमोबकदाउअनंकनंतोरही' ति  
 सि गरंतरनायकअसरविनाइकर कसयतिहा  
 हरिगए काहनंजवायोअमनंवदायो' तस्यानरास्योनीतिनर इतराजऊमारनिअनि  
 युक्रमारन तेआणहोयेजकरे वतसंगहमारोनयोउमारोरिधितयतेजनिजानियरे  
 आमीविषमिकविषपावकनौनातोकबुऊनोपहिजाद  
 नौपिताकौप्रेमंदुद्योहे ज्ञोपदीकादेहमेपुषीहीकबुहसामुनयराही' विमानोपेविवसनन  
 सटोदे' पेटमेयरीकतकीपेविकैवदाईमीच' जबमबहीकोविधिबानवद्योहे' केसवअ  
 नाथनकोनाथनारधनाथदार्थकदाहाथकदध्याकरवेटोदे' केसोदात्रविद  
 विधिमाथहीवनाइयाधिसंबरीको' कोनिमुचिमहिनामियोईही' नयधारीहरेनेपदयोहीअ

मरणनीवा

अपुस्तोवै  
णाधरनेवि  
गर

रस्तेरूपे  
मिली

हा

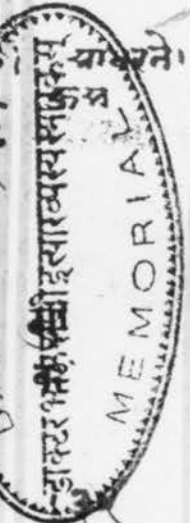
जिजकरा  
नानौवव  
नविम्या  
मित्रपति

आमिविष  
तेमाप

सबरीतेजा  
लम

अधिकोवेन  
नायकाप्रति  
हमरप

बोधजपुंतारिकाके किहिमिषितारिकापदाईही वारनचिवारनकसौहैकजंव संवामंगनका  
कवहीपतिदेवनाकसाईही पतिनतपावनकरनजवनदालधुननाकबहीमनकनअनाईही  
बेवतिहैवकेतिनमेजिनकीउमसोमतिवेमपगीहै जानतिहैने  
नराजदमेतीकीहतिकथारमंगगीहै पुजेगीमाधमबेसुषकानलेनागकाकेसरजोतिजगी  
नेदकीवातिकहैतैकबुवहमामकतिमुसकाननगहै  
देदगोजीवननवहप्रकदेमिगरेजगकोतिनदेये आवतिअनउदी मनेधुरवतोउषपरवकी  
निषये राजवेरकपुराजिकरोमवकाऊकोकेमवकापेजे ये मारनहारउवारनहार  
मवकेमिरउपरिदेये औरआनियेअर्थजुन नौरजुन  
औरेवस्तुवधानि अर्धांतरकौन्यामयह आरिषकारिमुजानि नौरजुन  
स्वदाइचितेउरबायेकेमनकोअंकरेरा ताकोतौकेमवकोरिदियेउषमाहोतिमहाइतरे  
रो केमोहैतेरोहियोरमैरहिहोरोनहीनबुटनमेरो बंदकउधिकोमामोनुबाधिमजानति  
होमाईजीयोनेतेरो यकिअयक्तिवधानिजि औरिअयक्तिवधानि  
केमवदाशविचारिजि वौधौयुक्तायुक्त जेमो जिहाने  
बुझिये तैमोनिहायुआनि मयशीलेयुनयुक्तबल औमौयुक्तवधानि  
गुमवगुरुकेदोषहपितकलेकरिनुधितनिमावरीनिअेकनिरनतह चंद्रकरमनलेतेले



र वंदकर  
तेमरडा

६

लेनोअवमकरिकेरोदाशप्रतिमामोनेमरनहै विषधरिबंकहैअनधनकोप्रतिबंधिविषकोवि  
रोषिबंकहियेहरतिहै कमलनयनकाऔकमलनेनेमेरेचंदमुखिवंदमातेन्या इहीजरत  
नेमो जिहानेबुझिहै तेमो  
निहायुहोइ केमवनाइअजुक्तहै वरनतहैमवकोइ केमो  
दाशहातमारमरीअउममारमरीआरमीलेहैदिहैअमहैरावरी अमलधनाअेअे  
लेनितकपोलेतेरेअधरतबोलेधरेहगतिलेवावरी येहीब ब बकजातबिनमेबवीनेह  
रजोवनगवारिनीनेलेहैइतअजरी वारवारवरज तवारवारजातकतमे वारवीरकीधु  
वारीहैउवा उरी अमुनेधुनवे जातिजिहा कोह  
केशवदाश यहैअयुक्तेयुक्तकहि वरननबुधि विनाय पानक  
हानपितामहहारनगनकेधुलनतैदरियेजु नालनकोबधिवैवधरोरकौनाथनभायविना  
जरइनु यत्रफटेतेकटेरनि केमवकेमैजतीरथजोमरीयेजु नीकीभटाल गारमगेनि  
कीहमनयो जुगयानरियेजु आगकोलीबोह हैनुचितेइतिवोकिउ  
तेहगअेविनइहै मानिवैकोवहइप्रतिउतरमानियेवातजोमोनमहीहै गरवकीरेववहहम  
कीरुषकाहैकोकेशवबादिहैहै नाहीयेनुमनाहीधुनीयइनारीनाइनकीरीतिनइहै

कुमारोअमा  
रदेतो

अधिकोवेन  
नायकाप्रति  
न

अधिकोवेन  
नायकाप्रति  
ति  
ले मेलावाल  
वितातेचे  
यतीनिधवल  
येरतेरुषको  
नालनतेतला  
र व

युक्तियुक्तिं वरनतदैक विराई  
 अइष्टेवात अनिष्टं जिहां के भेजुं वे जाई तासौ  
 मूल फुल मुवा ने  
 अऊवा मनी नाग मी नै नै नै नै नागे के भव वाग माहावन यो नुर मी वटी नौ न सबे अंग  
 गे ने जल गण उरि नाहर मो निमिना ऊ घरी क क ऊ अनुरोगे गरी मेगी ति वीरी विष मी यि गरे  
 इमं गारि अंगारि अंगारि मे नागे पाय की सिद्ध मदारि न वृद्धि मुर  
 किरत आयुनी आय कही की उष को दान वृक्ष न वृक्ष न सदा सी की न प्रति संत न की की वै  
 डी को नौ जन सुष न रा म को के रा वं प्रति सदा परती की क म मै ला ज दया अ रिको अरु वान  
 न जात यो जी तन नी की ती मे अनिये ने द क व  
 होइ सुव सुमान मो व्यति रेक मुना मदे जुगति सहज प्रमान  
 सुद रिषुष द अति अमल सुख न विधि स दल सफल व कं य र अ यी गी  
 त सौ विविध सुवा मयुत के सौ दाम आस पा मरा जि उजिरा जत न य म पुनीत यो फुलेइ  
 रहत दोऊ दी बेहा को प्रति पल देत कामना निम मात कं अ मात यो लेवन वचन गति विनुं न नौ  
 रने इ इ न र व र इ अ इ इ इ इ जीत यो  
 गा इ बरा बरि धा मं म बे धन जाति बरा बरि हं वं वि आई के भव कं स दिवान यिता नि बरा बरि

परती की ते पा  
 र की अ मी

तिहा राजाने  
 दिजर ज अ  
 मण तिहा दि  
 जय ३ ज प ४

विधि वृत्त

एकर नी मानौ  
 नो मं की ति

हीय हिं रावन पाई बे मंतरा बरही पति दे हं बरा बरि ही वधि बुद्धि बटाई मै अति आजु री ही  
 रंग के मे व नी डं अ धिन ही की व माई  
 मन का वात उराइ मुह और कही जिवात कहति अप कति प्रकल कवि या यो बुद्धि  
 अवदान सुद र उति गति वं विन पुवा म अति मर म सु न्नि माति मे रे मति मा नौ हे  
 अमल अडुषित सुह विन नि सु धित सुवर न हरन मन धुर सुष दाना हे अंग २ गुद नाउ के पुला  
 व जाने के पुना उहा की नाउ रु विप विप हि चाना हे के मो दार वी को ऊं देषी उ मना ही रा जे प  
 गट प्रवी त राय नु की यह वानी हे कारे मुट कारे के य नो नी के व हो नी वे म मो ने ते ये नो नी उ  
 ति दे धिय तन की आबी आबी व न नि चितो न अति आबी २ सुष के विता वि मो हे मति मन  
 यन की के मो दार की ऊं नाग पाई अ जो वाग गहिं आयन उ म मे मो ध पु जे र नि र व की बेरी  
 कारु गोय की वि नो की पार न द ला ल ना ही लो ल ने वन वं व वि मय न की

सुरते स्वर  
 कुरते विवता  
 क चितो न ते  
 जो वै  
 माधते क म

अउत्कलंकार लक्षण बुद्धि विवेक अ  
 नेक बल उय जति तर्क अपार ता सौ क वि ऊ ल ऊ क क दि वरन न अ मी त प्रकार  
 व क अय विधि करन क हि और विशेष मान सहित योक्ति

नायकानौवे  
नमस्तिप्रति

ऊनंतामेवमा

नमो भगवते वासुदेवाय

मुमेंकही उक्तिपुपाचप्रमान  
नइदेहोनाव वक्रोक्तिनाकौकहि मदांमवेकविराज  
ज्यो ज्यो कलायसोकेचवदाविनायनवायहियेअवरष्यो त्योंवदौउरकंपकव  
नमनिनिनयोकिषोशिनविशेषो मुद्रितहोतिमषावरहीनेरेनेनभरोजनिचावकेनेष्यो ते  
नुकहोमुरवमोहनकोअरविदयोहमुतोवेदसो देष्यो  
औरहीशितिनुवषानिये कवऔरकवान अयोकनियहजानिजे वरननकविनअघान  
दलदेष्यानही अघाप्रघनो जनेकोहरहेकहिकेसववावदेदि  
नदावदहेधरिधीरजकोधर ह फलहेफलनाही किंतो लोडहीकहिकहितीपहि  
नृषमहापरिह कबुवाहनहीधुषनकोननहीरहीकीरकराकरहाकरहे  
अगअलीधरियेअंगीआउतआजुतेनीदोनेआवनदी जे जानतिहोजियता  
तेमषानिकीनांजऊतौअबंयाथनलीजे योरेहीद्योमकेषेउननऊलगीजियमे जिनकीजि  
यजी जे नाहकेनेहकेमामलेआयनीबाहेऊकीधरतीतिनकाजि  
औरहीमेकीजिपंगट औरहाकोगुनदोष ऊक्तियदेव  
धिकरणकी मुनतहोतग्रंथोष जाबुकटिनानिकुनकंवपीवन्नुजम्लउ

३७

करजतेनघ

पौषततेषम  
नी

हृत्प्रीति

रजरेषरेषी ब्रह्मनांतिहे' इति तत्कपोलरदलनेतप्रधरुचिस्वनारमितंरिभं मेरेआतिहे 'कोटि' 'कोटि'  
 'कोटियोटिल' यदातिवीचवीचहाहा फलनेतिनेतिनेतिवेनिहोतिजगतिहे 'आदिगन' 'अंग' 'अंगपीड'  
 यतयौमैति केमौतिनके 'अंग' 'अंगपीरन' परातिहे 'राजना' 'माजना' 'राजना' 'राजना' 'राजना'  
 मिना' 'राजना' 'राजना' 'राजना' 'राजना' 'राजना' 'राजना' 'राजना' 'राजना' 'राजना' 'राजना' 'राजना'  
 दिनजटनुहे 'दान' 'नारमान' 'नारमक' 'लमया' 'नार' 'नार' 'नार' 'नार' 'नार' 'नार' 'नार' 'नार' 'नार' 'नार'  
 कुलनिज्योराजो राजा रंममिरतिही उषरा चतुकेमीरं फटनुहे 'पुत' 'नयो' 'दश' 'रथ' 'के' 'के' 'राव'  
 देवन किधरवाजीवकाई 'कुलिके' 'कुलन' 'के' 'वर' 'वेत' 'द्र' 'कुल' 'फले' 'मब' 'ही' 'मुष' 'दाई' 'सी' 'र' 'व' 'ही' 'मरि'  
 तामब 'प्रीत' 'ल' 'धी' 'र' 'म' 'मी' 'र' 'मु' 'ग' 'ध' 'मु' 'हाई' 'पर्व' 'सु' 'लो' 'क' 'लु' 'ग' 'व' 'ति' 'दे' 'षि' 'के' 'दा' 'र' 'द' 'दे' 'ह' 'द' 'रा' 'र' 'मी' 'धाई'  
 होइहं श्रीओरतिमुनि यइहं मवरजकीवात कानलगावतषदनही मेरेवेतं शिरा  
 न 'दिण' 'मुना' 'स' 'द' 'म' 'रा' 'व' 'के' 'मि' 'नो' 'ह' 'मी' 'उष' 'पा' 'यो' 'प' 'ति' 'र' 'म' 'गो' 'हि' 'त' 'के' 'म' 'व' 'मि' 'ह' 'मो'  
 विद्यमानकासकप्रेत कारजं होहि न शुद्ध मोइउकं विशेषमय केसवदा  
 प्रप्रधिद 'क' 'स' 'वि' 'उ' 'ह' 'ति' 'क' 'ह' 'उ' 'ते' 'न' 'ट' 'पा' 'प' 'म' 'पु' 'ह' 'मो' 'म' 'न' 'त' 'ग' 'रे' 'मो' 'द' 'र' 'म' 'नि' 'उ' 'म' 'अ' 'न' 'म'  
 सबसाथममर्थकजउसकारे हापीहजारनकेबलकेसवंअंधकेपटकेहूरुहारे त्रोयदीको  
 उरजोधनपेतलअंगतऊउधसोनउधारे दलंतोलेकसकांनिवनि काथथैतिरित्तअ

द्वारते। द्वारे

पतिशंमतिः  
स्त्रीनको-जं  
गारा

विशेषतः, ऊँकिरकरीमकरीने

पार' राधरहतपतिरंगये' कोनोहरनमुनार' 'सिधेहारीमधीहरपाइहारी'  
 कादंबनीदांबनीदिषाईहारीदिशिअधुरातिकी' फूकिऊँकिहारीरतिमारिहासोमारुहारीऊँक  
 कोरत' त्रिविधगतिवातकी' दईनिरदईयाहिकाहेअसीमतिजारतजरनिदिन' ऊँअसीगातकी'  
 केमेऊँनमानेहोमनाईहारीकेमौराग्यबीतिहारीकोकिनाबुनाईहारीवातकी'  
 कलकपाऊँजोरातहीजिनकोमतकाऊँपेजानितेरासो, नामगहाहिधरेधनुअनुननुहुनुरेति  
 नयौजमहासो' केशवदात्रापितामहीनीषममविकारमिनेदिमिवासो' 'देवतहीतिनकेऊँरतो  
 धनकोपटीमामहोहाथपयासो' वेइदेवानविधानेदिधानअनेकअनुजितजोरई' र  
 उ वेइहैबाऊँवहेधनुधारजदीइदमाजितनुहुजइत, वेइदेअनुनआपुतहीजगमेजयकीजितवेनवेइ  
 ज' देवतहीतिनकेतबकाबिनेतकेहीनार' वनाईईज' वेइदेअनुनआपुतहीजगमेजयकीजितवेनवेइ  
 होहा॥ हातिहृदिछानअठानकेबु' कहीजुगुदेअकाश' ओईहोकरिमायकी' वरनत  
 केअवदाश' मिमूताममेतनईमंदगतिनेवननिसोवतिनलितिन  
 गतिपाइईहे' मोहनिकीहिमाहोमिकेगईऊँ' टिनअतिमेरीरानीतेरावानीधुनतअहाइ  
 केमोदामहेषदासहीमयेहीकटितटिविनविनमूविमबबीलीबबिवाइहे' वामबुधि  
 वाइबुधिबोरनेकेआधहीवडीहैवीरऊँवनकेआधहीमऊँवअरआइहे'  
 वारतेकेस

रतिनेषीत  
कामनीस्री

मीचतेमरा  
नीबमतिण  
नीवामु

उनन  
है॥  
३८

दाजानि' व्याजस्मृतिनिदायहै' केशवदात्रावधानि' 'स्मृतिनिंदा मयहोइजिहा' स्मृतिमिमिनिं  
 मीतलऊँहीतेनतिहारेनवमतिवहउहे' मननजतिनि' नौताकौअरताय'  
 मेऊँ' आपनौज्योहीरामोपरायेहाथवजनायदेकेतेअकायमायमेनअओमनलेऊँ एते  
 परिकेसौराईकाउमेनअवाहिवाहीवहेजकिनागीनागीनृषसूषन्त्येदिऊँ' 'माओमुहवां  
 दोब' नबननबबीलेनालेएतोगवारनिमोउमनिवाहेनिऊँ'  
 केसबकएरकजकेतकीमुनालेनाले' धुधतनवंपकचयेनीवाइतो  
 राहे' जिनकीतुपामवानकेऊँवीरेतेआमपासवाटीकेमोदामकीनीनयनमनोरीहै'  
 तेरेकोनस्मृति' किंधोमहजमुवामहोततमगईहरिवितस्कोऊँवोरावोराहै' मुनिहिअवेत'  
 आइईहिहेतनाहीतरतोमीगारागोक' गो' बरहारीथोराहै'  
 जानाईनिजाकीमायामोहा' मिलिहोमा' कि' एकहाथपुनिएकपापकौनिवारिये' परदारगप्रि  
 यमित्रमात्रंगमुना' निगामिनीमवरकौमोमुषदेयोदेहकारीये' आजि' नौअजादिशयेवर  
 दविनादनावईएतेमेअनाथअतिकेशवनिहारिये' राजनिकेराजा' बादिकीजतनतिल  
 केताईसीषममोकहाकहोपुरुषोनिनारिये'

अधिनुवव  
ननायकप्र  
ते॥  
अकायते  
निःकारण

अरुमनो  
एर

अजतेहृम

शरितराक्ष  
प्रति

न

जह

नारायण उता साधने नोगवै  
कहे ले  
असमने  
गदधिता

साधक का मुन मिष्ट अमीतना मता मौक है जाकी अमीत प्रग्रीध  
आनन सी कर सी कं कहां हिय तो हित ते प्रति आतुर आई की को नयो सुषही  
मुकराग क्यो तेरे पिया बंजना तिबकाई श्रीतम को पट क्यो पनयो अलिके वल तेरा प्रती  
तक्यो ल्याई के मवने कोर नायक मोर सिना का वात निहा बहराई को गने कसी  
जगमनि मे नय माय सबेद नंग जित ही को जानिको धानिकि तिम्क लतान नयों आयो म  
हो वंदि मही दिनी को अहो न्यानि जस्यो कहि के राव माहि मध कर सो सक जी को दोर  
कि उलहरा ममौ जी तिका सो अपने मिर कार तिटी को

माविक जा  
व

कौन ऊँ एक प्रकार ति अनदी का ये ऊँ मिधि अयने इष्ट की पर्यायोक्ति मो  
काऊँ कौ बुलाएरा लागि मिले लत मिले के मवने रिहर देन लागे दाव आपु आपु नन  
नाएरी उविउ विगइते मिमहा मिम जित तित के मोराय की मोदा ऊँ रेह बिबाएरा वा  
कि विने विऊ दिशि तिहि विन रोधा ऊँ के जल जल मे लोचन जल द मे ऊँ आएरा  
जको जे सो बुधि बल कही एते यो मय तामो कवि  
ऊँ नयुक्त कहि वरन तब ऊँ तम हय मदन वदन नौ लेत नय को

॥ अखि नौ खन राधा प्रति

३५

विजते हम  
वही

मदन नौ देत जाज को मदन नौ दे धिया यण जग जीवं मोहि वे को हे रुमी को टिको टिके द माय वारि वारि वा  
रि मारो जा के कि जे बजरा जे अज हो लो अज मी के मोदा मे मे विना मने सुष की मुवा मफ नयन आ  
र मही मार मानि ते रमी श्री देव विज उग द द ल को म म ल व ल जा के हो के कहो को न वात की कि मी

वाको

होतन क्यो ऊँ होति जिहा देव जे गते काज ताहि म माहितना मक  
दि वरन त क विमिरता मजि बब मो व बी ली वष नानु की ऊँ यर  
आऊँ रही ऊँ ती धर दूय म द मान म द ब कि के मारु के ते सु ऊँ मार न द के ऊँ मार ता हि आएरी म ना व  
न म दान म व न कि कि हमि २ मो हे करि पाई परि पटि के मोराय की मो ज ब रहे जिय ज क के तिह म  
मे उ व ध न घो रि धो रि दाम न सी धा इ लागी लट म्या म धन उर मो ल प क कि मात ऊँ दो  
यन के अवन पति हा रि दे दी य मे ज व जाने विम वि मे व न न ग न यो सु क हो अ व के म व को ध नु ता ने  
मो क की आग तिगी परि हेर न आ ए रा घन म्या म वि हाने जानु की के जन का क के रा व फु लि उ व न दू पु  
न्य पुरानि मा धि मा धि ओ रि म रे ओ र नो ग व त मी छ तामो क  
ह त मु मि छ म व जिन के बु धि ह नु धि मूल नि मो फ ल फु ल म वे द ले जे ति क व  
र म री त व ली जू ना जन नो ज न नो म मि न न य न नो न ल री नु व नो ति न ली जू दा स न वा मे न आ य न वा

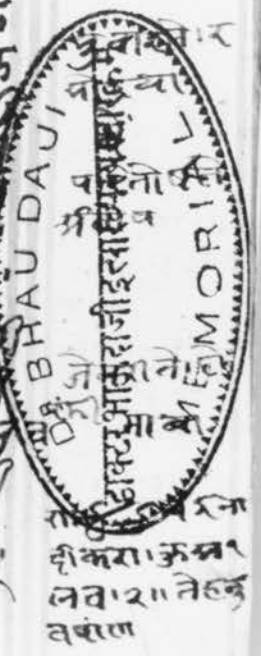
अखि माधव  
ति  
मारने का म

मरघति। मधु  
माषी

समुवाहक जानुविमंनयन। केसकेकैसाहाजतुगमरेनुवनीगवैतैतैवनीज  
मरघामिस्वस्वमरहि महरमकपातकरतेमुष पतिवतिमरहिगवारि रूपनलयीएयाधिक  
सुष वागवानमवहिमरहि कलबाधतउदारहरन पविपविमरहीस्ववारि रूपनोजननिक  
रतवर नुषननुनारगदगदमरहि सोमनीकेषनकरहरतन कहिकेसवलेषकतिरिस्वमरहिप  
नपदिहीपुरातिगन साधनमाथेएकनव कगवेमिह  
नेक नामौकहतप्रमिधसव केशवकहतविवेक मार्ककेमोहपितायरतोषी  
केवलरामरुमरेरिमनारे ओगुनएकहीअर्जुनकोवितमदलकेसवबत्रियमारे देवपुरीक  
ओधपुरीजनकेशवदामवडेअमवारे सुकरमानसमेतमवेदस्विप्रकेयत्यमदेदमिधारे

तस्विमस्विप्रते  
वननीगलीवि  
याकति  
ओवनकीक  
एहवानाशुभा  
परीतते ३

तकहै वरनतबुद्धिजिनलोई नाहतेनाहकत्रियजेवरातेमापुकरियाविधरव  
थिकोहोवसावतिवननकी सिवहिप्रिवाऊनेदगारतिजिनकी मायाऊनजानेबायावतनिचन  
की रक्षाकौकहाकहोअमनकीमुनेमुषयापनप्रदीतविषरहीतमाननकी कोनपरिविचिनी  
विआगऊनयहीअकेबीचपारीआगनाअनेकअगननकी प्रायनय  
यानऊकोऊहाथनदध्याररंधनाथतकेनऊकोतुरंगहिराथोई कावनकलोटीमिरबोटीबोटी।



राज...  
दीकराऊम  
नव॥२॥तेह  
वराण

बिबतेला  
नपाऊंगेउ

दिन

काकपहपावहीवरमकिनिजुऊअनिनाथोहै नलनीलनंगदप्रहीतजोमंवतहनवंतमेअनंतजिननी  
रनीधिनोथोई केसोएकदीपदीयनयतिथौरधऊनऊअनेवजीतकेजयरअथाथोई  
प्रवकहितहे केसवसपकसय वदनचंदलोवनकमल बाऊपामयोजानि करपेल  
बिबअमलेनता बिबाधरनिवधानि ताकेनेदअनेकमे तीन्योकेहेसुनाव अस्तुतेका  
वक्रपुनि रुयकद्रयकनाव मदाएकरअवरनीये ओरन  
ताहीसमानि अस्तुतेरुयककहतहे नामौबुद्धिनिधान मोनामरवरमाकिफुयो  
प्रदतमधीराजेराजहंसनसमीपमुषदानीये केयोदाशआययायचौरनकेलोनेधनेघननकेदेव  
नोरनुमतवधानिये होतिजातिउनीनिममेमहसगुनीधरतुहदवाइवमानमानिए रतिकेमे  
हनबुद्धिनेमदनअप्रोकमलवदनजगजानुकाकोजानीये  
कहे केयवबुद्धियमर्थ जिहांकहीअनमिलकलु पुमलमकलविधुअर्थ प्रोविदधुदयका  
वहाशमनोजमनोहरनादिफलेफलश्रीफलमेवे फनेमिरोजरहोतिनउपररूपनिरुपतिवितवनेयो  
तापरएकशुवासनतापरधेलतबातकषजनकेके सोनेकीएलता नलमीवनकोवरनामुनिबुद्धिमकेहे केम  
मयनाव

वि  
वरुमानेपा  
अतेहय्य  
रामानते  
कहा  
अधिवशि  
प्रतिराधा  
सीतानोव  
गति॥  
क ५ नल  
मीवनने  
वैरावन

प्रविनाय  
कप्रति

जिहांवरनिये' कौनऊं बुद्धि विवेक' इयक शंकहतकवी' के प्रवदाश्रानेक  
काबुमितामितकाबुनी केमव पात्ररज्यां पुतरा निविचारो' कोटिकटाकनवै गतिने उंन  
वावुनायकनेह निनारो' वाजतदेह उहममदंगमुदीपति दीपनको' उजियारो देवताहो हरिदेव उमेय  
होउजुं आधिनदी मेअवारो' वाविक्रियायुन प्रयकेहि' वरुं ऊं  
केरि कौर' दीपक दीपत होत है' केमवक विंशिरमौर' दीपक प्रपनेक है' मेवरनै देह रूप' म  
गिमाता मोक है व' केरावक विंक विलय' वरषा मेरद वस  
राशि' सुनता मोन सुगंधि' प्रेमवत नुवने' दीपक दीपक वंध' एन मेरक जौ वरनीये' कौनऊं  
बुद्धि विलय' ताओ मन दीपक यदा' कहि जत केराव दारा' यथा: प्रद्युम्न हरन  
तेन दिरी हठ हर की मोहर पिहर धित मते जन हरत है' केराव दारा आसपास प्रमप्रका समो विलाम  
निविलासक बुक हीन परत है' नातिनातिना मनी नवन के ऊं लखेन वसुन गयुना इ सुन योना को  
धरत है' मानिनी समेत मानि माननी नवुमकर मेरो मन तेरो दीप दीपन के रतु है  
हविन पवन दह जहनी रव नुन गिलो लकरत लोग लवली लता को फिरे' केराव दारा के मरिऊ सम  
कोमर मकन तन तन तन तन को मदिन मकन तन' कौनऊं होत हव मास विलास वसिधे पक चषेनी  
मिलन मालती सुवास हू' सीतल सुगंधि मंद गति नंदन दक' पावत कहाने तेरो विवेको मानत हू'

नवन

प्रविनाय  
काप्रति  
रमन तेज  
रतार

नाथ कनुव  
वन नाथ  
ने  
बुधे कह  
तो ना  
वेवे  
धर

रायकते कोमिउ' दिनाजे रायव

कहत है' ताकेने दानन  
तिज गावे' जागिके जोति सबेस मुफेत मुसो धिसूतौ मुनै दारसावे' सो सुनता स्वैरुय के रूप के मयसु  
काम के लाउय जावे' काम सुकेराव प्रेमवधायक प्रेम लोभान प्रिया के मिलावे'  
घनन की घोर मुनि मोरन को मोर मुनिके सुव अलाप अलाप अलीजन को  
दा मनी दमक देष दीपकी दीपति देषि देषि सुन मेज मदन सुवन को' ऊं कमकी वाम घन मारकी  
सुवास नयो कुलन की वासु मनु फुल को मिलन को' हमि बोले दोउ अनदी मनायो मान बुटि गोरक  
ह विरगधिकार मन को' वरनिये वसत उराई जिहां' कौनऊं एक  
प्रकारि' ताओ कहत प्रहेलिका' कवि कुल बुद्धि उंदार' सोलित मत्रा इ मरि' उ  
नम लोचन लेषि' जयन पद जान ऊं मदा' बीस बाहुं वर देषि' वरन  
अबाहर बाऊं दरा' लोचन मत्रा इ म' मारतु है प्रतिपालुके' सोनत ग्यारह सीम  
नौप मुनो इ देवता' इयही जिदि गेह केमव मोहरा धीये' ई प्रजीत को देऊं  
देषे सुनेन बाइक बु' पाइन जुवति जाति' केमव वलतन दारु' बीसरगने  
नराति' केमव जाके नाम को' आषर कहि बुंदोय मधे तषन मित्र के उतटे

नखि मखि  
प्रति

ना  
ऊन मातेउ  
जलताई  
न

उपनहोय  
बरहोय  
तीसरीहोय

जातिंतनाउआवरहं ताउकहैसबकोई सुधसुधमुधनहिहि उलटेअं  
ऐसीमूरिदिपाइसरि जिजाननसबकोई पीवनगावतजासरस बा  
सबमुधवाहीनोगवौ जेथियएकही वाडगहेजहागवको जेमोतिहिदरका

चंदपोराउ

जिजिहंओरैकबू उपजपरैकबूओरि तामोपरवतकहतहै केसरकविजिरमोरि  
हसबोलतहीमुहमेसबुकेसबेजाजनगावतनोगनेगे वा  
तवतावतिथेरु चलेमुनआवतहीमनमजजगे तजकहैसंजतीमनमेरेऊजानयहैनहीयो  
उमगे हरयोनेकहीयमारतअगुरीनपआरननोगुमेगे हाथगहोउजना  
यसहीवहीवुटगधरधीरजताई पाननघेमुखनेनसवीरुविआरसदेधिकहोइहवोई देपरिसन  
मोहनकोमनुमोहनीयोमजतीमुषदाई तालयुष्मनकपोलनयुष्मननेरेदएतेमेहातबिबाई  
जीयोदयोनुजनमदयोजगिजाहिकीजातिरमोजगजानि ताहिसौवेद  
मनोवचकायकरैततकेअकउरआनि सरवतेरिषंधीकीयोरिषहीमहसूरयगेधवितानि  
येसोकबउयहकातुहैजाकौनलोकरायेसुवरेकरिमनि

उतिनाथका  
प्रति

४२

कहतुकवि केसबबहोतप्रकार  
सुनविक्कैयजानि उपनहोयनमोहमय निदमुयनाधिकआनि अतिवायेउत्येकिनेक  
हो शेषधेमेविपरीति निरनयनबनेकोयसा असनोवितामोति बुधविरोधिमानिक  
हैत ओरपरस्येइरा उपमानेदअनेकहै सेवरनेगनवीरा  
जिहांनहीनिरधरकबू सबदमंदेहमदय मोमंयउपयममदा वरनतहै रा  
कवीनय  
मतितीकी मीवीयुधकीमुधधरकीइतिदंतनकीकिंधोदादिमहीकी चंदननोमुषवेद  
किंधोकिंधोमूरतिकामकीकाहकीनीकी कोमलपंकजतेपदपंकजपानिप्रियारतिमुरत  
पीकी होतकौनहैहितहै अतिउजमयोहीन तामोहाहेतु  
पमा केशवकहतप्रवीन अमलकमलकुलकलितललितगतिवेलिकेवल  
तमधमाधवीकोपानीहैये मृगमदमरदिकपुरिधरितरयगकेसुरिकोकेशवविलासयहि  
वानीये ऊलकेचंपूनीकरिचंपकचोकेलिमेइसेमेवनीअमेतदेतकेतकीयोजानीये हिलमि  
नमाननीमोआवतममीरजबतवतिरेमुषमुषवासमोवपानीये

नाथकानो  
वनहतामो  
ना

परिनायका  
प्रति

रुतिनायका  
रति

रुतिनाय  
मात्रति

उभयमाज्जाईकहीनही जाकौंरुपनिहारि मोअकतउपमांकहतं केशवदारा  
 उरिहैकौंचपनवमनइति जोवनकीहिंदीकाजीतिहोतिंदोमरा  
 मीरातिहै नायकौंसवाअनागिकेहेकेश्रीकेशवकुनाइहीकीवासुनोरनीरफारिषातदे दे  
 वनेरीभूरतिकीभूरतिविभूरतिहैटिखिवेगौंलावनकेमैवनेनलजवातिहै बुलहेक्योवैइमु  
 खिअवनेनिकेनारनएकचुनिकेनारनोउवकिंकटिजातिहै नालुगुहगुनलावनलठे  
 लपलीलरिमोतिनकीसुषदेनी ताहिविलोकितआरथीलेकरिआरसयैआरसनेनी कोस  
 वकानुइरिंदरश्रीपरश्रीउपमामतिकीअतिपेनी शूरजमंदलमेराशिमंडलमधधमीमा  
 नुमाहेत्रिवेनी अमीदोतिनहोयगई आगेक  
 हेनकोई केशवअेयविरनीये अकतउपमायोई प्रीतमकोअेयमानितमानि  
 नेययाननरीफिरजावे वकविलोकनिबोलअमोलनिबोनिगोकेशवमोटषेडावे हावऊं  
 नाववितावप्रनावकेनावनलावनचितचुरावे अेयविलायतोहोतमरोजमेनोउपमामुष  
 नेरीकोपावे कौंऊंकौंऊंदेरनीये कौनऊंरकप्रका  
 र विक्रियोयमानाहिहै केशवबुधिप्रकारउदार  
 केसोदाराऊंदनकेकोराकेशकप्रकाशमानवितामानिउपमाकौउयकेश्रीउतारश्री ३३

अति

मोत्तेह्य

धर  
रुखिकोव  
ननावकप्र  
ति

विकाल

परिवाराय  
कोप्रति

कैउदोततेउकीरहीसीकाडीसंबमारमसरमसोनामारतेनिआरश्री सौधेकांमीसौधीदेहंस  
 यौसुभारीपाठकारीदेउलोकहैतेकिमिअतिउधारीमी आजुयायौहअषेजलेऊंनलेकाति  
 एमीवालनाउंकासकीऊमोस्यी जिहाइधन  
 गनवरनीये लावननावउराई इधनउपमांकहतदे बुधिजतनाईवनार  
 फलंश्रीफलविदुमहाटककाटिकहमदेहै लोककयोनिकरीअहीकेहेरकोकिलका  
 रऊचीलकदेहै अगअनयमवातेवकेउनेकाउपमांकहिवेइरदेहै न  
 पुषदंसुनाव सुवरनयनमुदेरेनवतिनपुनिलेरोमोमिलितगति  
 ललितवितानीहै पावनप्रगटगतिइजनकादेशीयतदीयतिदीयतिइतिश्रुतिमुषंतीहै  
 जोनामुषदानीपरमारयनिधनीदोहकबुषरुखानीमानीसुबजगजानीहै शूरवकउरेउ  
 निमुनिषेवानीनरायतेरावानीमिरीरानीगागाकीओपातीहै  
 छपकुहैकेअतरूपकहै कोनहावसमनगाइ ताहिसौमोहोपमा कहतंमवेकविगव  
 धेततनुंषेलकबुहामीनेहमतिहरेमुनतनकातगोनतानश्रीवहै उ तनअवरनिहोततिदि

जोनवाल

को  
न

बोन

[illegible]

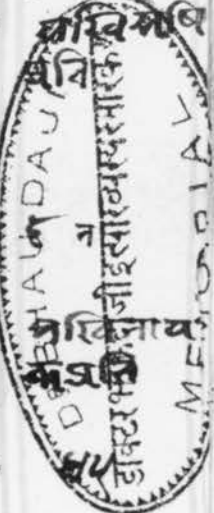
हेति  
एतलेश्व  
जीतशरीष  
श्वषषपति  
नरु॥  
यखिकोवेन  
जातायो॥

जाका गाता माना सुनि ते रोमौ वदन ते मोतो ही विषे देखीई  
 सबदायति एक का होई नि एक नि आन उचै हित उपमास नौ कही कविन के ताह  
 न्यारो गुमान मन मोनन के मानियन सबदा के प्रेन जनाइये पंचवान बान निके आनर नाति  
 गर्व बाहो परे माना विन नानियन के मे के वनाइये के मोदा शय विलास गीत रंग अंग निरुंग अ  
 गतानि क के अंग नि गाइहे श्रीता जु के नैन निकाइ हम ही मे हेर वेहेन लिन धरि रीति मे पाइये  
 जिहो मरु पप्रयोगीये सबद एक ही अर्थ के सब  
 ताओ कहुत हे श्लेषोपमाय मर्थ मगुन मरु म सब अंग रंग रीति हे सुन रुस नाव  
 गवडे नाग वाग पाइये सुंदर सुवासन के काम लेन अमल मन बोझावर मय हरष वेदाइये बलिन  
 जलित वाम के शौ दाम संविनाम सिंगार लाई गहरन लाइये वाउरी की माना मांजि आउर के नंद  
 नात वपे की माना उर उर माइये एक धर्म को एक अंग जि  
 हा जान मन होय ताही मो धर्मापमा कहत ययाने जोई उजरे उदार वासुक विराज  
 मान उपमान आनीये इहे जटा जट विवर गंगा ज के जल बंद कुंद कलिक मे के मोदा शमन मो हीये  
 नथ की मारेष वंदन श्री वासर ज अजन सिंगार ही गहन रुचि रोहीये सुष की मो सिद्धि प्रवो जेहि  
 आधमि वक्त के जावक मो पावक लिलास तापो मो हीये

हैं  
 हैं। बंजर  
 टोती दी  
 बाजी बेरा  
 प्रखिनाय  
 कषति  
  
 जर  
 " ने  
 मीवापा  
 खती।

पूरवपुरेसुनके तेइकहाजिहान' तामो विपरीतोपमा' केसोकहतप्रवीन'  
 नूषितदेहविभक्तिदिगंबरनाहिने अबर-अगनवीनो' हरिकेसंदरभंदरीकेसरउरदरीनमें  
 मंदारकीनौ देषीयेमंदिनंदमिनसौनूजदमनउवांअसिद्धविहीनो' राजिनिश्रीरूपवीरकेवे  
 रकुं मंजुलगांमिकममूनलीनो' उपमा-अमउपमे  
 य' को जिहागुनदोषविवारि' निरनियउपमाहोतिनिहा मवउपानुकोमाम  
 एककहेअमनकमनमृषमाताजकोएककहेवंदमुखआनंदकोकंदरी जोपिहो  
 यकमलतोरेनमोहिसऊवैरीचंदजोतीवाकरनहोइतिमंडरी' वासुरहीकमनरयनदीमे  
 बंडमुखवासरहीयनविराजिजगविंदरी' दिखेसुषतावेनदेखोइक' मलवेइतिगते सुषमृषमरि  
 कमनोनवंदरी' लकनलकनवदनीयो' बुद्धि  
 बलवचनविनाय' तायौजंजनकोपमा' कहिजेकेसवदास' वामो  
 मृगअककहेतोमो मृगनेनीवामोसुधरतुंमुधाधरमानीये' वहउजराजंतेरेउजराजेरा  
 जिवहकलानिधितुंऊकलाकलीतांतवषाणीये' रतनाकरकेदोऊकेसवप्रकाशकरि  
 अबरविनामऊवलयहिगंगानीये' वाकेअतिमीतकरतहीमीतामीतकरवंदमासीवैद  
 सुखिमवजगजांनिये' जैमेनावनसनवि।

विपरीतउ  
 पमालेखन  
 हरिनदेवे  
 गुफा



के

तेमेकरनप्रकाश' होतिअसनवनावृतिहा उपमाकेसवदास' जेमेअतिमी  
 तनसुवासमलयजमहीअमनुअधेकबुद्धिबलपहिवाणीये' जेमेकौनौकालमवनकोमलक  
 मलकेसौकेसोदाराकेसराइकेटककिजानीये' जेमेविभक्तमधरमधरमधमयमहिमोहेंद्रयविषु  
 विषुमुखवषाणीये' सुंदरसुलोचनमुखवनमुदितमुनिआषेरपरुषयोहीतेरेपुखमानाये  
 जिहाउपमाउपमेयसो' आपुअमाकिविरोधि' सोविरोध  
 उपमाकहत' केसवजिनहीप्रबोधि' कोमलक  
 मलकरकमलाकेतूपनकोमोदामहयसरमदगोइहे' मसिअतिकोमलकेमलअमृतमयमेन'  
 मेनमीतीकोवदनदेखिताकोमलिनाइहे' मीताकोवदनमवयोनाकोमदनजाहिमोहृतमद  
 नउषकंदनिनिकाइहे' आधोपलुमाधोतसोकेदेखेविनुमोइअमिसीतावकेवदनकोडुपदाइ  
 है' मदनमोहनकहोसुयसपऊकेमेमदनवदनजेमो  
 अगहिजगंमोहीये' मदनवदनकेशौसोनाकोमदनस्यामुजेसोउपमानटोहीये' केसोहेतूवद  
 वदकेसवऊवरकानसुनौप्राननाथप्यारीजेमोतेरोनयमोहीये'  
 जिहाअनेदवषाणीये' उपमाअरुउपमान' तामोपरधरोपमा' केसवकरुतयुजा  
 न' वारेनवमेनहदिनाहीनेरदसमिधवावरेनबुद्धिवंतनारीएनेनरमे' अगी

परिनायकावृति

उदयतेक  
 तिन  
 सब  
 आपरते  
 कठिन।

को

न-अंगेननजरेनेमेलेमनम्याऊनसरंनरंथावरेनंवरमे' डवरेनमोटेरंकिराजाऊनकहेजा  
हिमरेनअमेअमेरअपनेनपरमे वेदऊननेदकं बंधाइतकेशोदाशहरजमेहेरेहरिहरदेरे  
हरमे कोकितमेअतिरंखंधन करनीमोरोसराजो

मृगसुरोमृगराजमो एमौवरतनंजाजहो  
बंक्षोवादीसुरेहदे कलपकलपकजानिं ममंरंमुंमोदरंआदिदे' इकेकेअपूरय  
वधानिं बंधकोमोबंधकिंधुंमोहिहामरमेकोकिंऊटिकोऊर  
वादीकिंधोमोतिनकोमीतहे कलपकलपकहंसकोकिंऊरनिधिबंरुदिमुगि  
रिपनाप्रकप्रगदंपुनीतहे अमलनप्रमीतअंगगंगाकेतरांगमंयुधोमीकी  
युधुधिरिपुयकअनीतहे दिसिरदेशपरमप्रकाअमानाकेक्षोकेशोदाशरामंवद  
जीकोगीतहे

नेकविताअंग कहे जयामतिवरनित्यं वनिताकेप्रत्यंग कहीजुंरखवंप्रित्त  
निं जाकीजितनीजाविं तितनीअबनाअंगकी उपमाकहेवंधानिं तथतिंमि  
धनोवरणीजिं देवीदीपतिदेधिं मिषतेनयनोमानुषी केशोदाशविशेष जगक

वि

पुन

धद

पुनस्ते।  
मात्र  
रंमर्वजिना  
जमनेव  
काण

देव श्री  
देवीकोश्रीहिरदेवंधानतिनहरिकीराधिका इष्टदेवताजानिं नयनंजिनकेनय  
नन त्रिनुवनपतिकोअंग तिनकेकेमवंधाराकवि वरनतहेप्रत्यंग  
अपमाअोरिप्रमानअब इतनोनेदवधानिं जावजुतयदंवरनीजे महीदीअयुतयानिं  
गगाऊकेजलमक्षिकवकेप्रमानयेविजपिजपिअरमंत्रअनंदवडा  
वही केशोदाशधामजजयीतमदे एकेरअएकपाइवाडेकोटिकलपनमावही कोमन  
अमलननगंसंदरसुवामनएकमजोनिवाअमनमयपीनरमावीहे पायोवरुअमपदम  
योपदमनितेरयदवीकोपदहीनपावही राजरजोयुतेको  
प्रगट प्रेतिचैदिकोनाग रंगकमियोवकवरन कोपरांगअनुरांग  
मलअमलनाका रंगनमिंकिंधोरजोयुतराजीवकेगनको पलपलपनयकरतकिंधो  
केशोरायनागरलोपुरवांतरांगपीयमनको एरीहधिलानकीऊरनेरेमोहैपाइजाव  
ककोरंगकसुगगोमोतिजितको अंगुनी  
वंधककिंकी जीवनमूरनयेमान ताराखरविअधियुमनमन मनंगननयनिय  
मान वीवीयावाकअनोटकी नाहिनउपमाअन ओलाप्रनातिरंगगन हंस  
हंसतनत्रान वंधकलीकैदलऊनननीयदअंगुनीवातकेरपरमेहे पुनयु

प्रविधा  
प्रति  
धामते  
तमको

मासियत  
अंगनके  
मोलाकिस  
दनको  
अरुनदल  
नपरकोने  
कंतरणीकोपजित्योकिंधो

क

मखिनाय  
वामधति  
प्रतिभुत  
रं  
प्रनयतेप्र  
णाम

इयतेप्र  
रज

देरांनमेंनथजो जनुं प्रीतम के दिगं देवमे है' बांकि अनोटवने विबीयां निविनूषति जिति जरा इंगमे है' केमवमै सोममरो जनिउपरिकोपमनो तं वानं केम है' रूप  
 ररिचा जंत्रमंत्र' लोचनगुनगतिहार' जचिक जमपावक मक्षप' जामैक बंदनवारि'  
 गतिन के हार के विहार के पहास हाम हाम कि धौ प्रतिहारि रतिपतिके नियलनयके' ह  
 मगतिनायक कि गुदे गुनघायक कि श्रवन सुहाइक कि माइक है मयै के' केमवक मल कुल न प्र  
 लिं कुलिं कुनिन कि कि धौ प्रति कनिं तं ममतिन निवय के' हाटक घटतं मनं मावतं जटत  
 पगन्यरं नुल कि धौ वाजे है विजय के' जेहर जय के  
 कनकलित के सुवटाश सुजान माताया लाफन मला श्री श्री मम गोपानि  
 कोमल क मल मूल नुपर नवल अलि कुलनिकी माता कि धौ के राव  
 मुनाई की चरनमरो वरा ममीयां विविधा कनक कि धौ कलहं मनी की वितिक बनाई  
 की गुजहं मसार मकी जति गति मेरी मति बांधी जय कि केन की मोना सुषुदाई की  
 अमित मे मिल सीटी मदन प्रदन की कि जग मगो पग जुग जेहर जराय की  
 कोमल क मल मूषी तेरे एं जुगल जान मेरे वर  
 वीर ज के बल ही हर उ है' और न सुनाई सुन रं ता के से दे बंजर के राव कर स ऊं

गमे हे ते ग  
 ल्या लें  
 जा ग कने  
 वो की बात  
 को मना घर  
 ना पोलिया  
 मय का ते द  
 शन  
 श्री प्राते  
 पाया था  
 ना लर

४७

उत्ते जंघा

कां शोला निंदरु है' कोठिर निर निराजं शिरता जं वन की को मो दे पिं दे पिं गजराजं गाजनं मर  
 तं मरतु है' मोवि मो वि मद रु विम क लम को विमो विमुदि प्रायो मुद नि की ऊं रु ली करत हो  
 वं धल उलितं मम वरन तं नितं बं प्रवीन' उमै करी करी कर म करन मो न मो लीन चक्र वाक  
 कमनं मुदर मुदर मने ही ने है' दिति मुतं मुन मुदाइ वै कौ केम व प्रवीने है' सब ही के मन  
 मन मय वे को मन मय हाथ दीने है' रु विमु विम ऊं व म के ल वेल रु ली तेरे का रुत  
 अचरन च उरिते तं व व क की ने है' कटि अति मुव म उदर ५  
 निव न दल उ न मान' रोम नता मक्ष म अति' चारु चटी नि प्र मान' मुत की मिला  
 ई की जे मी मा की फल इ ते मी मार की विवाइ र सी बी न व ऊं रि तु है' धीर की मो हा म के रो दा  
 मंदा री की मो मर की म क अं कर क को मो वित है' मम को मो दान मुद को मो गान गरी गीरा को  
 मो मां नु मेरे जानि म म उ ति हि' कोन है म वारी ह व लोन की ऊं वारा य ह तेरी कटि नि पट क ट्ट को  
 को वित है' कि धौ का म वाग वान वही सिंघार वे लि मी च  
 की वदाई नू ऊं प म न मो ही थे' कि धौ हरे ने न मं जरी ट के वे न वे को मंत्र लि रि लो लोचन मो ही  
 ये' मुदर अ उ रि मुन मुदरी कि रो म र जी कि धौ चित चातुरी की वाटी चित चारु मो ही थे  
 लण्य को क प क जुर डु ट वे को' चक्र वाक ऊं व म व न्नि थे

न निरुन क  
 रु र रु के  
 रु प रु के  
 रु व न वे दा इ  
 वे को ॥

माहा

न प्र मो के  
 मो पा रु त प  
 पं ध रे व रो ह  
 ये ॥ कि धौ  
 वल रु ज द

पुतिनते।  
 नही नो की  
 ओ

५

न॥

केरावकमूनप्रमानि मिवगिरघटमवगुह फलशुनईतऊनसमान  
 किंधोमनोहरमनहारडुतिमरवेलेजोवनकसमऊनमानिदरमहे मोहनीकेमंदीरकिइंदीवरे  
 इंदुमुरवीमोरेनगरमहे आनंदकेकंदकिंधोअंगकेअनेगदीकेवाडउजुकेसोदाशकरमवस्महे  
 रसमेरीकाकजुकीप्यारीतेरेऊचकिंधोरूपअनरूपअनरूपजात रूपकेनेकरमहे

नाराकाऊसममम नखरुचिकेसोदास करपकेजपनववरनि लुजवलरीमुषामरतन

निरातिसेमविरनषउरअनियेनेयेनेरुचिरुचिकीनोहे रतिजयलेखिवेकीलेखिसुखेकि  
 क्षोमातरथमारथीकेनोदननवीनेहे किंधोकोसोदासयववानजकेपंचवानसकलनवनजि  
 नवमिकरदीनेहे कंचनकलीतमनमुंदरीममतीनलितमानोलेखवेधविशेषनिंकडराव  
 लीनेहे राधिकादूपनिधानकेपाननकेमव

आनमवेबबिवाइ दीहअदीहतिस्वभमफलगदीदिगगोरीकीगोरीकीगुरायकीइ  
 महिदीमयबिडुचन्योतिनमेमनमोहीनकोमनमोहनीलाई इवकअरविदकेमंदीर  
 इंदराकोमनोदेषनआई गजराविगजिगजमोतिन  
 केनीकेअतिजितकीअजितजोतिकेसोदाशागाइयेहे बालयवनीनकरकवतकलितकरमनि  
 जानकीनलितपोवीतिवनाइहे सेतपीतहरनकलकतलानसांमलधुमलमेरेयावरेकोनाइ हे

इदराते  
 जहनी

पयपारज  
 मरहाथक

धर

मानोमूरमोमकीकलाअमेदिआपनीयेआपतेमेषाकौमुषणइपदिगइहे  
 केसोदाशगोरेगोरेगोलकांमधुलहरनसमीकलसमीमिनीकेलुजमूलला  
 इमेततारेहे सोनायुषनावरमतमांषतमेपरमतदरमतकंवतमेकंतिनशुधारेहे बलयधलित  
 बाऊदेघिरीकिहरिताहमानोमनयावेकोपासमेसवारेहे मलितमृनालमुषपंकमेइरायएभुइ  
 खंदेयांजाइअतिनमेबेदकुरिहारेहे कंतमुकवकपोतडुति के

सोदाशप्रमानि पीवकनकीपट्टिका वरनतअकलधुजान  
 लेतमोलिलालकोअमोलचित्रगोलग्रीवलोलनेनिदेघिदेघिजातगर्वलागके स्यामशीतपीतला  
 लकंबुकंतकंवमालजातिनाहिनाहितेकहीरहीजुजातिजातिके धूरकेनिवासतेपकायसो  
 मजुकीथोअनेकनातिकीकिंधोरहीमदुषलागिके केसोदाशआमयासवामकेरहेमनोम  
 मेनरागनीनिरागरनरागके केसवऊवरकानदेधीमेऊ  
 वरकमोवतसुनाइमेजननीजनकका वेनीमेवनाइगुहीकाहआलीनातिनलीऊन  
 कीकलीतनतनकतनककी पीवमेतिनकीप्रतिमूरतिविनोकियतहरतिनयनयुगमूरत  
 बनककी हरिमनुमथिवेकोमानिमानोमथमनमथलिस्वीमपेकेमविरआकपट्टिकाक  
 नककी कजलमनरसगीटबवि रदनराहकोआन

अन

कंदुतवा

हंव

खरनत

कोककामधरविबुककोसामलविउवषांनि श्रोतमिगाररसकीसी  
 बीटमोहेकोककामधरकीसीकहो जुगतिनिजोरंगहकोसौरदनरहोहोचुनिवदमधतमा  
 कोसुहागमेतोमारितनुतोखिवातुरविहारजकोवितयोविऊहिरयोवितयेनेकेमोहाशनेतिवि  
 तुवोखोरि तनकविबुकतिलनेरेपरमेरीगुखीहारीवारतदनीतिनोतमाश्रीकोरिकोरि  
 अधरबिबलेवषपनपकरणि नगटप्रवालममान पुगतादाहि  
 मऊदमनि हीरादशानसमान असुरअधरअतिशुबुधा  
 पुषुधाकेधरकोमनअमलउतिनीनमीनलीनीहे केअवधुवासमदहाअजुतकोनकामवि  
 डमकोवोरिकटुबिबबुधिहीनीहो युवमधुरेषअतिशुधीसुधीश्रीविशेषबिबतुरस्वउरतुरवर  
 विकीनेहे मानोमेनसुहुरिनाहेकेनयनयुगगुनगनलविकऊविद्यागतिदीनीहे  
 अबमसुगंगधियुधीमुनेबवतीश्रीमानुजबनबतीममानोऊकीमूरतिविशे  
 धीयै रातीहेरतीकरुचकिंधोमेतमवमंडलमेमूरनिकीमनाअरेषीयें किंधोपियजुगतिअध  
 मनाकेषीमनाकेषीमवेकोषमनकोकेमवनरकऊनलेखियें दीनीउनिकलाविधितरेषुषवद  
 कोसुनाइहीअकाशवदमदउतिदेखियें जोतिजुनाइहामि  
 नी दीपतिमुधाप्रकाम महीमामोहमरीचका रुचिमोहनीयुहासु

ल

उ

धरे

न

मुष

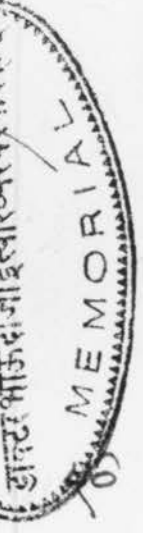
मस्त्रिकाते  
मृगदन्ता

किंधोकेमलमेकमलाकीसीजोतिकिंधोमुखवाचकिंधोवैत्रचंद्रकाचुराइहे किंधोमंगलोचन  
 मरीचकोमरीचकिंधोद्रपकीसखिरद्रविरुविरुविश्रौडराइये शौरनकिंधोयोनाकिदशानघन  
 दापनीकिंधेशववउरहीकीचउराइये एरीनोरीगोरीतेरीघोरीघोरीहासीमेरेमोहनकीमो  
 हनीकिगौरनागुराहे मदनजीवकामुखजनने मतमो  
 हनीविलास निषटलयानीकरटकी रतिशुखनामुषवाम  
 किंधोनयोजदितअनमजकेअंगभुरनिकअगरागदाहेदेहकुषको किंधोप्रियमानपति  
 हृदयधामिकमलफूल्योनाकोगंधबंककिंधोगंधमुषमुषको किंधोप्रेमपरिमलपुरनबतीअ  
 निकीकिंधोवरवानीवनमातीवपुषको जमकोसुनासुराअंगकोप्रकामताअचंदनकोषुवी  
 लामुवासअयेमधको रमनाकोमलदरनिये कोविंदअ  
 मलकलोल केअवदेरेवीरमनकी रमदीअवनमृदबोल देवतिहीआ  
 क्षयबुबाधीजातिबाधामबराधनुकीरमनामुद्रपकीसीरानीहे आलीरवातनिकीजननीश्रीज  
 गमगेरमनाकीदेवीकिंधोपतिचांनीहे केमोदाशमकलमुवायकामीमेजकिंधोअकलजुजान  
 ताकीअधीपुषदानीहे किंधोमुषकजमेसकतिकोनीमेविहिजमविनाकाबबिताकाकविता  
 निधानीहे वाणीवीतिवेणीअलिशुकपिककिन्नरगनयो

ऊको

रवि

मनमनवहो अरथमय केमवराशवधानि कासकीउहाईकिमुहाईस  
 विभाकरीकीइंदरकेमंदिरकेकाइउपजतिहै सुरनिकीसुंदरीकिमोदकीकिमोदरीचाउरी  
 किमाउअमीवातनमजतहै रागरजधानीअनुरागनकीवज्ररानीमोहदिधिरानीकेमोह  
 किनालजतहै एरीमेरीबजरानीतेरावरवांनीकिधोवांनीकीवीनाधुषमुषतेवजतहै  
 मुकरबंकककपोलमम केशौदाशप्रमान तिलपुनम  
 तुरीरमम मुकनाशिकाममानि किधोहरिमनोरथरथकीमुपय  
 तूमिमीनरथमनऊंकीमतितअकतिहै किधोरूपनूपतिकेअमनमचिरमचिनममग  
 लचनमरिविकामरिखे किधोश्रुतिऊंमलमकरमकेशौदाशवितयेतेविकैतवकवैधिवल  
 तिहै गोरेगोरगोलअतिअमलअलोमतेरेललिततेरेकपोलकिधोमेनकेमुऊरके  
 केरावमुवाससाममिधिनिकीगुहाकिधोपरमप्रशीधुन  
 मोननमुवासिका किधोमनमिजमनमीनकीऊवेनीकिधोऊंदनीकीमीबजालनेवितति  
 लामिका मुकनाललितपुरीललितपुरीललितपुनीदज्जकीकिधोसुरमेइयतकामिकेवि  
 काशिका त्रिभुवनरूपताकैउंगतोयनधिताकेतोइकीतेरगणीतनएतेरिनाशिका  
 केसवअनंदकंदफल मुखाविदमकरंदम



नयनांगकोदीयमनि नकमोतीजगचंद केशौदाशकलमुवासको  
 निवासयह किधोअरविदमहिबिडमकरंदको किधोचंद्रमंडलमेंमोचतिअमरगुरुकि  
 धो गोदगोदघुदहीकीधेलेमुतवदकोवाडेकामगुतयदिन२५नोजातिमघतुहैफलवदअन  
 दकेकंदको नाकनायकानिऊंकेतीकोनकमोतीमानोमनउरजिरदोहै नदनदको  
 लेचनवासवकोरमम वाउकऊंमुदऊंरंग अजेनजुत  
 लीकाममर धजनमीनऊंरंग पीयमनहृषकिधोषेमरथसतकिधो  
 मंवरअनुतरमवासकेअमुरगहै वितवितविऊंउरिवितवोस्वोरिधुरवदकेवेकोरि  
 कधोकेसवऊंरंगहै वानमदसजनकिधोमनवदकेवेकेवेकोरि  
 नऊवरकामदेवकोउरगहै मोनामरलीनमीनऊवलयरमनीननलिननवीनकिधो  
 तयनवऊंरंगहै विषमिगारसतुलमम पुरेपातकला  
 ज मनरजनअजनमबे वरनतकैविराज किधोरमराजरमरसि  
 तअसितकिधोललितविशेषविमिवलितमनालके किधोजगजीतवेकोरजारतिना  
 यदाथवाहनुवाहवनाएकेमोदासवलवालके वतघातपातककिविभुवोरिविकौतमु  
 देषीविकेनदलाजलालकरिकालके नागिरदीलोकलाजयजननयनकिधोपीयमन

रंजन किं प्रजन हेवा लिके राज ठिधनुषयः प्रवत्ता रे  
 षाषडगषकास मंत्रयंत्रसम आसनन याम आस विज्जस किं  
 धौलागीपगजके अकपकलंक किंधौ केरावमयक अकेतसूताइको आसनमिंगार  
 कौकिंकामको अरामनु किं सामन लिषो हे प्रमहरन प्रताइको जंत्रदे सुहागको किं  
 मत्रतो अरुगगनिको मंत्रनिको बीज अरुध उरुध अनाइको राघे रूय वेध विषपीउष  
 विशेष मयतामनी केनो हे किंधौ लौनु हाइनाइको  
 रागरवननाजन नवन सो नने श्रवन प्रवित्र केराव लेवन राजके मन के मंत्री मित  
 ह। ग्यान के विवरिकि धौतन कतन कतन के चोरि हरस अरुत है श्रुतिन के रूप किं  
 धौमन के मुमित्र किंधौ के सो दारारूपन के तयन वनु हे लाज के तयन किंधौ तयन  
 मवव किंधौ तयन कवराग्र मरुत रुकिंधौ अवन हे  
 लन मन मयनाटक युग ललित लच्छप परिमाने तरुणित मृणवत्त वन्द्ये  
 केराव के मुमम मानि पुटिला धिखिन मानि मोहनवन के व  
 नैकन के कलसरु विरुवन है तनकतन कतनी तुरीतर लगति मानो रूपता

५१

षपीतपीनीतयवनहे कालीदी के कलकिल जान जल के लिकु कालिदी मरी हे मेरे काली के द  
 वन हे के शौदा शमुदर अवन हे वज सुंदरी के मात्रो मनता वते ना वते नवन हे  
 चले दल दल सीनी रीउरी तनुपताक मन मीन अरम कल आक  
 मेके दीशति दीपनवीन यहिर करन फल देषी है ऊं वराक सुन हो ऊं व  
 रमोना सुषदा नीये तिन के तन की श्रुति जी तिजो तवत अति केराव अनंत मति के शेर उरिआ  
 नित्ये मानुवा मदेव जू के वर काम देव साधे मर साधिनानि लक्ष्मण मानीये उह दिमि उह चूजल  
 ऊटीक मानता निनयन कटा छा वंन वेध तन जानीये केनक  
 पटीकाम मकहो के मवत लित लीला रु सोनत सोनत नकीसना अधस्विं प्रमाचार  
 केराव अशोक किंधौ सुंदर मिंगारि जो कनक के दार किंधौ आनंद के कंदको सोना को सोना  
 उकिंधौ प्रता को प्रता उकिंधौ मषि देषि मोहे हररा उनंदन मुनदको वमक तिचारु लविगाग को  
 पुलिन किंधौ वक वोधी वितवत नंद ऊं अमर को सेज ह्म हाग की कितागताग की सला सुताग  
 लामिनी को ना न किंधौ ना गुवा सुंदको अलक विज  
 कमेवर नित्ये स्यामल अमल सुपास अति वं वल अति अति वारु अति सब म केराव दारा  
 केराव कमा किंधौ अनंग की सुरग मुष लेवन ऊं रंगनिकी चाले दटक

के

तहे पीयमनपासिवेकोंपासिवेकोंपामीसीपसारीकिंधौउपमाकोमेरीमतित्वलवैटकनहे  
 तरनतरजातीरतारनाथसाथकिंधौगथपरीतमकीतरनतरकतहे सुनिलोतिरोवनत  
 वलहेतेहनिधितिकीअलकाकीअलिकअलकतलतहे  
 अलकेमुकरसोमानिये कोमलकमलममानि अलकलकितमुषवरनिये चामवदपरिमा  
 नि महीतमेकीनोगेहुदेवनमिदीनोदेऊंशिवश्रीकीयोमनेऊंजगो  
 जग्यारोहै जलधिमेजप्योजउतपनमेतप्योनपुकेशोराशवपुमाममममप्रतिगास्योहै वर  
 गनइमिधित ओषधीशनयोजयिजगतइशमुक्षसोमवास्योहै सुनितंदनदप्यारीतेरेमुषवंदम  
 मवदपेननयोकोटिबंदकरिहास्योहै अमनोदयराजी  
 बेमे अंगरागअसराग रूपरूपनिरतिराजयो राजतमुषमुषराज  
 केशोराशरागगनीनीकोकिअमनुरागकिंधौजिमेवनहै मज्जासलीनोरकी अतुसतरद  
 तुवऊवदतमदनकिंधौकाइफलकतिऊजतिवऊउरकी किंधौसायासोतनवनकीमननिको  
 वासवकोवोरलेनचितचारुचौलतेरेचितवारकी लागिरहोअमनुरागकिंधौनाहनेन 42  
 तिकिंधौकिंधौरवीरचितेरेतरनितमोरकी  
 नोरिवोरमेवारतम जमनाकोजलमेह पमोरपठममवरनीये केरावमहीतअइ

म्पेसीवेनीवरनीये केरावदाशवनाई अमिनिप्रिजमुनाधारअहि अलीअवलीमुषपाई  
 वैनीपिकवेनीकीत्रिवेनीसीवनाईगुडी कंचनकुसुमरुविलोचनपो  
 वीदेये केशोदाशफैलिरहोफुलफुलश्रीमुकुलजोतिफुलेयोतनमनमेरोयोइहरिमोही  
 ये बिदाजगमगतिजराइजसोताकी ज्योतिजायोहै अजीतउपमानियेआनरोहिये मानोई  
 नयोमवनिआनिपावधारेहोऊमोहुतुमुहागगौशिरलागनालमोहीये  
 मागकुलशिरकुलमुन वैनीफुलीवनाउं मयरूपजगमोतीजन वर  
 जप्रगटप्रनाउं चंदनचटाइवार ऊऊमलगाइयाबैकिंधौनिमिनाथनि  
 मनेहसोइराइहै किंधौवंदीचंदनछिरकीरबीरसायिनसमीपिमुक्षानिधिमौक्षामोक्षिआ  
 इहै किंधोरमराजरमकेशोदासहरमलअनुरागरसंधाराधरधाइहै मिलमालती  
 कोलालनोरिगोरीगुहीवेनीपीकवेनीकीत्रिवेनीसीवनाईहीहै  
 जमअनुरागरिषमुदरमिगारिमेकिंधोरसोमकरतमतेजतयवलमे किंधौ  
 गिरागंगावकीशरनीकीशरीजी तिनिकमवलीहै जमुनाकेजलमेम्यामलमुमिलमु  
 नपाटीनिमेवासमागअमनजलजलविमोहपलेरमे मानुकेशोकेशोराइरुसपजा  
 जतरूपऊकीकीसीहैकयोटीसीअमलमे बिदा

वरनतसकलकवि केशवललितलिनाम तागमुहागनरेममम रविशशिउचिउदा  
 मोतिनकीसरिसीमपर मोहतदेइहसांति बासचंद्रमाकविउ घनमरालकी  
 पांति कंधसौकंठकपोतिउतिः  
 मुरनरप्राकृतिकविगतिआरनटीसात्विकीमुत्तारतीकीलारवीकोलीरकीकिंधीकेशी।  
 दाशकलगततीमुजानितानिसंकनाशौविधिव्रताकमोरिकी बीनावेनपीकमुनिमो  
 ताकीविरेषारुचिमनक्रमववनमुपियचीतवोरीकी अंबुसाईकीमोमोहदेविअंबका  
 उअंबुजनयनकंबुगोवागोरीकी महजमुवासम  
 क रीरकी आर्षनविधिजानि अतिअष्टिगतिहृतिका इष्टदेवताजानि  
 कमलवदनकस्वरनयनकंबुकहरिकुरंगमटकटाकविनामहे स्रुटीकृतिकच  
 च मेकमुगंधिमयकंदिकलिकामेदातिवदनकीहामहे अंकमशरीरकंकमऊमानिकीस्वदनी  
 रकेशीदाशअंबरअंबरकीअंबरधकाअहे मनकरषणविधिकिंधीइष्टदेवताअष्टिगति  
 डातिकाकिंसहजमुवासहे वसनसहेलीमिधमन कायाप्राया  
 हाउ मोलामुनेगमुहातेगगति लाजलाजकीआउ किंधीयहकेसर्वमि  
 गरकीहिसिधकिंधीनागकीअहेलीकिमुहागकीमुहाउहे जोवनकीजायाकिंधीमायमनमो ५३

हिवेकीकायाकिंधीलाजकीकीकिंलाजहीकीआउहे लापलापतांतिनकेपीयहीकेअतिआ  
 पुपहरेवनइकिंधीमोकीमुहाउहे सोरीजरकसीजगमगतिमरीरकिंधीनृषनजराइहीकी  
 जोतिकीजराउहे केवनस्वनकेतकी चपला  
 चपलकसीकि कमलकोमगोरिचना त्रियतनइतिअवतारि राक्षकेअ  
 गगुराईमीऔरगुराईविरचिवनावनलीनी कैमनबुधिविवेकसौएकअनेकविचारिनमे  
 प्रिगदीनी वानिकतेमीवनीनवनावतकेशवकेशेऊवेंगइहीनी लेतबकेशरिकुंदनकेअर  
 तिकीचंपककेटलरांमिनीकीनी राजहंससौनीकल  
 हंसमम अतिगतिमंदविवास महामतंगजराजसी वैरनैकेशीदारा  
 किंधीकेशीदारासुकमुकनिकीसकासककिंधीपगभरअतिआरअजतहै किंधीग  
 जराजनकोअऊसमीराजतिहैकिंधीहंजराजनकीलाजसीलगतिहै ललेतअनंग  
 तरवरवलितमिगारवेनीफलीफलहाबनावफलतहै किंधीनंदलोललोललोचनकी  
 मुषलाकितेरीलोललोचनीअलोलेअतिगतिहै बीबी  
 याआनाटपगधधसूजराइजरेजेहरबबीनीबुद्धंटीकाकीजालिकांमंदरीशौपीचीह  
 रीकंकनवलननीकेकवमालाहारपहिरैगुपालिका वेनीफलमागकलेमीफलके

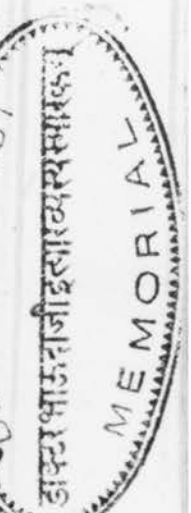
सफुल्लुतिलातिलकमोतीवनीबालिका के शोदाशनीलवायज्योतिजगमगरहीदेह  
 धरे वैषीयतमोनौदीपमालिका चंद्रकालाउमदांमिनी कन  
 कांमलाकावेधियत दीपशिषाउषधलता आलावेधियेधिये  
 ताराश्रीकानितरायनिधंग-शेषेवृंदकलानिसिंदूरकलामी मोनेकीश्रीकश्रीहरिनयेने  
 मिलितरमेउरहरिप्रनामी अधिकीउषधमीकहिकेशवकामकेधुमिमिमेदीपशीषा  
 सी हंमिनीमीधनम्यामशामशामीपलमेतेनमे-श्यामलमाललतामी  
 महिमोहनमोहनीकपमहिमाद्विहारी मदनमंत्रकीसिद्धपेमकीपद  
 तिररीजीवनिधुरविचित्रकिंक्षीतगजीवमित्रकी किंक्षीचित्तकीहृत्तिहृतिअनिलाषा  
 वचित्रकी कहिकेशवपरमानंदकी आनंदशक्तिकिंक्षीधरने आभाररूपलवन  
 धरनकी राधाहरिबाधाहरन शिविधवरनऊमकलकवि अविरली  
 बबिअंगरकहीजघामतिजीवजन्म केशवराइपराग

अचपेतमचपेतअम जमकवरनउऊंहेति अ  
 बपेतविनअंतरही अंतरश्रीसवियेत मजनीमजनीरटतिरवि हरषेन

५४

चितरतशोर पीउचातकरतचिन चितवहीपिउकीउरि मा  
 निकरइतमखिकोनमो हरितंदरित-आहि मानिनेदिकोमलदे नाहदेधिवित्वाहि  
 मोनेतमोनाअंगनत हीमतिहैयेइहमोरि वारनवारनगु  
 तरति दीनेविनसंभारि रोक्षकेशवऊंवरकी बाधाहरन  
 कीपवीने नेकमुनावऊंकरिरुया मोननवीननवीन हर  
 केहरिकेवलमनही मुनिहृषलानऊंमारि गावऊंकोमलगीतको सुषकरनाकरनारि  
 तै मुरवदेधि आरसमारिनयनमुनि चंद्रचंद्रमुषदेधि वरमनीरमनीरअंतर तिनकेहर  
 तमथनहरि वमैरधीकासंग अलनीअलनीरजवसे प्रतितरवरनपतंग कोमनपथम  
 मोनि निहारि प्रमसुजानिसुजानिहरि अपुनेचितविहारि आमुमनावनप्रानिपति माति  
 मनोहरिमा वामवामहृगिवाह मनसावावाकर्मना हरवनितावनिताहि जिनहरजगकी  
 शकेशवकंअंग आनुबबीलीबबवनी बोधबलनेकेअंग तदुतिरकरिकिमिल्यो के  
 तीनि बेजुनवदसुंदरगई गिरीबुदरीदरीनि देविप्रवालप्रवालहरि मनमनमथरथरअ  
 दपरवानिवही दैषतवनउपकांत यहअबलाअबलागहे मनुहरहरकंध परमानं  
 हरि ऊंऊंग

योसंयाममे मूरजमूरजदेषि दिवरमनीरमनीयतर मूरतिरतिमनेरिदि  
 नाहिउरवश्रीउरवश्री मदनमदनवसितक मूरतरवरत  
 रवरवरेतजे नंदनंदनग्रामक  
 कनिमदा वरनउरहतेविजानि करौवपेतविकल्पना जमकनीकिमुषदनि  
 मोधवतोधवराधिका यावज्जकानिकुमारि रजोमोधवनेमिमी  
 गिरजाकोनरतादि सीयाम्बयवरमाहिजिन जुवतिनदेधिरा  
 म नादिनतितिनमबरनि तजेसुयंबरकांम  
 पनसेयोकरतही रीमवद-अवनीषु तीषुत्रप्रफुलितदेधियो विरहीविरहीममीपु  
 जेनेबुवेनवेरमा कमलाकरमुविलास अनीहीतवि  
 वाक्षपद कमलाकरनिजदाश परमतकनियोमोनिजि परमेयरअंग  
 धंग कल्पलताजेसीनसे अंगनामकेसुय कल्पपुष्पाकेअंग अंगदेगतिनिस्थि  
 ये ललीललीमसुय अंगनमेजेसीनसे अंगनानिकेसुय दानदेतयोमोनिजे दीन  
 नरनेहाथ दानसहीतधीराजवी मन्नगजनकेसाथ नरलोकहिराधनमदा नरयति ५५  
 श्रीरधनाथ नरकनिवारनिनेमजग नरवारनरनेकेसाथ मुषकरउषकरनेदहे  
 युषकरवरनेजानि यमककहीकविराजमव उषकरवहतवधानि मानिसरगेवरआपुने



के

लेरको

मानियमानिसवाहि मानिसरीवरमीतको मानिसवरनहिताहि करनीवरनीजाईकब  
 मुनिधरनीकेसुय देवदेवनरदेवमुनि देवदेवनगदीश राजागजासंगईमहिज राजरा  
 तमनमानि विषविषधरिअरअमुरसरित विषविषमनउरआनि  
 प्रमानिमानिनाचही अमानमानराचही प्रमानियावही विमानिमानिधावही  
 ऊमरतिहारिमहरी बहहितहारनीषदारि कहारयातविहारिवन हरमनोहारिनिहारि  
 जीतोमरवीनकऊंश्कबावरनिही तोऊंकऊंश्कवातेरिमानहि तोकरदेवउवनीवन  
 मालहि कहितमिलवेवनमानहि जेमेस्वेजयश्रीकरवारनि ज्योनलिनीजलजाननसा  
 नहि जोवरषाहरषेवनकालही तौहृगदेयोईवाहेगुपालही चिंदुहाक  
 नहोतिउषादिनिशरकोरेअबकेउषदंन छंदनजानिनेही जितकीगतिनामकदावतिहेनंदन  
 दन फंदनुपेकुकेहननकीरतिकाटिकरेमहीमोहनकंदन चंदनवेरीकोअगबदावेतदेवा  
 अदेकदेजगवदनु मुरतरवरमेरकोनावनी मुरतरतरंगनीकरकिनरी  
 मुरतरंगनीकरकिनरी श्रीकंचउरंगवाभुकिजसत सर्वजगलवालेरु

मुरतरवर  
मिनावनी

व-

हसनहसनकेजगनुषननुषनकेगनकेशशेहे ग्यानअनपनकीउरनकेपरिपुरनिकेनावन  
 ररनजोहे जोपरमानंदकीपरमापरमानंदकीपरमाकहिकोहे पाकरश्रीतुरीश्रीपतिकेअ

वदात्तरग्रीपतिमोहे रहविधिबोरोजांनियो उकरजमकअनेक कहिजितचित्तक  
 वितअब दुनिजतमहीतविवेक एतिश्रीमद्विबुधनुषननुषिताया ॥ कविप्रियायाजम  
 कालंकारवरणननामः पंचदशोऽध्यायः ॥ १५ ॥ केशवचित्तनं  
 कारमे ब्रजतपरमविचित्र ताकेसंदककेकहेकने वरनतऊंमुनिमीत ऊरधवि  
 बुबिंदयुते तजिरमहीनअपार बंधिरअगधिगनअगनके गानजितअगनविचारि  
 केशवचित्तकवित्तमे इनकेदेधनदेषअकरमोटेपातरे विजयएकेलेषि अतिरति  
 मतिगतिएककरि बऊंविवेकजुतचित्त ज्योनहोइजगतिनगतित्यौ वरनौचित्तकवित्त  
 पढतनलागेअधरयो अधरवरनत्यौमंदि वरनौएकविवरअर  
 औरपर्वगीहितांदि लीकलीकनिकीलाजलीकनिहेतंदलातलोचनललितलोच  
 लीलाकेनिकेतवे औहनकेसोचनअकेचकाऊलोकककोदेतमुषअशीताकोउनोउषदेतहे  
 केसोदात्राकानरकनेरऊंकोकोरकमेअगरंगेगतेरंगअतिअतिमेतहे देषिदेषिहरकीहर  
 कीहरनताहरनताहरनतेनिदेषोनाहिदेषतहीहीयरतेनहे  
 एकेसुषतिहवरनिये अकंतरूपसुवर्ष कहिजोमात्रारहीतइह मित्रचित्तआन  
 न जगमगतनगतजनरमवम चवहरअहसकरकतअकस्वर कनकवसनन  
 जग

५६

नअसतअनलवल वटदलवसनअननजलथलकर अजरअमरअजवरद्वरेनधर  
 परमधरमगरनचरनअरधनपर अमलकमनवरवरवदततदतजमहरनमदनमदम  
 दनकदनदर एकआदिदेवरनबऊं  
 वनअबदबनाई अपुनेअपुनेबुधिवन समुकेकहेकविराय  
 गोगोगंगीअआ श्रीक्षीकलीनानुः लक्ष्मिस्वययाद्यौहिहा नोनामंतमावु  
 रमाउमावांतीमदा हरहरिविधिसंगवामे कीमादयासीतायनी वाकीरां  
 मारांम श्रीधरकधरकेसिहा केशवजगतप्रमानि माधव  
 राघवकीनहा पूरनपुरुषपुरांन श्रीतानाथमेतनाथअत्यना  
 थरघुनाथजडनाथबजरांननाथदीनानाथदेवगति देवदेवअदेवविश्वदेवव्यामदेववासुदे  
 ववसुदेवदिवादेवदीनरति तरवीररघवीरजडवीरबजवीरबलवीरवीरवीररांमचंदवा  
 दूमति रांमपतिरांमरांमपतिराधापतिरसपतिरासपति अहर  
 षड्विंशतिमवेतापावरनबनाउ एकएकघटिएकलगि केशवदात्रामुनाई  
 बोरीमांषनरुधिविउ डूढतद्वगुपाल हस्योनजलथलफटकफिरि जग  
 रतबबसौलानु चदनदाषके रीऊलगायौगावु विठलहिनधरमि

नशिश्च फुलेवपुषनमात  
 गजवानुर धनूषनाजनिद्विदोरकुनि कंसमधेमदूरि  
 पुनि नारेगोकलनाथ माधेनचोरीफवदव पदौकवनकैनाथ  
 नगोविदविचु मायाकाशीनाथ लोकपववतषमंधरि गरुडधुजरघुनाथ  
 र चैमेउमनवजगधे दियेकालकेहाध तेमेअवउषकाटिबल करमफंददिठनाथ  
 थकेजगतिप्रमुजायसब निपटपुराणपुराणिपुराणिधुकारि मेरे  
 चितुवेवुनिरहे मधमदुर्नमुरिहारि कोजानिकोकहिगयो राक्षकोइ  
 हवात करीनुमाधनबोरबलि उठतवधेपरनात जतनजमायोनेह  
 नरु फलतनंदऊमारि धनकतिकसकतजीनसब कपटकगोरिऊवारि  
 बालोपनमोगोरमहरे वदेतयेजिमवित्त तिमकेशवहरिदेऊडौ जौनमिलेउममित्र  
 तुमघरघरमंदरातिअनि बलिभक्तमेनंदलाल जाकीमतिउम  
 हीलगी कहाकरेश्रीबाल जौकाकतिवहमुने दटतमोलतमा  
 फ नौसगरिजगबुद्धिहे वाकेआमुनिमांज कहेरीपरायोमिधुनो  
 मनुदीनोहरिहाथ तादिननेवनवरनिफिरि कोजानिकहीयाथ ॥

५७

दुकाडाकादिनकरी दुकाडकौअरुनेन यामेकेबावकोनसुष धेरुकरेफिकवेन  
 कारऊविरनकेकहे जीजरगयोअनेह टारेहीदुटेनही कहाकरि  
 अबलेऊ वेसवयोहेकालका विमरीगोऊलगाज मुषदेघोलेमुक  
 रिकरि करीकलेवाजीनलज लेवाकेमनमानिकरि कंतकाऊपे  
 जात जौतेकोऊजीजानिहे तबकेहेकोवात विवुनबुनेअगारगत जाके  
 करजीयजोरि जोइजिजारेजिये कैशेकरतचकेरा नैनवावनेकऊ कवलनेनन  
 वनाथ बालिनिंकेमनमोहिके वेचेमनमथहाथ रामकामसबुशिव  
 करे विबुधकामप्रबसाथ कारमरामवरवसेकरे केरावश्रीआराधि  
 कामनाहिनेकामुको अबमोहनककाम वयकीनोमनमबनको कावामा  
 कावाम कमतनेनकेतेनिर्कमे तेनतिकोनीकाम कोतकोनयने  
 मुके मिलेयुश्याममुजान वनमालीवनमे मिले वनीनलिननवमाल  
 नैनमलीमनमेमिली बैननिमिलीनबाल लगालगीनोपुगली लग  
 लागवालेलाल गेलगोपुगोपीलग पात्रायुंगोपाल हरिहीराराही  
 हरी हरिहीहीराहारि हरिहरिहोहारौ हरिहरेहरिहारि

तौनीनौनीनौननि नौनैनौनैनेन नौनानननानुने नवृत्तनृनेन  
 गोगोगोगोगनज जीजेजीजीजोह सरिहरेहरिहा हाहाऊंऊंहोहि  
 केकाकोकाकीकका कोकाकोकोक लोललोलिलुलोलेल  
 ली लालालीलीलोल अंतरनायिकाउत्तरवर्षन॥१॥उत्तर  
 वर्षनवाहिलो बहिलापीकाहोई अंतहीअंतरनायिका यहजानैमवकोई  
 अंतरकोनविकल्पको नुवतिवसतकहिअंग बलिराजाकोनेबल्ये  
 पुरपतिकेपरमंग कोनजातिश्रीताम्रती दशकोनक  
 हवात कोनग्रथवरनीहरी रामायनअवदात उत्तरजा  
 कोअतिउम्रो दीजेकेशवदात्रा ताम्रोयुद्धतरकदै वरनऊबुद्धिविनाश  
 नषतैमिषलोमुषदेकेसिंगारिशिंगारिनकेशवकव्यो पहिरामनोहारिहारिहीये  
 प्रवगातमुगंधिमयो दरसाइशरीकरीदर्पनलैकपिलकजरज्योबऊनखनयो यखियां  
 तषावावतहीकुडीकारनकोपियियापरिनारिख्यो हप्रविनाशनि  
 वास्योकेशवकेलि विधाननिधानडुनिमे देवरजेठपितायुतयोदरहेमुषहीमह्वातयुनी  
 मे नोजननाजनदुषतनोननरेजप्रयावनदेवधुनीमे कौमक्षीमजामिनरोवनकाभिनी  
 कंतकरेमुनगानगुनीमे

५६

नाकनवौतिनिनेऊनवौपरनारितीकेमवक्योऊनजेवे रूपअनूपमत्तपरत्तपुआनंदरूप  
 नहीगुनजोवि नौननरीमवसंपतिदपतिश्रीपतिज्योमुषमिधममोवि देवमुदेवप्रधानमोष  
 तमोकोनदशाभुदतीजिहिरावे  
 एकहीउत्तरमेजिहा उत्तरमेकअनेक यहयहदरनतअकनकवि केशव  
 महीतविवेक उत्तरमेकममत्तमे यस्तअनेकनिजानि जोरिअंतकेवरनमो कूम  
 दीवरतवधान कहानमजनवमत कहाननिगोयीमोहन काहादाशकोना  
 उ कवीतमेकहिजंहीत कोप्यारेजगमादिकहाहितनागतभावक कोवामरकहकरती  
 कहामंनारहीनावत कहिकाहिदेविजईरकपत आदिअंतकोहेशरिनु रहउत्तरकेशव  
 हावादीय प्रबैक्षजगतमोनाधरु मितेआदिकेवरनमो केशवकरिउच्चार  
 उत्तरवस्तमममनो वाकरकीअवहारि कोशुलअकरकवनयवतिजोधिनिव  
 प्रकाती विजयमिधममममकहीकोनौदीनी कंमराजजहुवप्रवरातवरातकेयेकेशवपु  
 र वटमोकहिजितकहानामजानौअयनेउरि कहिकोनजननकोनजगजगतकी कमल  
 यनमस्त्रियहृदपुराणेनमेकही मनकादिकप्रकरतमति कोमलकोहेधरी  
 धरिधीरजधरमहीतमारेकिहिसुतवनदेवजोरिबमो जावैकहाजगजगदीअपरपरकेशो

तको

॥ केसरदाश  
विचारिके  
निनपदार  
य-आनिउ  
नरवसमम  
जमे उलौनौ  
गताग-तजो  
नि

दानन  
मौपरमौन  
मंपरमान  
कीवात मौ  
वातकहाक  
हीनय-आ  
युविधेधुत  
कौकहिजे  
वनकाहिन  
एहितपाल

हाशकोनिगायौरांमायनुगीतधुतरवमौ जम-अनरग-प्रवदाजानवनपुत्रनातनिमोकादी  
कौनऊतीमातावातनेहनवमौ वामग्रांमहरिकरिदेवकाम हरिकरिमोलेगमकोन  
मौमग्रांमऊरातवमौ एकएकतजिवरनवऊ जुगश्वरनवधानि उत्तरव्य  
ममममनि-आनि केरोहेरमकिमेनईलंककाहेवपीतपदहोतिकेरोदा  
शकोनिमोनिनजनाअनाजम नोगतिकौनोगवनकौनोगवतकौनिगनेलागवत जीते  
कौनजतीनकौनहेधनांमकेवरनकौनिकानिमलाकौनयुवती-अजीतजंगावेकहागुती  
काहिकजंगगत काहेमोदेपशुकदाकरितपतपीइपजीतवसतकहातवरगगयमन  
केग्रहकौमकहत्योपेमिकेदिपलहमधुमनकहाकमलको  
ग्रहे धुततमोहतकिहिसगगन कहावेततिप्रिध कवनकौतिककहीवर्षनकहिसेये  
पितमातकहौकविकेशवप्रवत उत्तरव्यस्तमममममौ उजगतागत-आनि ए  
कहीअरथप्रमर्धमति केशवदाशवधानि कंवसतकोयात कोकमहाबऊंवि  
धकहे कोकहीजिभुरतांत कोकामीहितसुरतप्रधु तीन  
तीनग्रांमनविकौ इकरकउत्तर-आनि नामनउत्तरकहतप्रव बुद्धिजितताइहिवधानि  
चोकिवारुकरिकूप ठामधरिआम बांधियरि मुनिमोत्वकरषगा' कोलमिच  
नकेउय मृपनिमोउपदेकाकहाकहीनेधुवशोकहितलेकिहिरातितजेनय शउकेबो-योकराज  
मकेशवकेहे-अहिमेधोकमोजनमेनय

ग

उष

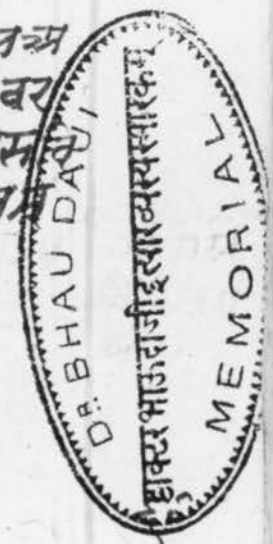
पए

चदिजेबोलवर इयऊदाउदेमुर ऊदाउयुनगाउरककौजाबुनावशिवधामधउधनुनाउ  
कंकौयइ कहतेमककरमाहिमाहरयोअकलदीवानदवि तबउत्तरकेशवदाशदीय  
धरीनपासोजाबुकवि जोईअकरषअके तेउत्तरजानि रुहां  
विधिप्रश्नोत्तरप्रदा करेधुबुद्धिनिधान कोदमग्राहीतुनट कोऊमारिरतिव  
ति कोकदियोकाम्पीप्रदा कालीकीहेतीक मुधौ  
उलटोवाधिये एकहीअरथप्रमानि केइतगतागतताहिकवि केशवदाशमुजानि  
मायममोहमजैवनवीननवीनवजैमहमोमममा मारिनतानिवनावविमारिरिया  
तवनावनतातरमा मानवहीरहीमोरिदमोदेरमोदेरमोहिरहीवनमा  
एकमवेयामेवदा प्रगततहोयप्रमर्ध उलटोमुधोवाधिये ओरहीओरहीअर्ध  
यमुवेमसवे नेनवकीतविजीतरुनिरुखिवीरमवेनिमकालफलें नेनयुनीनीरितरीध  
रक्षीरवरीतिसुकोनवहे नेनमनीगुरवालवलेमुनयोवरनमेअरमीवलमे अथगोमू  
त्रकागति अश्वगति त्रिपदी कपाटबंध मित्रायुत कमलबंध  
ववर्तनबंध धनुषबंध सर्वतोमुख वर्णन

इंद्रजीतिमंगीतले की एरं मरमलीन बुद्धगीतमंगीतषले नए काम वरादीन जे  
 मोसुधोपाटयो मंत्रय च गति गानि तामो कहि जनि मंत्र गति गोमृत्रिका मंत्रांत  
 ॥ उत्परे गोमृत्रिका यंत्र ॥ अथ गति यंत्र ॥ अथ मित्रायु मंत्र ॥ राजन यंत्र गरम विरम अ  
 ति मरम मरम मरम मरम पगपगडुति वदत गति वयन मवध मने मति देव सुवरनवर  
 अथ गोमृत्रिका यंत्र ॥

इंद्रजीन मंगीत ले कि ए रं म र म ली न नमुसुवरति रचित म विरम  
 इंद्रगीत मंगीत ले न ए काम व म दी न नि नवरं गराय प्रवीन  
 ई जी मं त कि रा र ली  
 इ त गी ले ए म म न  
 इ गी मं ष त का व दी  
 इंद्रजीन मंगीत ले  
 कि ए रं म र म ली न  
 इंद्रगीत मंगीत ले  
 म ए काम व म दी न

त्रिपदीयंत्र

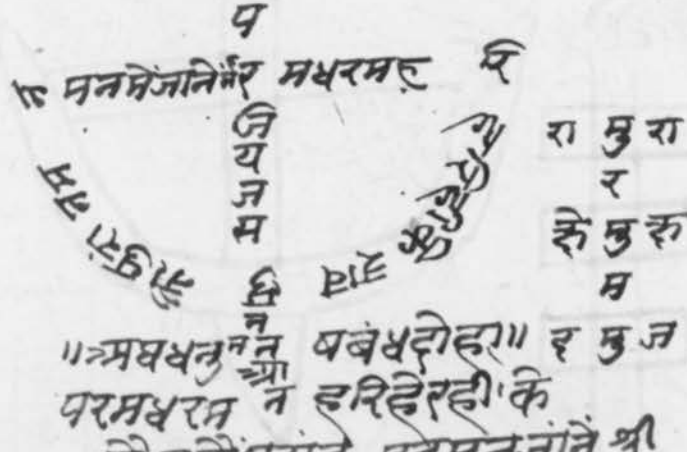
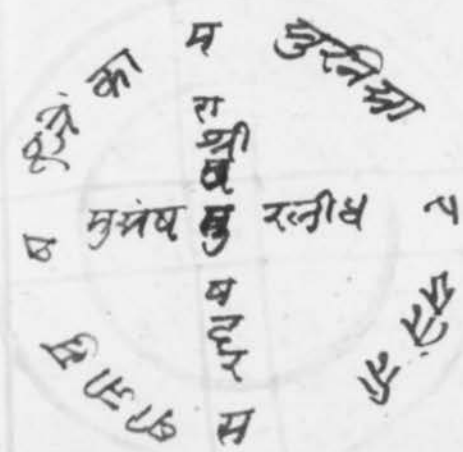


अथ ववर्तन यंत्र निर्याति

॥ अथ धनुषबंध चित्रम् ॥

॥ हारव

धचित्रम्



वामु न  
 व  
 ज मु न  
 व  
 वे मु क्त

अथ ववर्तन बंध ॥ ६ दोहा ॥ मुरलीध शोभुनो पुराने मनमनजाने श्री  
 उष रमुष हरममुष यमुष श्रीरामु मुनि नारिपरि जीयजममुनतन  
 यारमने नीयधी जीलुषपु जिकाम आनि ॥ इति धनुषबंध ॥ अथ धा हारिवंध ॥ ६१  
 इति ववर्तन बंध मंत्र ॥ श्री ॥ राबुराबुरमु हे मुक ममुद मुक मु श्रीरामु  
 मुका मुक मु प्रेमवधु जमुद मुद मु नमु वामु

॥ अथ मित्रागुप्तवित्तम् ॥

॥ अथ क म ल बंध चित्रम्

॥क॥

पाठबंधये त्रं॥

रा ज त अंग र य वि र  
स अति य र य स र य  
र स ने व प ग प ग प्र  
ति कु ति व ड त ग ति व  
य न व म न ग ति हे व  
व व र न व र न सु सु  
व र न ते र च ति रु वि  
र प्र वि ली न त न म न  
प्र ग ट न वी न म ति न



५५  
जीव  
मंगी  
तले  
कीए  
राम  
हय

क इत  
न गी  
सं सी  
ले ष  
ए न  
म का  
स वा  
न दी

॥ अथ कर्मजनबंध ॥ हरिहरि हरि लीन  
रिदोरिदोरिं हरिफिरिक रिंआरि

मुरिन्मुरिजरिंजरिंहारि परिपरिहरीतरितारि

॥ इति कमलबन्धिस्तु ॥

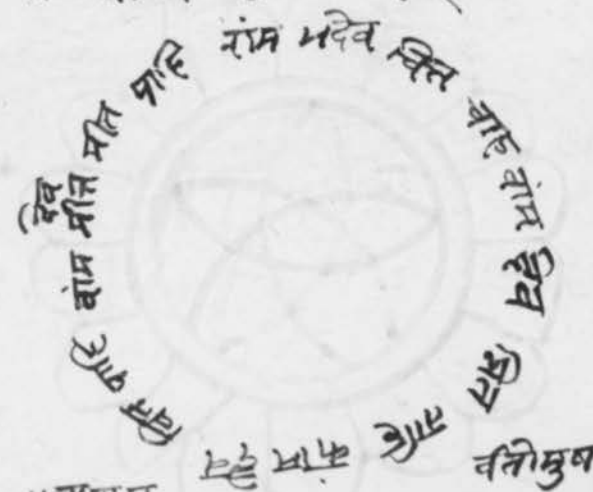
॥ अथर्वोक्तिवृद्धि ॥

॥ अथ सर्वतो मुखं दोहा ॥

॥ अथ चोकिबंध चित्रम् ॥

|    |      |    |   |
|----|------|----|---|
| रा | व्या | रा | ज |
| मा | म    | मा | य |
| रा | धा   | मी | त |
| सा | न    | सी | उ |

॥ अथ चोकि बंधि दोहा  
राका राज जरा कारा  
मात्र मात्र मात्र मात्र  
राधा मीत न मीधारा  
माल मीधु मीधु ॥  
इति चोकि बंध  
मंदिर ॥ श्री ॥



॥ अथ म  
निहा ॥ रां म रां म वित्त्वा हि वां म देव तित  
ता हि कां म देव वित्त्वा हि वां म देव वि  
तदा हि

बानन मन यई

वि ॥ अथ चोकिबंधकवित्त ॥ नर  
नरवर श्रीमहा तनमनयरय  
धुरवशिकरन नरकशिवरयेम  
कनयुषडयकुत जीवनमरन

नरभरत  
वजीन हीन  
रह्य ग्रह्य  
मतिमतिह  
न नरहृतम  
तनय जगत  
कैशव धरा  
शिवरघव

॥ चंद्रबिंदु कवित ॥  
 ॥ अथ चंद्रबिंदु कवि ॥  
 त्वेति हा कां म मनो ज  
 न न के उष देत रा ने सु  
 याम्पक तो ह त चो र  
 तदिषो हा कां म म मो ह र  
 यो हा अ स या मी न अ मी त  
 नि को उ ष दे त द या ल क ल  
 व त हा न द या म त्प क ह क हं फ  
 व ने पा व त दे षो वै ई जि न के री ष क या

॥ अथ त्रिपदा ॥

रा दे न दे ग प म र म धा  
 म व र व ति र ध न द र  
 वा दे उ दे ग प ऊं र ह धा  
 ॥ अथ त्रिपदा नेट्टोडा ॥ राम देव नर नर  
 देव गति पर ऊं ध र ने म द धारि वां म दे  
 व गुरु देव गति पर ऊं ध र ने म द धारि  
 राम ति प म ध न म धा  
 र र द रि  
 वां म ति प ऊं ध न ह धा  
 राम नर गति म ध म द  
 देव देव पर र न धारि  
 वां म गुरु गति ऊं ध ह द

६२

स्त्री ता सी न न यी ता स्त्री  
 ता र सी र र मार ता  
 सी मा क ली ली क मा सी  
 न र ली न न ली र न  
 न र ली न न ली र न  
 श्री मा क ली ली क मा सी  
 ता र मा र र मार ता  
 स्त्री ता सी न न श्री ता स्त्री  
 यो मि त्ता के रा व मो र हं ता व सु त  
 जं सो र हं क मिं गारि

इति चित्रं ॥ कां म धे नू दे आ दि दे क ल  
 य हं रु प यं ति व र न त के रा व रा क वि चि  
 त्त क वित्त अ नंत र ह वि धि के रा व जं  
 नि ज ऊं चित्त क वित्त अ पारि व र न त पं थ  
 व ता इ मे दी ने म ति अ नु मारि सु  
 व र न ज टि त प द प य नि नू ष न तू षि त म  
 नि क वि प्रिया हं क वि प्रिया क वि ज न धं जी  
 व न ज नि प ल प ल प ति अ वि लो  
 क वी सू नि वौ ग नि वो क्षि त्त क वि प्रिया यो  
 र ह्यो क वि प्रिया ज्यो मि त्ता अ न न  
 अ नि ल ज ल म तं ति ते वि क ल ष ल नि ते  
 नि त्त क वि प्रिया यो र ह्यो क वि प्रिया  
 ध व र न म व य मी गारि का वि प्रिया के ज न

३

308